THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 240 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.6, 2079 सोमवार, 14 नवंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

100 करोड़ में विधायकों की खरीद-फरोख्त मामला

4 राज्यों में 7 ठिकानों पर छापा

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के चार विधायकों को सौ करोड़ में खरीदने की कोशिश के मामले में राज्य की पुलिस ने 4 राज्यों की 7 जगहों पर छापेमारी की है। मामले की जांच के लिए गठित किए गए विशेष जांच दल (एसआईटी) ने हरियाणा, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में छापा मारा।

हरियाणा के धर्मगुरु और हैदराबाद के व्यापारी अरेस्ट

एसआईटी ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें हरियाणा के फरीदाबाद के धर्मगुरु रामचंद्र भारती, हैदराबाद के व्यवसायी नंद कुमार और तिरुपति के सिम्हाजी स्वामी शामिल हैं। इनके अलावा केरल के कोच्चि में डॉ. जग्गू के मकान की तलाशी ली गई।

धर्मगुरु रामचंद्र भारती के फरीदाबाद के अलावा कर्नाटक के पुत्तूर स्थित घर में भी तलाशी ली गई। इसके अलावा तिरुपति में सिम्याजी स्वामी के घर की भी तलाशी हुई। एसआईटी ने हैदराबाद के जुबली हिल्स इलाके में व्यवसायी नंद कुमार के घरों और रेस्तरां पर भी छापा मारा।

संदिग्धों को जग्गू ने कोऑर्डिनेट किया

एसआईटी के एक अफसर ने बताया, डॉ. जग्गू ही रामचंद्र भारती और एक अन्य संदिग्ध तुषार के बीच कोऑर्डिनेट करता था। इसे और तुषार को अभी अरेस्ट नहीं किया जा सकता है। तुषार ने विधायक रोहित रेड्डी से फोन पर बात की थी। जग्गू को तुषार का करीबी माना जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि एक विधायक के रिश्तेदार श्रीनिवास ने सिम्याजी स्वामी के लिए तिरुपति से हैदराबाद के लिए फ्लाइट टिकट बुक की था।

तेलंगाना के सीएम ने कहा था, दिल्ली के दलाल हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रहे

पिछले महीने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने भाजपा पर विधायकों को खरीदने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, दिल्ली के दलाल हमारे विधायकों को रिश्वत देकर खरीदने का काम कर रहे हैं। तेलंगाना के एक फार्महाउस में हमारे 4 विधायकों को 100 करोड़ रुपये की पेशकश की गई, लेकिन केसीआर के विधायक बिकने वाले नहीं। उन्होंने ऑपरेशन लोटस के बारे में पुलिस को सूचना दी थी। हमारी सरकार को गिराने के लिए भाजपा हमारे 20–30 विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है।

भाजपा से पूछा था, सरकारें क्यों गिरा रहे

केसीआर ने कहा था, ये लोग बोलते हैं कि वे तेलंगाना पर कब्जा करना चाहते हैं। मैं किसानों से कहना चाहता हूं कि हमें सावधानी से मतदान करना चाहिए। ऐसी राजनीति की वजह से हम रिश्वत लेने के धोखे में नहीं आ सकते। मैं भाजपा के लोगों से पूछना चाहता हूं कि यह क्रूरता क्यों? आप और कितनी पावर चाहते हैं। आप पहले ही दो बार चुने जा चुके हैं, फिर आप सरकारों को क्यों गिरा रहे हैं?

राज्य में सीबीआई की एंट्री रोकी थी

तेलंगाना सरकार ने राज्य में सीबीआई की एंट्री पर भी सख्ती कर दी। एजेंसी को राज्य में किसी मामले की जांच के लिए सरकार की परमिशन लेना अनिवार्य कर दिया गया है।

पुलिस का दावा, 100 करोड़ की हो सकती थी डील

साइबराबाद पुलिस कमिश्नर स्टीफन रवींद्र ने दावा किया था हमें टीआरएस के विधायकों ने ही खरीद-फरोख्त होने की जानकारी दी थी। हमने अजीज नगर के एक फार्म हाउस पर छापेमारी की तो हमें नकदी और चेक बरामद हुए थे। कमिश्नर ने आगे कहा कि विधायकों को खरीदने के लिए 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक की डील हो सकती थी।

बीते 5 साल में देश में हॉर्स-ट्रेडिंग के आरोप

पिछले 5 साल की बात करें तो कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में विधायकों के पार्टी छोड़ने और दूसरी पार्टी जॉइन करने के चलते कई सरकारें टूटीं और नई बनीं हैं। जिन पार्टियों से विधायक गए उन्होंने सामने वाली पार्टियों पर विधायकों को खरीदने का आरोप लगाया। राजनीति में नेताओं की इस खरीद-फरोख्त को हॉर्स-ट्रेडिंग कहा जाता है।

श्रीनगर में पीएम मोदी अपना वादा पूरा करें : बुखारी

श्रीनगर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा और विशेष दर्जा छीने जाने के बाद श्रीनगर में पहली बड़ी राजनीतिक रैली के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक संदेश दिया गया कि वे राज्य का दर्जा बहाल करें और बिना देरी किए चुनाव कराएं। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी द्वारा आयोजित इस रैली में हजारों लोग शामिल हुए। पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने कहा कि इतनी बड़ी भीड़ चाहती है कि प्रधानमंत्री लोगों से किए गए वादे पूरे करें।

ये सभी लोग यहां एक मांग के साथ आए हैं कि प्रधानमंत्री हमारे राज्य को बहाल करें. प्रधानमंत्री यह आपका और गृह मंत्री द्वारा भी किया गया वादा है, कृपया जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करें, जैसा कि यह 5 अगस्त 2019 को अस्तित्व में था। जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद जब क्षेत्रीय दलों के सभी वरिष्ठ नेता जेल में थे, तब केंद्र सरकार के मौन समर्थन से जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी का गठन किया गया था।

घुसपैठियों के टारगेट पर पंजाब

इस साल पाकिस्तान से 2507 ज्यादा ड्रोन आएं : इनसे हथियार, ड्रग्स और गोला-बारूद सप्लाई होता है

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के डीजी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि ड्रोन के जरिए साल 2021 के मुकाबले 2022 में पश्चिमी मोर्चे पर घुसपैठ 2507 बढ़ी है। पाकिस्तान सीमा पार से इसके जरिए ड्रग्स, हथियार और गोला-बारूद सप्लाई किया जाता है। सबसे ज्यादा ऐसी घटनाएं पंजाब में देखी गईं। यहां सीमा पार से फोर्स ने अब तक 215 ड्रोन को मार गिराया गया है।

डीजी ने फोरेंसिक लैब के उद्घाटन के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को यह जानकारी दी। मंत्री वेबिनार के जरिए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस लैब के जरिए ड्रोन फोरेंसिक पर स्टडी की जाएगी, ताकि सुरक्षा एजेंसियां सीमा पार से अवैध गतिविधि में शामिल अपराधियों के जरिए उड़ाए जा रहे ड्रोन के फ्लाइट पाथ और यहां तक कि उनके पते पर भी नजर रख सकें।

डीजी ने कहा कि बीएसएफ काफी समय से ड्रोन खतरे का सामना कर रहा है। इसकी क्वालिटी हमारे लिए समस्याएं पैदा कर रही है। बीएसएफ ने 2020 में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास लगभग 79 ड्रोन का पता लगाया था, जो पिछले साल बढ़कर 109 हो गए। इस साल इनकी संख्या बढ़कर 266 हो गई। सिंह ने कहा, सबसे ज्यादा 215 ड्रोन पंजाब में दिखे। इसके बाद जम्मू में लगभग 22 ड्रोन देखे गए।

डीजी बोले, ड्रोन की समस्या गंभीर

उन्होंने कहा, यह समस्या गंभीर है। हमारे पास अभी तक इसका कोई पुख्ता समाधान नहीं है। ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ, हथियार और गोला-बारूद, हर तरह की चीजें सीमा पार से यहां भेजी जा रही हैं। शुरू में बीएसएफ को यह नहीं पता था कि क्या करना है।

यहां तक कि जब ड्रोन गिर जाता, तो उन्हें कोई सुराग नहीं था कि यह कहां से आ रहा था या कहां जा रहा था।

2021 में दिल्ली में ड्रोन रिपेयर लैब स्थापित

बीएसएफ को गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मू से होकर गुजरने वाली भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा की 3,000 किलोमीटर से ज्यादा की रक्षा का काम सौंपा गया है। डीजी ने बताया कि पिछले साल सितंबर में दिल्ली में एक ड्रोन रिपेयर लैब स्थापित की और अक्टूबर में पंजाब पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से गिराए गए या बरामद किए गए ड्रोन की फोरेंसिक स्टडी के लिए इसे बढ़ाया गया।

उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे ट्रैक उड़ाने की साजिश : पुल पर डेटोनेटर से ब्लास्ट, पीएम मोदी ने 13 दिन पहले किया था उद्घाटन

उदयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे लाइन पर बने पुल पर शनिवार देर रात अज्ञात लोगों ने ब्लास्ट कर दिया। इससे पटरियों पर क्रैक आ गया। मौके पर बारूद भी मिला है। बदमाशों की साजिश पुल को उड़ाने और रेलवे ट्रैक को बर्बाद करने की थी। धमाके से चार घंटे पहले ही इस ट्रैक से ट्रेन गुजरी थी। घटना के बाद अहमदाबाद से उदयपुर आ रही ट्रेन को डूंगरपुर में रोक दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर को ही इस लाइन का लोकार्पण किया था। रेलवे लाइन कई जगह से टूट गई है, ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल पर लाइन से नट-बोल्ट भी गायब मिले हैं। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने कहा, डेटोनेटर से पुल को उड़ाने की साजिश सामने आई है। उदयपुर एसपी विकास शर्मा ने कहा कि शुरूआत में तो यह लग रहा है कि पूरी तरह प्लानिंग कर ब्लास्ट किया गया है। डेटोनेटर सुपर 90 श्रेणी का है। बम स्कॉड और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पहुंचकर सबूत जुटाए हैं।

>14

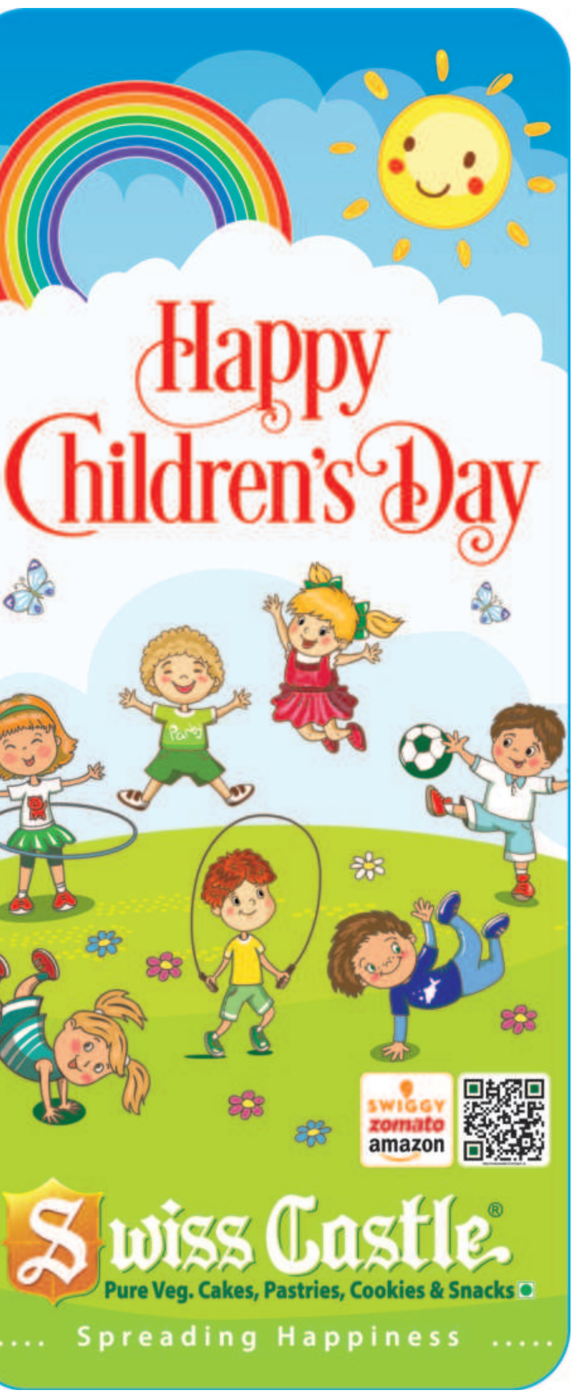

दूषित हो गई है महाराष्ट्र की राजनीति : राउत

सच बोलने वाले दिल्ली में बैठे लोगों के दुश्मन

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जेल से बाहर आने के बाद से शिवसेना सांसद संजय राउत भाजपा और शिंदे सरकार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने रविवार को दावा किया कि महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल प्रदूषित हो गया है। यहां अब लोग यह नहीं चाहते हैं कि उनके विरोधी जीवित भी रहें। उन्होंने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद एक बार फिर उन्हें इस बात का एहसास हुआ है।

जेल से बाहर आने के बाद किया पलटवार :

रविवार को उन्होंने उन्होंने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के मुखपत्र 'सामना' में अपना साप्ताहिक कॉलम फिर से शुरू करते हुए भाजपा और शिंदे सरकार के खिलाफ पलटवार किया। उन्होंने इसमें लिखा कि राज्य में घृणा की भावना है और राजनेता अब उस स्थिति में पहुंच गए हैं जहां वे नहीं चाहते कि उनके विरोधी जीवित रहें। राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल प्रदूषित हो गया है जहां लोग एक-दूसरे को खत्म करने पर उतारू हैं।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जब मुझसे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की टिप्पणी के बारे में पूछा गया कि राजनीति में कड़वाहट खत्म होनी चाहिए? इस पर मैंने जवाब दिया कि वह सच बोल रहे हैं, लेकिन मीडिया ने यह कहना शुरू कर दिया कि मैं शांत हो गया हूं।

केंद्र पर जमकर बरसे संजय

संजय राउत ने आगे कहा कि लोकतंत्र और स्वतंत्रता अब मौजूद नहीं है, अब इसका केवल नाम रह गया है।

राजनीति में जहर फैल गया है, ब्रिटिश शासन के दौरान ऐसा नहीं था। दिल्ली के आज के शासक वही सुनना चाहते हैं जो वे चाहते हैं, ऐसा ना करने वालों को दुश्मन माना जाता है। देश की स्थिति ये है कि चीन, पाकिस्तान दिल्ली के दुश्मन नहीं हैं, लेकिन जो सच बोलते हैं और सीधे हैं उन्हें दुश्मन माना जाता है। शिंदे गुट के नेता ने कहा कि ऐसे राजनीतिक नेता देश के कद को कम करने का काम कर रहे हैं।

कल किया था बड़ा खुलासा :

इससे पहले, जेल से बाहर आने के बाद कल उन्होंने बड़ा खुलासा किया था।

उन्होंने कहा था कि राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और शिवसेना के बीच हुए समझौते के तहत एकनाथ शिंदे को ही सीएम बनाया जाना था।

>14

रिटायरमेंट के बाद राज्यसभा सदस्य या राज्यपाल बनना डिमोशन नहीं: यूयू ललित

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) उदय उमेश (यूयू) ललित ने आज एक निजी चैनल से कहा कि वह सेवानिवृत्त के बाद सरकारी नियुक्ति को स्वीकार करने के खिलाफ नहीं हैं, मगर वह खुद राज्यसभा सदस्य या किसी राज्य का राज्यपाल बनने के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेंगे। उदय उमेश ललित ने कहा, ऐसा नहीं है कि मैं इन पदों को डिमोशन के रूप में देखता हूं लेकिन प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त होने वाले व्यक्ति के लिए यह उचित नहीं है। राज्यसभा का सदस्य या राज्यपाल बनना सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश के लिए सही विचार नहीं है।

उदय उमेश ललित ने यह जवाब पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई जैसे न्यायाधीशों के सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी पोस्टिंग स्वीकार करने के एक सवाल पर दिया। उदय उमेश ललित ने कहा, यह मेरा निजी विचार है। मैं यह सुझाव नहीं दे रहा हूं कि वे लोग गलत हैं। न्यायमूर्ति ललित ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रमुख, लोकपाल और विधि आयोग के प्रमुख को नौकरी के रूप में उल्लेख करते हुए कहा कि अगर उनसे इसके बारे में पूछा जाए तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

उदय उमेश ललित ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा, राज्यसभा एक पूरी तरह से अलग चीज है। मेरे कहने का मतलब यह है कि एनएचआरसी के अध्यक्ष जैसे पदों पर कानून के हिसाब से सुप्रीम कोर्ट के जज, पूर्व मुख्य न्यायाधीशों को नियुक्ति लेने का अधिकार है। इन्हें संसद ने पारित किया है और संसद ने निर्धारित किया है कि इन पदों पर सुप्रीम कोर्ट के जज, पूर्व प्रधान न्यायाधीश आदि काम कर सकते हैं। हम संसद के विवेक से चलते हैं। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह शिक्षण संस्थानों में कानून पढ़ाना पसंद करेंगे। शायद राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में या अतिथि प्रोफेसर के रूप में कुछ लॉ स्कूलों में काम करूं।

भारत से कम्बोडिया भेजे जाएंगे बाघ, दोनों देशों के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारत से बाघ कम्बोडिया भेजे जाएंगे। इसके लिए शनिवार को दोनों देशों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। जिस तरह भारत में चीते लाए गए उसी तरह कम्बोडिया में भी भारत से बाघ ले जाकर उनकी पुनर्बसाहट की जाएगी। कम्बोडिया के नोम पेन्ह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वहां के प्रधानमंत्री हुन सेन से शनिवार को मुलाकत की। आसियान-भारत सम्मेलन से इतर दोनों देशों ने संस्कृति, वन्यजीव और स्वास्थ्य के क्षेत्र में चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसमें कम्बोडिया में फिर से बाघों को बसाने की परियोजना भी शामिल है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ट्वीट कियाढ़ भारत से कम्बोडिया में बाघों को ले लाने के लिए एक समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान को देखकर खुशी हुई। बाघों का यह महत्वाकांक्षी ट्रांस-कंट्री रीलोकेशन हमारे खूबसूरत ग्रह पर जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कम्बोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन से मुलाकत करके मानव संसाधन, बारूदी सुरंगों को हटाने और विकास परियोजनाओं सहित अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और बेहतर बनाने पर चर्चा की। आसियान-भारत सम्मेलन से इतर दोनों देशों ने संस्कृति, वन्यजीव और स्वास्थ्य के क्षेत्र में चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

दोनों देशों के बीच जिन चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं उनमें स्वास्थ्य एवं औषधि के क्षेत्र में सहयोग, जैवविविधता संरक्षण और सतत वन्यजीव प्रबंधन शामिल है। इसके तहत कम्बोडिया में फिर से बाघों को बसाने की परियोजना भी शामिल है।

आईआईटी जोधपुर और कम्बोडिया के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के बीच अनुसंधान, विकास और सांस्कृतिक विरासत के डिजिटल दस्तावेजीकरण में तकनीक के उपयोग के क्षेत्र में समझौता हुआ।

कम्बोडिया के सिएम रीप स्थित वाट राजा बो पैगोड की पेंटिंग के संरक्षण और देखभाल (जिसमे उनकी मरम्मत भी शामिल है) के लिए वित्तपोषण संबंधी समझौता भी हुआ। इस साल आसियान-भारत संबंधों के 30 साल पूरे हो गए हैं और 2022 को आसियान-भारत मित्रता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

छह बार के विधायक रहे मधु श्रीवास्तव ने छोड़ी भाजपा

अहमदाबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के वाघोड़िया से छह बार विधायक रहे मधु श्रीवास्तव ने भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। श्रीवास्तव टिकट कटने से नाराज चल रहे थे। मधु श्रीवास्तव का टिकट काटते हुए इस बार भाजपा ने अश्विन पटेल को मैदान में उतारा है। वहीं टिकट कटने के बाद श्रीवास्तव ने कहा था कि अगर उनके समर्थक चाहेंगे तो वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

भारत-चीन सीमा विवाद पर आर्मी चीफ का बड़ा बयान

ड्रैगन पर कही चुभने वाली बात

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-चीन सीमा विवाद पर आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे का बड़ा बयान आया है. जनरल मनोज पांडे ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में हालात स्थिर हैं, लेकिन अप्रत्याशित चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता. चीन के साथ सैन्य, कूटनीतिक और राजनैतिक वार्ता जारी है. थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने चीन से लगती सीमा पर 30 महीने से ज्यादा समय से जारी गतिरोध के बीच कहा कि पूर्वी लद्दाख में 'स्थिति स्थिर, लेकिन अप्रत्याशित' है.

आर्मी चीफ ने इस तरफ किया इशारा

आर्मी चीफ जनरल पांडे ने कहा कि भारत-चीन के बीच अगले दौर की सैन्य वार्ता में विवाद के दो शेष बिंदुओं से जुड़े मुद्दों को हल करने पर ध्यान होगा. ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने डेमचोक और देपसांग का जिक्र करते हुए यह बात कही.

एलएसी पर नहीं कम हुए चीन के सैनिक

सेना प्रमुख ने कहा कि विवाद के 7 बिंदुओं में से 5 पर मुद्दों को बातचीत के माध्यम से हल कर लिया गया है. उन्होंने साथ ही कहा कि इस इलाके में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी सैनिकों की संख्या में कोई कमी नहीं हुई है, लेकिन सर्दियों की शुरुआत के साथ कुछ

पीएलए ब्रिगेड के लौटने के संकेत हैं.

आर्मी चीफ ने कही सावधानी बरतने की बात

उन्होंने 'चाणक्य डायलॉग्स' में कहा कि व्यापक संदर्भ में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपनी कार्रवाई का बहुत सावधानी से आकलन करने की जरूरत है ताकि भारत अपने हितों एवं संवेदनशीलताओं की सुरक्षा कर पाए. जनरल पांडे ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'अगर मुझे इसे एक वाक्य में परिभाषित करना हो, तो मैं कहूंगा कि स्थिति स्थिर, किंतु अप्रत्याशित है.' भारत शेष मुद्दों के समाधान के लिए चीन के साथ उच्च स्तर की सैन्य वार्ता के अगले दौर को लेकर आशावादी है. उन्होंने कहा, 'हम 17वें दौर की वार्ता की तारीख पर विचार कर रहे हैं.'

सीमावर्ती इलाकों में चीन के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के विषय पर थलसेना प्रमुख ने कहा कि यह लगातार हो रहा है. इलाके में भारतीय थलसेना की तैयारियों के बारे में उन्होंने कहा कि सर्दियों के मौसम के अनुकूल तैयारी जारी है. जनरल पांडे ने ये भी कहा कि अपने हितों की सुरक्षा के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हमारे कार्यों को बहुत सावधानीपूर्वक समायोजित करने की जरूरत है.

बीजेपी अध्यक्ष समीर उरांव घायल

अगरतला लौटते वक्त हुआ हमला

अगरतला, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव खोवाई पर कथित तौर पर हमले की सूचना है। बताया जा रहा है कि वे अगरतला लौट रहे थे, उस वक्त उन पर टिपरा मोथा समर्थकों ने हमला कर दिया। इस घटना में वो घायल हो गए हैं। हालांकि उनकी अभी हालत ठीक बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव खोवाई पर त्रिपुरा में बरमुरा से अगरतला लौटते वक्त टिपरा मोथा समर्थकों द्वारा कथित रूप से हमला किया गया। इस घटना में वे घायल हो गए। हमले के वक्त पार्टी नेता भी उनके थे। वे बैठक कर अगरतला लौट रहे थे।

कौन हैं टिपरा मोथा

त्रिपुरा के शाही परिवार के वंशज और क्षेत्रीय दल टिपरा मोथा के नेता देबबर्मा राष्ट्रीय दलों पर टिपरासा आदिवासियों को गुमराह करने और अत्याचार करने का आरोप लगाते रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के लिए उन्होंने हाल ही में बयान दिया था कि बीते सत्तर सालों में हमें विधायक, मंत्री और सांसद मिले हैं, लेकिन हमारा हक नहीं मिला। अब मुझे टिपरासा आंदोन का नेतृत्व करना होगा।

बाला साहेबांची शिवसेना में आई दरार?

एकनाथ शिंदे के दो एमएलए में तकरार; नासिक से जुड़े तार

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बाला साहेबांची शिवसेना यानी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थन वाले ग्रुप में भी नेताओं की नाराजगी सामने आ रही है। खबर है कि सीएम शिंदे के समर्थक विधायक सुहास कांदे ने पार्टी के कुछ फैसलों पर सवाल उठाए हैं। साथ ही उन्होंने नजरअंदाज किए जाने के भी आरोप लगाए हैं। विधायक ने उम्मीद जताई है कि शिंदे उनकी परेशानियों को सुनेंगे। नासिक विधायक कांदे ने शनिवार को महाराष्ट्र सरकार में मंत्री दादा

भुसे पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि भुसे ने उन्हें क्षेत्र का विधायक होने के बाद भी जिले की अहम बैठकों में बुलाना बंद कर दिया है। कांदे ने कहा कि जिला स्तर पर संगठन में गलत लोगों को चुना गया है। विधायक ने जानकारी दी कि इसकी शिकायत मुख्यमंत्री को भी कर दी गई है। नासिक जिले से ही आने वाले भुसे और कांदे दोनों ही नेता शिंदे समर्थक हैं। इधर, कांदे दावा कर रहे हैं कि वह अंतिम सांस तक शिंदे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, 'यह सच है कि मुझे जिले की किसी बैठक में नहीं बुलाया जा रहा है। जिले से जुड़ा कोई फैसले लेने से पहले भी मुझे विश्वास में नहीं लिया जाता।' उन्होंने कहा कि भुसे उनके साथ जिले की योजना या विकास कार्यों को लेकर चर्चा नहीं करते हैं।

सबरीमाला प्रबंधन को केरल हाईकोर्ट का निर्देश, कहा- तीर्थयात्रियों के लिए उचित सुविधाएं सुनिश्चित करें

तिरुवनंतपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मकेरल उच्च न्यायालय ने बीते शनिवार को त्रावणकोर देवास्वोम बोर्ड और कोचीन देवास्वोम बोर्ड को निर्देश दिया कि आगामी तीर्थयात्रा सीजन के दौरान उनके प्रबंधन के तहत इदाथावलम (ट्रांजिट कैंप) के रूप में चिन्हित मंदिरों में सबरीमाला तीर्थयात्रियों को उचित सुविधाएं सुनिश्चित करें। बता दें कि हाईकोर्ट सबरीमाला के विशेष आयुक्त की याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

वात्सल्य योजना में आवेदकों को नहीं करना होगा इंतजार

मंत्री रेखा आर्य ने बताया प्लान

देहरादून, 13 नवंबर (एजेंसियां)। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने वात्सल्य योजना के तहत सभी आवेदनों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। आर्य के अनुसार जिला स्तर से सत्यापन के बाद सरकार को 2000 से ज्यादा नए आवेदन भी प्राप्त हुए हैं। उनकी अंतिम जांच करने के बाद उन्हें भी वात्सल्य योजना का लाभ दिया जाएगा।मालूम हो कि कोविड काल में अनाथ और बेसहारा हुए बच्चों के लिए सरकार ने वात्सल्य योजना शुरू की है। इसके तहत बच्चों के लालन-पालन के लिए तीन हजार रुपये मासिक की सहायता दी जाती है। हाल में जानकारी में आया है कि कई स्थानों पर बच्चों को सहायता नहीं मिल पा रही है। इसकी वजह से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान ने इस पर प्रमुखता से रिपोर्ट प्रकाशित की हैं।आर्य ने कहा कि वात्सल्य योजना के अधीन आने वाले सभी बच्चों को सुविधाएं और संरक्षण देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस मामले की बारीकी से मॉनीटरिंग के आदेश दे दिए गए हैं। नए आवेदनों पर कार्रवाई जिला स्तर से रिपोर्ट आने के बाद की जाती है। अभी हाल में जिला स्तर से दो हजार से ज्यादा नए आवेदन भी प्राप्त हुए हैं। उन पर कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

सोनीपत में ठेकेदार से लूटे साढ़े 12 लाख

सोनीपत, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में 2 बाइकों पर सवार 4 बदमाशों ने एक फैक्टरी ठेकेदार से 12 लाख 50 हजार रुपए लूट लिए। वह दिल्ली से मजदूरों को सैलरी बांटने के लिए कुंडली पहुंचा था। आरोप है कि लुटेरे दिल्ली से ही उसके पीछे लगे थे और कुंडली में उसे चाकू घोंपने का भय दिखाकर उससे साढ़े 12 लाख रुपए और स्कूटी लूट ली। इसके बाद लुटेरे उसे झाड़ियों में फेंक कर फरार हो गए। कुंडली थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

नहीं थम रही टारगेट किलिंग

अनंतनाग में दो प्रवासी मजदूरों को मारी गोली

जम्मू, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में लगातार टारगेट किलिंग के मामले सामने आ रहे हैं. गैर कश्मीरियों पर हमले की खबरों से यहां लोग दहशत में हैं. इस बार अनंतनाग में आतंकियों ने दो बाहरी मजदूरों को अपना निशाना बनाया है. आतंकियों की इस फायरिंग में बीते दिन दो मजदूर घायल हो गए. इस साल कश्मीर में निहत्थे लोगों पर हमले की संख्या बढ़ी है. दरअसल, जम्मू कश्मीर में आतंकियों के सफाए के लिए सुरक्षाबल और पुलिस ऑपरेशन ऑल आउट चला रही है. आतंकी इससे बौखला गए हैं, इसीलिए वो नौजवानों पर हमला कर रहे हैं. टारगेट किलिंग को लेकर यहां कई बार विरोध प्रदर्शन भी किया जा चुका है. ताजा मामले में आतंकियों ने दो मजदूरों को घायल किया है, जिनका एक अस्पताल में इलाज जारी है. कश्मीर में लगातार निहत्थे लोगों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आ रही हैं. इस बार अनंतनाग के राख-मोमिन इलाके में आतंकियों ने दो बाहरी मजदूरों को गोली मार दी, जिससे वो बुरी तरह से घायल हो गए हैं. दोनों ही मजदूर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं. पुलिस का कहना है कि सभी नाका पार्टियों को भी अलर्ट कर दिया गया है. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

द्रौपदी मुर्मू के सहारे वोटरों को साधने में जुटी बीजेपी

राष्ट्रपति जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से बात हुई। मैंने उनको मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण दिया। हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश का निमंत्रण राष्ट्रपति ने स्वीकार किया है। राष्ट्रपति 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में शहडोल पधारेंगी। राष्ट्रपति का मध्यप्रदेश का प्रथम आगमन हमारे लिए गौरव का विषय है।

भोपाल, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनाव में एक साल का समय बचा है। इससे पहले बीजेपी ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। बीजेपी 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर बड़ा कार्यक्रम शहडोल में आयोजित कर रही है। इसके अलावा प्रदेश की सभी पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित होंगे। शहडोल के कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी से बात हुई। मैंने उनको मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण दिया। हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश का निमंत्रण महामहिम राष्ट्रपति महोदया जी ने स्वीकार किया है। राष्ट्रपति का मध्यप्रदेश का प्रथम आगमन हमारे लिए गौरव का विषय है। राष्ट्रपति 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में शहडोल पधारेंगी।सीएम ने कहा कि संपूर्ण मध्यप्रदेश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उद्बोधन सुनेगा। मध्यप्रदेश की धरती पर महामहिम राष्ट्रपति महोदया का

स्वागत है। द्रौपदी मुर्मू देश की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति है। बीजेपी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बना कर आदिवासियों हितैषी पार्टी होने का संदेश पहले ही दे चुकी है। आदिवासी वर्ग को साधने के लिए बीजेपी लगातार आदिवासियों को लेकर बड़े कार्यक्रम कर रही है। पिछले डेढ़ साल में बीजेपी ने प्रदेश में आदिवासी वोटर को साधने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के जबलपुर, भोपाल में बड़े कार्यक्रम आयोजित किए। आदिवासी वर्ग के लिए कई बड़ी घोषणाएं की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 15 नवंबर को पेसा एक्ट लागू करने का ऐलान कर चुके है। पेसा एक्ट में आदिवासी ग्राम सभाएं सख्त हो जाएगी। अब जानकारों का कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शहडोल कार्यक्रम में शामिल होने आमंत्रित करना आदिवासी वोटरों को साधने की ही रणनीति का हिस्सा है। मध्य प्रदेश में आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 47 है। जबकि 84 सीटों पर आदिवासी वोटर्स का प्रभाव है। प्रदेश में आदिवासियों की आबादी दो करोड़ के करीब है। यहीं वजह है कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दल आदिवासी वोटर्स को साध कर रखना चाहते है। 2018 के चुनाव में कांग्रेस को 47 सीटों में से 30 पर जीत मिली थी। जबकि 2013 में 31 सीटें जीतने वाली बीजेपी 16 पर सीमट गई थी। प्रदेश में 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश की सभी पंचायत पर कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम में नवनिर्मित कन्या शिक्षा परिसरों का वर्चुअली लोकार्पण होगा। संपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रम, पेसा एक्ट, मित्र-24×7 कॉल सेंटर और ट्राइबल डिजाइन सेंटर-एनआईडी भोपाल का शुभारंभ होगा। साथ ही जेईई, नीट और क्लेट के विद्यार्थियों का सम्मान होगा।

मनीष सिसोदिया पर भाजपा का बड़ा हमला, पोस्टर जारी कर बताया 'लुटेरा'

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को एक और हमला किया है। भाजपा की दिल्ली इकाई ने उन्हें 'लुटेरा' बताया है। भाजपा की दिल्ली इकाई ने रविवार सुबह ट्विटर पर पोस्टर जारी किया। फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म लुटेरा के पोस्टर से छेड़छाड़ कर उसमें मनीष सिसोदिया का चेहरा लगा दिया गया है। भाजपा ने आप नेता पर यह हमला आबकारी नीति में कथित घोटाले के संदर्भ में किया है। इसमें 'लिकर स्कैम मोशन पिक्चर्स प्रजेंट्स' के बाद 'महाठग सुकेश प्रोडक्शन' और 'अरविंद केजरीवाल द्वारा निर्देशित' भी लिखा है।

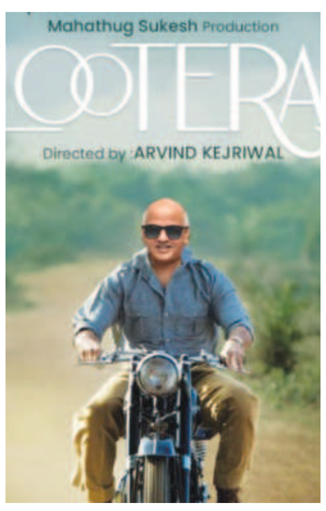

नौ साल की मासूम को अगवा कर किया रेप

इंदौर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर राजेंद्र नगर क्षेत्र में अपहरण कर दुष्कर्म का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने घर से 50 मीटर की दूरी पर पहले बच्ची को अगवा किया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद सीसीटीवी कैमरे फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने 10 साल पहले अपनी 4 साल की भतीजी का रेप किया था और एक माह पहले ही जेल से छूट कर वापस आया था।

दुष्कर्मी को 'संस्कारी ब्राह्मण' कहने वाले को

भाजपा ने दिया टिकट, महुआ बोलीं- यह है गुजरात मॉडल

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। गोधरा से भाजपा ने चंद्रसिंह राउलजी को फिर से उम्मीदवार घोषित किया है। वह इस सीट से लगातार छह बार से जीतते आ रहे हैं। राउलजी, बिलिकिस बानों के दोषियों की रिहाई का फैसला करने वाले पैनल का भी हिस्सा थे। ऐसे में इसको लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। पश्चिम बंगाल की सांसद व टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने चंद्रसिंह राउलजी को दोबारा टिकट देने पर भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यह गुजरात मॉडल है, जहां दुष्कर्मियों और हत्यारों को 'संस्कारी' कहने वालों को टिकट दिया जाता है। जहां नफरत और हत्या बढ़ाने वाले को इनाम दिया जाता है। बता दें, महुआ मोइत्रा उन याचिकाकर्ताओं में हैं, जिन्होंने बिलिकिस बानों मामले के दोषियों की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

गुजरात सरकार ने किया था रिहा करने का फैसला

बिलिकिस बानो के दुष्कर्म व हत्या के मामले में 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। बीते 15 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा केंद्र की मंजूरी पर उन्हें जेल में अच्छे व्यवहार के चलते 15 साल बाद रिहा कर दिया गया था। इन 11 लोगों की रिहाई का फैसला करने वाले पैनल में गोधरा विधायक व पूर्व मंत्री चंद्रसिंह राउलजी भी शामिल थे। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने बिलिकिस बानों के दुष्कर्मियों व हत्यारों को संस्कारी ब्राह्मण कहकर संबोधित किया था, जिसके बाद बवाल मच गया था।

कांग्रेस छोड़ भाजपा में हुए थे शामिल

2017 में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चंद्रसिंह राउलजी ने कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्हें भाजपा के टिकट से जीत भी मिली थी। इससे पहले 2007 और 2012 में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में भी वह इस सीट से जीते थे। वह इस सीट से लगातार छह बार से जीत हासिल करते आ रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस छोड़ने के बाद पिछले विधानसभा चुनावों में जीत का अंतर 300 से भी कम रह गया था।

बंगाल: राष्ट्रपति के अपमान पर घमासान

दिल्ली में शिकायत, ममता की मंत्री की कार रोककर जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। ममता बनर्जी के मंत्री अखिल गिरि के द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने आज इस मामले को लेकर नई दिल्ली स्थित नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। चटर्जी ने आईपीसी और एससी-एसटी अधिनियम की धाराओं के तहत गिरि के खिलाफ तत्काल कार्रवाई और प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है।

ममता बनर्जी जवाब दें: लॉकेट चटर्जी

लॉकेट चटर्जी ने कहा कि ममता बनर्जी को इस मामले पर जवाब देना चाहिए। अखिल गिरी उनकी सरकार में मंत्री हैं, उन्हें उन्हें तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए। इसके अलावा उन्हें दिल्ली आना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। एससी-एसटी समुदाय के खिलाफ सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना टीएमसी के मंत्रियों की वास्तविक भावना है।

आदिवासी समाज के लोग सड़क पर उतरे

अखिल गिरी की टिप्पणी के विरोध में आदिवासी समाज के लोगों ने बांकुड़ा में सड़क को जाम कर दिया। इतना ही नहीं सभी प्रदर्शनकारियों ने पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री ज्योत्सना मंडी की कार रोककर जोरदार प्रदर्शन किया।

अखिल गिरि ने राष्ट्रपति मुर्मू के खिलाफ की थी रंगभेदी टिप्पणी

बता दें कि नंदीग्राम में एक रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी नेता अखिल गिरि ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ रंगभेदी टिप्पणी की थी। गिरि ने कहा था कि सुवेंदु अधिकारी विरोधी दल के नेता हैं तो शोभनीय बातें कहें, लेकिन वो कहते हैं कि मैं देखने में खराब हूं। ऐसा है तो फिर द्रौपदी मुर्मू देखने में कैसी हैं? सुवेंदु से कहिए तो यहां नंदीग्राम में आकर जवाब दें कि द्रौपदी मुर्मू देखने में कैसी हैं? मनोज टिग्गा देखने में कैसे हैं? तुम देखने में सुंदर हो, लेकिन भीतर से पूरा कैंसर हो।

स्मृति ईरानी बोलीं- अखिल गिरी को पार्टी से कब निकालेंगी ममता बनर्जी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को सवाल किया कि ममता बनर्जी अखिल गिरी को पार्टी से कब निकालेंगी । ईरानी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री टीएमसी मंत्री अखिल गिरी की राष्ट्रपति मुर्मू के खिलाफ की गई टिप्पणी के बारे में कुछ नहीं बोल रही हैं। हम उस मंत्री को नहीं सुनना चाहते, हम जानना चाहते हैं कि ममता जी अखिल गिरि को पार्टी से कब निकालेंगी।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 14 नवंबर, 2022 3

सुविचार: असत्य में शक्ति नहीं होती, उसे अपने अस्तित्व के लिए सत्य का आश्रय लेना पड़ता है।

एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह ने कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर का किया दौरा

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह, एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ, ट्रेनिंग कमांड, इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) ने रविवार को कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्लू) का दौरा किया। एओसी-इन-सी का स्वागत एयर वाइस मार्शल मनीष खन्ना, कमांडेंट सीएडब्ल्यू ने किया। अपने दौरे के दौरान, एयर मार्शल ने बुनियादी ढांचे के विकास सहित कॉलेज में आयोजित प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

बाद में, उन्होंने सभी अधिकारियों को संबोधित किया और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले पहलुओं पर जागरूक किया। उन्होंने आगे उनसे उत्कृष्टता हासिल करने और सशस्त्र बलों के लोकाचार और विश्वास को बनाए रखने के लिए प्रयास जारी रखने का आग्रह किया। एयर मार्शल ने प्रशिक्षण के पहलू पर फिर से जोर दिया, जो परिचालन क्षमताओं का आधार है और समग्र क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हमले के आरोप में आईबीएस शंकरपल्ली के पांच छात्र गिरफ्तार

घटना में शामिल सभी छात्र आईबीएस से निष्कासित

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल (आईबीएस) के पांच छात्रों को शंकरपल्ली पुलिस ने कॉलेज के छात्रावास में रैगिंग के बाद कथित तौर पर अपने जूनियर को मारने का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में कुल 12 छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कॉलेज की जूनियर छात्र ने पुलिस में शिकायत की थी कि सीनियर छात्रों का एक समूह कॉलेज के छात्रावास में उसके कमरे में आया और उसे बेरहमी से पीटा, गाली दी और यौन शोषण किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक 17 साल की उम्र का किशोर है जबकि चार अन्य छात्र बालिग हैं। मामले में शामिल सात अन्य छात्र फरार हैं। कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया और यह जल्द ही वायरल हो गया। वीडियो में, युवकों के एक समूह को पीड़ित को थप्पड़ मारते, उसकी तलाशी लेते और उसका सामान चेक करते देखा गया। यह घटना 1 नवंबर को हुई और पीड़ित के साथ मारपीट का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद, उसने शंकरपल्ली पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने आईपीसी की धारा 307, 323, 450, 352, 506 आर/डब्ल्यू 34 के तहत मामला दर्ज किया। बिजनेस स्कूल के सूत्रों के मुताबिक, घटना में शामिल सभी छात्रों को निष्कासित कर दिया गया है। अनुशासन समिति और एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया।

एससीसीएल के निजीकरण की योजना बना रही है मोदी सरकार : डॉ. नारायण

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ. के. नारायण ने आज आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड का निजीकरण करने की कोशिश कर रही है, जिससे यह पूरी तरह से खत्म हो गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सिंगरेनी कंपनी का निजीकरण मोदी सरकार की अनुबंध और निजीकरण नीतियों का हिस्सा था। डॉ नारायण ने कहा कि केंद्र सरकार ने खान और खनिज विकास विनियमन अधिनियम 2015 में संशोधन के बाद वर्ष 2015 में वाणिज्यिक खनन की अनुमति दी थी और कहा कि उसने पहले ही 240 खदानों को निजीकृत करने के लिए पहचान की थी। यह देखते हुए कि कुल 98 खानों के लाइसेंस पहले ही निजी व्यक्तियों को आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें भाजपा नेता कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी भी शामिल हैं। नारायण ने कहा कि

येलांडु से कैरगुडा खदान, सत्तुपल्ले से ओसी-3 खदान, श्रवण पल्ले खदान और कल्याणखानी खदान के निजीकरण के लिए अधिसूचना जारी की गई थी। भाकपा के राष्ट्रीय नेता ने कहा कि निजी व्यक्तियों को खदानें सौंपने के बाद सिंगरेनी कंपनी का उत्पादन कम हो जाएगा और कहा कि उत्पादन में कमी के कारण कंपनी धीरे-धीरे मर जाएगी। पार्टी नेताओं पल्ला वेंकट रेड्डी और ईटी नरसिम्हा के साथ राज्य पार्टी कार्यालय 'मकदूम भवन' में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने प्रधान मंत्री की तेलंगाना राज्य की यात्रा पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और आरोप लगाया कि यह यात्रा राजनीति से प्रेरित और राजनीतिक हितों से भरी थी। प्रतिद्वंद्वी भाजपा की। शनिवार को उनकी गिरफ्तारी के लिए राज्य पुलिस पर निशाना साधते हुए, उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या पुलिस पीएम और सीएम केसीआर के लिए काम कर रही थी, जबकि पुलिस ने उनके पार्टी मुख्यालय के परिसर में भी प्रवेश किया था। उन्होंने सीएम से यह पता लगाने को कहा कि पुलिस उनके लिए काम कर रही है या पीएम के लिए। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि मोदी राज्य में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए आए थे, जो हाल ही में मुनुगोडु विधानसभा उपचुनाव में अपनी अपमानजनक हार के बाद सदमे की स्थिति में हैं।

सत्यम शिवम सुंदरम गौशाला में अन्नकूट व वर्षगांठ समारोह आयोजित

अब तक गौशाला ने बचायी 57 सौ गायें

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशाला (गाय आश्रय), सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास 8 एकड़ भूमि में स्थित है और बूचड़खानों से बचाई गई लगभग 5700 गायों का घर है। गौशाला ने गगनपहाड़ के पेद्दामगड्डा में अपने परिसर में रविवार को एक भव्य अन्नकूट उत्सव का आयोजन किया। इस दौरान सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास की 22 वीं वर्षगांठ भी मनाई गई। इस समारोह में विशाखा श्री शारदा पीठम के श्री स्वरूपानंद नरेंद्र स्वामी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान गोवर्धन पर्वत पूजन- गौ पूजन, भजनों और मधुर गीतों भी हुए। राजस्थान के ओमजी मुंडेल ने भजन और आध्यात्मिक गीत गाए। इस समारोह में हजारों गौ-प्रेमी शामिल हुए। सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास के धर्मराज रांका ने जानकारी देते हुए कहा कि अन्नकूट उत्सव प्रत्येक नव वर्ष में मनाया जाता है। बहुत से प्रकार के खाद्य पदार्थ प्रेम से तैयार किए जाते थे और भगवान को भक्ति अर्पित की जाती थी। धर्म राज रंका ने कहा कि हालांकि 'अन्नकूट' का शाब्दिक अर्थ 'भोजन का पहाड़' है। यह भगवान को भोजन की पेशकश

और इसे तैयार करने में लगे प्रेम और भक्ति का प्रतीक है। दिवाली समारोह के हिस्से के रूप में दुनिया भर के हिंदू भगवान को प्रसाद के रूप में विभिन्न प्रकार के शाकाहारी भोजन, नाश्ता, मिठाई, अचार और व्यंजनों को पकाते हैं। परंपरागत रूप से अन्नकूट पहली फसल की पेशकश और इसे सभी को वितरित करने के माध्यम से भक्ति का प्रतीक है। दक्षिण भारत का सबसे बड़ा और भारत का सबसे अच्छा बनाए रखा 'गौ शाला' सत्यम शिवम सुंदरम (एसएसएस) गौ निवास गौ रक्षा की अवधारणा को एक नया अर्थ देता है। जो गायें अभी-अभी अपनी मौत के जबड़े से छूटी हैं, उन्हें एक अच्छा जीवन और शाही इलाज मिलता है। इसकी स्थापना 82 वर्षीय धर्म राज रांका ने की है, जिसका मिशन भारत के सबसे प्रतिष्ठित पशु 'गाय' की रक्षा करना है। श्री रांका ने गोरक्षा के लिए अपना जीवन पूरी तरह से समर्पित कर दिया है। वह जुड़वां शहरों में गौ शाला अवधारणा के अग्रणी हैं और कई गौ शालाओं की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम नेमीनंद जैन, प्रमोद केडिया, अशोक जैन, राधेश्याम जालू आदि उपस्थित रहे।

ट्रक की चपेट में आने से पांच की मौत, 20 घायल

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले के मुनागला में रविवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 पर सड़क दुर्घटना में आठ साल के बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गयी। जबकि 20 लोग घायल हो गये। हादसों में मारे गए लोगों में थेनेरु प्रमिला (35), चिंताकायाला प्रमीला (33), उदय लोकेश (8), नारगोनी कोटैया (55) गुंडू ज्योति (38) शामिल हैं। तीन लोगों की हालत गंभीर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए खम्मम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा दोपहर 1.45 बजे हुआ, जब मुनागला में संदीप फिलिंग स्टेशन के पास एक ट्रैक्टर, जिसमें पीड़ित यात्रा कर रहे थे, विपरीत दिशा से आ रही एक लॉरी से टकरा गया। कथित तौर पर ट्रैक्टर मुनागला गांव में प्रवेश करने के लिए सड़क के गलत साइड में आ रहा था। पीड़ित सभी अयप्पा स्वामियों के रिश्तेदार हैं और मुनागला के बाहरी इलाके में स्थित अयप्पा स्वामी मंदिर में 'पड़ी पूजा' में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे।

पूर्व विधायक एम. सत्यनारायण रेड्डी नहीं रहे

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मंडाडी सत्यनारायण रेड्डी (87) का रविवार को हनमकोंडा में उनके आवास पर निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और बेटी हैं। जनगांव जिले के स्टेशन घनपुर मंडल के इप्पागुड़ा के एक दूरदराज के गांव में पैदा हुए मंडाडी सत्यनारायण रेड्डी ने पहले और दूसरे तेलंगाना आंदोलनों के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंडाडी जनसंघ के साथ-साथ भाजपा के भी कार्यकर्ता थे। उन्होंने दो कार्यकालों के लिए संयुक्त आंध्र प्रदेश में भाजपा के लिए राज्य उपाध्यक्ष के रूप में काम किया। जब के चंद्रशेखर राव ने 2001 में एक अलग तेलंगाना राज्य प्राप्त करने के समर्थन में टीआरएस बनाया, तो मंडाडी पार्टी में शामिल हो गए और 2004 में हनमकोंडा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने गए। हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी वफादारी को बदल दिया और भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय, विधायक इटेला राजेंदर, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और अन्य टीआरएस नेताओं ने कंडाडी सत्यनारायण रेड्डी के निधन पर दुख व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

सरपंचों की आत्महत्या के लिए टीआरएस सरकार जिम्मेदार : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी टी. जीवन रेड्डी आज टीआरएस सरकार के खिलाफ जमकर उतरे और तेलंगाना राज्य में गांव के सरपंचों की आत्महत्या के लिए इसे जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सरपंच अपना पैसा खर्च कर विकास कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरपंच आत्महत्या कर रहे हैं क्योंकि राज्य सरकार उनके लंबित बिलों का भुगतान नहीं कर रही है। यह उल्लेख करते हुए कि राज्य के गांवों के विधायकों के पास सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के सरपंच हैं। राज्य सरकार अपनी ही पार्टी के सरपंचों के लंबित बिलों को भी नहीं दे रही है। उन्होंने सीएम केसीआर की बेटी टीआरएस एमएलसी के. कविता को अपने पिता के साथ चर्चा करने और सरपंचों के लंबित बिलों को मंजूरी दिलाने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कविता ने रायकल के लोगों से झूठे वादे किए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कविता ने रायकल के निवासियों के हाउस टैक्स में 25 करोड़ रुपये खर्च करके इसे विकसित करने का वादा किया था। कविता की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि वह रायकल में एक डिग्री कॉलेज लाईं, रेड्डी ने एमएलसी से डिग्री कॉलेज के निर्माण को दिखाने के लिए कहा। उन्होंने कविता को चुनौती दी कि क्या वह मिशन भगीरथ योजना के कार्यान्वयन में हुए भ्रष्टाचार पर सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं।

अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा का दिवाली मिलन व अन्नकूट संपन्न

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज , तेलंगाना की शिवरामपल्ली शाखा के द्वारा दिवाली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम राघवेंद्र नगर कॉलोनी स्थित राघवेंद्र नगर कॉलोनी कम्युनिटी हॉल में सम्पन्न हुआ। शाखा के पदाधिकारियों अध्यक्ष राजेश जाईलिया, मानद मंत्री अनिल गोयल, उपमंत्री पंकज गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्याम सुन्दर अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के कोषाध्यक्ष राकेश कुमार जालान की उपस्थिति में अग्रसेन महाराज की पूजा और प्रसाद भोग के पश्चात उपस्थित सदस्यों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ दिलीप जी पंसारी, मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता, संयुक्त सचिव सतीश जी अग्रवाल की उपस्थिति सराहनीय रही। अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार पंसारी ने समाज की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मानद मंत्री श्री कपूर चंद गुप्ता ने शाखा के सभी पधाधिकारी एवं सभी सदस्यों को दीवाली की शुभकामनाएं दी। शाखा के पदाधिकारियों ने केंद्रीय समिति के उपस्थित पदाधिकारियों का सम्मान कर उन्हें धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित राजेश जाइलिया, अनिल गोयल, श्याम सुंदर अग्रवाल, पंकज गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, संदेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, नरसिंह दास, पवन अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, सुरेश टिबरेवाल, रितेश अग्रवाल, पंकज पालीवाल, अनिल अग्रवाल, राकेश कुमार जालान, अचल गुप्ता, पवन डोकानिया, सीतादेवी जालान, गीता अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, भावना जालान, प्रीति अग्रवाल, मीनल अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

कार्तिक मास के उपलक्ष्य में पूजा-पाठ व महाप्रसाद आयोजित

मदनूर , 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू पंचाग के अनुसार कार्तिक मास को अधिक महत्व दिया जाता है।

इस मास में हर रोज कार्तिक स्नान के साथ-साथ विविध मंदिरों में दीप लगाना, पूजा-पाठ, दान धर्म को बड़ा महत्व दिया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष ही कार्तिक मास के उपलक्ष्य में स्थानीय भक्तों ने हर दिन सुबह कार्तिक स्ना व संध्या करने के बाद बालाजी मंदिर से भजन गायन करते हुए प्रभात फेरी द्वारा गांव के सोमलिंग, मलेश्वर, हनुमान,संतोषी माता, सलबतपुर हनुमान मंदिरो के साथ विविध मंदिरों का दर्शन लेकर आरती उतारी गई। इस प्रभात फेरी में महिला व पुरुष भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस पावन मास के अवसर पर बालाजी मंदिर में महाप्रसाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगय्यापा स्वामी, शंकर स्वामी, गोविंद काकानी, रमेश मोदानी, गोपाल तोषनीवाल, हनुमान शर्मा, अनिल पारीक, संतोष व्यास के साथ बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

राजस्थान से नगर पधारे गौ भक्त भजन सम्राज ओमजी मुंडेल का सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के अध्यक्ष धर्माराम ढाका । साथ में हैं रामदेवरा मंदिर के चेयरमैन श्याम सुंदर गिल्डा, धर्मीचंद भंसाली, जगदीश अग्रवाल, हनुमान राठी, शांतिलाल राठी, पपू लाल राबरिया व अन्य।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक संस्था के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसलजी की अध्यक्षता में उनके प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। इस दौरान करीब 60 लोगों ने अपने पुत्र-पुत्री के बायोडाटा आदान प्रदान किए और इस विषय में चर्चा कर अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने की कामना की। बैठक में कहा गया कि यहां पर जो कार्य हो रहा है। उसकी आज के युग में अत्यंत आवश्यकता है और ज्यादा से ज्यादा अग्रबंधु इसका लाभ ले रहे हैं। इस संस्था को कार्य करते हुए 4 वर्ष से अधिक हो गया है और सभी अग्रवाल भाइयों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, पुरुषोत्तम गुप्ता, सुनील अग्रवाल, सतनारायण मोदी, उमाशंकर, राजेंद्र बंसल, अरविंद गोयल,रमेश वरंगल वाले,संतोष देवी बंसल, एवं अन्य काफी लोग उपस्थित थे।

सिकंदराबाद मोंडा मार्केट में नवनिर्मित श्री हनुमान मंदिर के के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे पशु संवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात करते हुए मोंडा मार्केट सिकंदराबाद और बोइनपल्ली मार्केट के अध्यक्ष ए. गौतम जैन, गोपाल बंग, आनंद बंग, सी. रवि चन्द्रा, राकेश पुनरिया, प्रेमाराम चौधरी, महेश व अन्य।

जो बोते हैं उन्हें काटना भी होता है

आजम खान के विवादित बयान याद दिलाने पर वाराणसी में बोलीं बीजेपी नेता जया प्रदा

वाराणसी, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रहीं बीजेपी नेता जया प्रदा ने समाजवादी पार्टी नेता आजम खान का विवादित बयान याद दिलाने पर कहा कि जो जैसा बोते हैं, उन्हें वैसा काटना भी पड़ता है। लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान हेट स्पीच के एक मामले में सपा नेता आजम खान को बीते दिन एमपी-एमएलए कोर्ट रामपुर ने दोषी मानते हुए तीन साल की सजा सुनाई है। खान को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नसीब नहीं हो पाई। रामपुर में जल्द ही उपचुनाव होने वाला है।

अभद्र बातों के अंजाम का ख्याल रहे

मामले पर जया प्रदा ने लगभग चार साल बाद शनिवार को वाराणसी में एक कार्यक्रम के दौरान आजम खान के बयान और सजा के बारे में पूछे जाने पर कहा कि अभद्र बातें करने वाले को अंजाम का ध्यान रखना चाहिए। जया प्रदा ने कहा कि राजनीति हो या कुछ और हरेक इंसान को दूसरे इंसान का सम्मान करना बहुत जरूरी होता है। अगर अभद्र टिप्पणी करें या दूसरों को दूषित करे तो जो आजम खान के साथ हो रहा है, वो लोगों के लिए एक मिसाल है। वो जो बोते हैं उन्हें काटना भी होता है।

रामपुर से दो बार सांसद रह चुकी हैं जया प्रदा

रामपुर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की टिकट पर जया प्रदा साल 2004 और 2009 में दो बार सांसद बन चुकी हैं। वहीं लोकसभा चुनाव 2019 में बीजेपी के टिकट पर उन्हें रामपुर सीट पर सपा उम्मीदवार आजम खान के मुकाबले में हार का मुंह देखना पड़ा था। उसी दौरान चुनाव प्रचार में आजम खान ने जया प्रदा को निशाना बनाते हुए अभद्र टिप्पणी कर दी थी।

लगातार बढ़ती जा रही हैं आजम खान की मुश्किलें

स्पेशल कोर्ट से हेट स्पीच मामले में तीन साल की सजा मिलने के बाद सपा नेता आजम खान की विधानसभा की सदस्यता भी रद्द हो गई है। आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से भी कोई राहत नहीं मिल सकी है। इसके अलावा दूसरे कई मामले में भी आजम खान लगातार उलझते जा रहे हैं।

वाराणसी में 17-18 दिसंबर को काशी तमिल समागम

वाराणसी में 17-18 दिसंबर को काशी तमिल समागम कार्यक्रम आयोजित होने वाला है। बीजेपी की पूर्व सांसद जया प्रदा इसकी तैयारियों के सिलसिले में ही रीता बहुगुणा जोशी समेत कई नेताओं के साथ मीडिया से बातें कर रही थीं। उन्होंने कार्यक्रम के बारे में बताया कि पीएम मोदी की सोच और उनका लक्ष्य एक भारत श्रेष्ठ भारत है। वाराणसी में होने वाला यह कार्यक्रम भी इसी सोच पर आधारित है। इससे उत्तर और दक्षिण के राज्यों और लोगों के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक दूरियां कम होंगी।

ससुर-देवरानी डिंपल की राह के नए रोड़े?

करीबी रहे लोगों से मैनपुरी उप चुनाव में कैसे निपटेंगे अखिलेश

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के संस्थापक रहे मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर 5 दिसंबर को उप चुनाव होना है। सपा ने मुलायम सिंह की बहू और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिम्पल यादव को वहां से चुनावी मैदान में उतारा है। अखिलेश यादव के लिए यह चुनाव जीतना घर-परिवार की इज्जत बचाने से लेकर नेताजी की विरासत बचाने और पार्टी की साख का सवाल बन गया है। डिम्पल यादव को सबसे ज्यादा परेशानी घर-परिवार से ही होने की आशंका है। एक तरफ जहां उनकी देवरानी अपर्णा यादव उनकी खिलाफत कर रही हैं, तो दूसरी तरफ ससुर शिवपाल यादव भी अच्छे संकेत नहीं दे रहे हैं। अपर्णा पिछले दिनों यूपी बीजेपी अध्यक्ष से मिल कर सियासी तापमान और पारिवारिक पारा दोनों बढ़ा चुकी हैं। वैसे अपर्णा इससे पहले ही बीजेपी में शामिल हो चुकी हैं।

बीजेपी ने अभी तक यहां से उम्मीदवार नहीं उतारे हैं, इसलिए राज्य के सबसे बड़े यादव परिवार में इसको लेकर भी बेचैनी हो सकती है कि कहीं यह लड़ाई बहू बनाम बहू न बन जाए? वैसे संभावना इस बात की ज्यादा है कि बीजेपी जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हुए पिछले लोकसभा चुनाव में दूसरे नंबर पर रहने वाले उम्मीदवार प्रेम सिंह शाक्य को फिर से उतार सकती है। उधर, पिछले विधान सभा चुनाव में सपा के साथ मिलकर बीजेपी के खिलाफ लड़ने वाले ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा ने डिम्पल यादव के खिलाफ रामकांत कश्यप को बतौर प्रत्याशी मैदान में उतार दिया है।

माइक खराब होने पर केंद्रीय मंत्री को आया गुस्सा

संत समागम के वालंटियर को अश्विनी चौबे ने धक्का दिया, डांटते हुए हाथ से छीना माइक

बक्सर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बक्सर में सनातन संस्कृति समागम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे का गुस्सा देखने को मिला। मंच से अश्विनी चौबे बोल रहे थे, अचानक पोडियम में लगे माइक से आवाज आनी बंद हो गई। इतनी सी बात पर उनका गुस्सा सातवें आसमान पर था। इसे लेकर पर मंच संचालक पर बिगड़ गए।

हालांकि, मंच संचालक ने तुरंत उन्हें दूसरा माइक दिया। जिसे गुस्से में बीजेपी सांसद ने उनके हाथ से छीना और उन्हें धक्का भी दिया। इतना ही नहीं पोडियम में लगे माइक को उन्होंने गुस्से में पूरा मोड़ दिया।

केंद्रीय राज्य मंत्री के आपा खोने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो शनिवार का है। जहां श्री राम कर्मभूमि न्यास के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अश्विनी चौबे गुस्सा शामिल हुए थे। दरअसल, संतो की ओर से किए जा रहे प्रज्ञा प्रवाह का संचालन जियर स्वामी कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अश्विनी चौबे को बोलने के लिए दो मिनट का समय दिया। इसके लिए जैसे ही वो पोडियम के पास पहुंचे, बोलना चाहा तो माइक से आवाज ही नहीं निकली। बक्सर में

सनातन संस्कृति समागम जैसे ही अपनी समापन की ओर बढ़ रहा है वैसे-वैसे लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही रही है। सुबह में 9 बजे से 12 बजे अन्नताचार्य जी के द्वारा भक्तों को भागवत का रसपान कराया जा रहा है। वही 12 बजे से दोपहर तीन बजे तक प्रज्ञा प्रवाह का कार्यक्रम किया जा रहा है। दोपहर 3 बजे शाम 6 बजे तक रामभद्राचार्य जी द्वारा राम कथा की जा रही है। कोई भी कार्यक्रम कथा हो या सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत होने से पहले केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे का दो-तीन मिनट का मौजूद लोगों के लिए संबोधन भाषण जरूर होता है। वहीं दोपहर में प्रज्ञा प्रवाह के दौरान जब इनको बोलने के लिए माइक के पास पहुंचे तो खराब माइक के कारण बिगड़ गए और उसका गुस्सा कथा की व्यवस्था बनाने वाले पर निकाल दिया। बक्सर-अहिल्या के उद्धार स्थल अहिरौली में हो रहे सनातन संस्कृति समागम पर देश की निगाहें टिक्की हुई है। 15 नवंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 9 राज्य के मुख्यमंत्री के अलावे 5 राज्य के राज्यपाल, 2 राज्य के उपमुख्यमंत्री के अलावे 14 नवंबर को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आगमन होगा। वहीं 15 नवंबर को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का भी आगमन होगा।

सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी करने पर सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया के खिलाफ हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोप है कि भदौरिया ने एक न्यूज चैनल पर डिबेट के दौरान यह अभद्र टिप्पणी की।

मामला प्रकाश में आने पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता हीरो बाजपेई के साथ पार्टी समर्थक थाने पहुंचे और एफआईआर दर्ज कराई। बाजपेई ने आरोप लगाया कि सपा प्रवक्ता ने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का नाम भी शरारत पूर्ण तरीके से जानबूझकर गलत उच्चारण करते हुए लिया। अपनी अभद्र टिप्पणी से सपा प्रवक्ता ने धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने का काम किया है। पुलिस का कहना है कि टीवी चैनल में डिबेट के दौरान सपा प्रवक्ता के कहे गए कथन की सीडी लेकर जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएगा उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के विरोध में बवाल

परिजनों ने शव को सड़क के बीचो-बीच रख आगजनी कर किया जाम

आरा, 13 नवंबर (एजेंसियां)। आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र के शिवगंज स्थित दुर्गा मंदिर के समीप सुबह हत्या के विरोध में परिजनों ने शव को सड़क के बीचो-बीच रख आगजनी कर सड़क जाम कर दिया है। सड़क जाम के दौरान परिजनों ने आरोपियों इनकाउंटर करने एवं भोजपुर एसपी को हटाने की मांग की है।

सड़क जाम के दौरान सड़क के तीनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रही एवं आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है।

बीजेपी के पूर्व मंत्री की कोठी में बनाई जा रही थी नकली खाद, पांच पर मुकदमा दर्ज

हरदोई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हरदोई में कृषि विभाग की टीम द्वारा बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री स्वर्गीय शारदा भक्त सिंह की कोठी में नकली खाद बनाने का मामला सामने आया है। सिटी मजिस्ट्रेट सदानंद गुप्ता की नेतृत्व में पुलिस टीम ने काला दानेदार, सफेद महीन दानेदार, फेरस सल्फेट, सफेद सीमेंट पाउडर बरामद किया। काले कारोबार के मामले में कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए पूर्व मंत्री के पौत्र समेत पांच लोगों के विरोद्ध मामला दर्ज कराया।

हरदोई के छोटा चौराहा स्थित प्रताप भवन में बीजेपी नेता और 1967 में संविद सरकार और 1977 में जनता पार्टी की सरकार में मंत्री रह चुके शारदा भक्त सिंह का है। यहां अब उनके पौत्र सुरेंद्र सिंह उर्फ सोनू रहते हैं। यहां नकली खाद बनाने की शिकायत मिलने पर सिटी मजिस्ट्रेट सदानंद गुप्ता के नेतृत्व में कृषि विभार और पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान टड़ियावां के आशा गांव के रहने वाले प्रेम प्रकाश, अनंतराम, अरविंद और शाहाबाद के नन्हे अवैध रूप से खाद का निर्माण और पैकिंग करते हुए पकड़े गए। जिला कृषि अधिकारी उमेश कुमार साहू ने बताया कि आरोपियों से जब उर्वरक निर्माण के बारे में पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि पूर्व मंत्री के पौत्र इसका निर्माण और पैकिंग करा हैं। टीम ने जब सुरेंद्र सिंह से इस संबंध में अभिलेख मांगे तो वह नहीं दिखा सके। टीम ने प्रथम दृष्टया उर्वरक निर्माण और पैंकिग को संदिग्ध मानते हुए दुकान को सीज कर गिया। इसके अलावा मौके से पैकिंग मशीन, इलेक्टॉनिक कांटा, बैंड सीलर, रुधारा बायोटेक ब्रांड के खाली प्रिंटेड पैकेट भी मिले।

माध्यमिक स्कूलों में भी छात्रों को फुल पैंट व शर्ट पहनकर आने के निर्देश

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बेसिक शिक्षा विभाग के साथ ही माध्यमिक शिक्षा विभाग ने भी बारहवीं तक के माध्यमिक स्कूलों में छात्र-छात्राओं को पूरी बांह की शर्ट व फुल पेंट पहनकर ही आने के निर्देश दिए हैं साथ ही डेंगू व चिकनगुनिया के प्रकोप से बचाव के लिए छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को विद्यालय के माध्यम से जागरुक करने के लिए कहा है। प्रतिदिन प्रार्थना सभा में संचारी रोगों व उससे होने वाली समस्याओं के बारे में भी बच्चों को जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक महेंद्र देव ने इस संबंध में सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों व जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं।

बीजेपी सभासद ने डीएम को खून से लिखी चिट्ठी

बहराइच, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बहराइच जिले में भाजपा पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष व नगर पालिका परिषद के नामित सभासद संजय कुमार जायसवाल ने चिक्कीपुरा वार्ड आरक्षण में धांधली को लेकर डीएम से की गई शिकायत पर कार्रवाई न होने पर फिर से खून से चिट्ठी लिखा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि कार्यवाई न होने पर वह सड़क पर उतरकर विरोध जताएंगे।

नामित सभासद का आरोप है कि सपा को फायदा पहुंचाने के लिए ईओ व कुछ सभासदों ने अफसरों से मिलकर चिक्कीपुरा वार्ड को पिछड़े वर्ग से सामान्य वर्ग में करने की धांधली की गई है। जबकि इस वार्ड में पिछड़े वर्ग के 1620 मतदाता हैं। इस धांधली को एक सभासद ने दो लाख रुपये लिए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी शिकायत पर कार्रवाई क्यों नहीं

हुई। वह भाजपा कार्यकर्ता होते हुए अपनी सरकार में भी इस धांधली के खिलाफ सड़क पर उतरकर संघर्ष करेंगे। कहा कि एक या दो दिनों में ईओ कार्यालय में जाकर अपनी नस काटकर दिखाऊंगा कि पिछड़ों का खून इतना खराब नहीं है। बहराइच ईओ नगर पालिका परिषद बालमुकुंद मिश्र ने कहा कि सर्वे रिपोर्ट कर्मचारियों की ओर से तैयार की गई है, उसमें मेरा कोई हस्तक्षेप नहीं है। नामित सभासद का आरक्षण को लेकर लगाया गया आरोप निराधार है।

ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन के लिए लगी दो किमी लंबी कतार

मथुरा, 13 नवंबर (एजेंसियां)। वृंदावन के ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में भीड़ नियंत्रण के लिए आए दिन व्यवस्था में बदलाव हो रहा है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं को परेशान होना पड़ता है। शनिवार को मंदिर के सेवायत गोस्वामियों के साथ हुई बैठक के बाद रविवार सुबह पुलिस ने नई व्यवस्था लागू कर दी। इसके तहत पुलिस ने भक्तों की लाइन लगा दी। यह व्यवस्था भी भक्तों पर भारी पड़ रही है। मंदिर के दरवाजों से शुरू ही लाइन करीब दो किलोमीटर तक पहुंच गई। हजारों भक्त लाइन में लगकर अपने आराध्य के दर्शन के लिए घंटों खड़े रहे। कई श्रद्धालु निराश होकर बिना दर्शन के ही वापस लौट गए। उन्होंने प्रशासन की व्यवस्था का कोसा। उनका कहना

नई व्यवस्था भक्तों पर भारी

था कि यह कैसी व्यवस्था है कि श्रद्धालुओं को अपने आराध्य के दर्शन भी सुलभ न हो सके।

रविवार की सुबह मंदिर के पट खुलने से पहले ही हजारों श्रद्धालु मंदिर के बाहर पहुंच गए। पुलिस ने नई व्यवस्था लागू करते हुए श्रद्धालुओं को लाइन में लगा दिया। श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी ज्यादा थी कि लाइन दो किमी लंबी हो गई।

बांकेबिहारी मंदिर से शुरू हुई भक्तों की लाइन हरी निकुंज चौराहा, विद्यापीठ चौराहे तक पहुंच गई। अपने आराध्य के दर्शन के लिए भक्तों को घंटों तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा। तब जाकर उनका नंबर आया। कई श्रद्धालु निराश होकर बीच से ही लौट गए। नई व्यवस्था के कारण बांकेबिहारी मंदिर को जाने वाली गलियों में भीड़ रही। श्रद्धालुओं की लाइन लगी होने के कारण स्थानीय लोगों को निकलने में परेशानी हुई। स्थानीय लोग घरों में कैद होकर रह गए।

अव्यवस्थाओं का आलम यह था कि विद्यापीठ चौराहे पर नाला खुला हुआ था, जिसमें धक्का-मुक्की के कारण कुछ महिला श्रद्धालु गिर गईं। जिससे वह चोटिल हो गईं।

भीड़ के दबाव के कारण कुछ श्रद्धालु बेहोश भी हो गए।

सरकार के खिलाफ आर्मी जवान का गुस्सा

बोला- मैं सरहद पर देश की रक्षा करता हूं, यहां मेरा घर-परिवार खत्म हो रहा

कटिहार, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कटिहार में इंडियन आर्मी के एक जवान की बातों ने लोगों को इमोशनल कर दिया है। जवान चंदन यादव ने रविवार को आहत होते हुए कहा कि 'मैं सरहद पर देश की रक्षा कर रहा हूं। यहां मेरा घर-परिवार खत्म हो रहा है। मेरा गांव डूब रहा है। जब तक हालात काबू में नहीं आते, मैं ड्यूटी ज्वाइन नहीं करूंगा। इंडियन आर्मी हेडक्वाटर को इसकी सूचना दे दी है।' पूरा मामला बाघमारा पंचात के बोलिया का है। दरअसल, जवान चंदन यादव का गांव बोलिया गंगा नदी में हो रहे लगातार कटाव की चपेट में है। बाढ़ और कटाव की त्रासदी हर साल पूरा गांव झेलता है। गंगा नदी से हो रहे लगातार भीषण कटाव से जवान का घर भी डूबने के कगार पर है।

प्रशांत किशोर ने कहा- खुद नहीं लड़ूंगा चुनाव

पर जनता को 'बेहतर विकल्प' जरूर दूंगा

बेतिया, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने शनिवार को खुद चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार किया, लेकिन अपने गृह राज्य बिहार के लिए एक 'बेहतर विकल्प' बनाने का वादा जरूर दोहराया। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में संबोधित करते हुए उन्होंने जद (यू) के नेताओं को जमकर लताड़ लगाई।

दरअसल, जद (यू) के नेताओं से पीके इस पर खासे खफा थे कि उन्होंने पीके पर थोड़े राजनीतिक कौशल के साथ एक 'धंधेबाज' (व्यापारी) जैसे आरोप लगाए थे। पीके ने इस दौरान जद (यू) के नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जाकर पूछें कि उन्होंने मुझे अपने आवास पर दो साल के लिए क्यों

रखा था। संवाददाता सम्मेलन में आई-पीएसी के संस्थापक प्रशांत किशोर से बार-बार यह सवाल पूछा गया कि क्या वह खुद चुनाव मैदान में उतरने की योजना बना रहे हैं? इस पर जवाब में उन्होंने कहा कि मैं चुनाव क्यों लड़ूंगा? मेरी ऐसी कोई आकांक्षा नहीं है। वह रविवार को होने वाले पश्चिम चंपारण के जिला सम्मेलन की पूर्व संध्या पर बोल रहे थे।

इस सम्मेलन में लोगों की राय ली जाएगी कि क्या 'जन सुराज' अभियान को राजनीतिक दल बनाया जाना चाहिए। राज्य की 3,500 किलोमीटर लंबी 'पदयात्रा' पर आए किशोर ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में इसी तरह से रायशुमारी होगी, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

किशोर ने दावा किया कि अगर नीतीश कुमार अपने 'राजनीतिक उद्यम' में शामिल होते हैं तो वह एक बार फिर उन पर यह उपकार करेंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि मैंने अपने लिए एक स्वतंत्र राह चुनी है है, इसलिए वह और उनके साथी मुझसे नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि जद (यू) के नेता मुझे खरी-खोटी सुनाना पसंद करते हैं। उन्हें नीतीश कुमार से पूछना चाहिए कि अगर मुझे कोई राजनीतिक समझ नहीं थी तो मैं दो साल से उनके आवास पर क्या कर रहा था। एक सवाल के जवाब में किशोर ने कहा कि उन्हें नीतीश कुमार के साथ पहले काम करने का कोई मलाल नहीं है। उन्होंने कहा कि वह (कुमार) 10 साल पहले जो थे और अब जो हैं, उसमें बहुत अंतर है। उन्होंने लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए 2014 में अपनी कुर्सी छोड़ दी थी। लेकिन अब सत्ता में बने रहने के लिए वह किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार हैं।

महागठबंधन सरकार के सालाना 10 लाख नौकरियों के वादे का मजाक उड़ाते हुए किशोर ने कहा कि मैंने यह कई बार कहा है और फिर से कहता हूं- अगर वे वादा पूरा करते हैं तो मैं अपना अभियान छोड़ दूंगा।

पूर्णिया में मिली दुर्लभ मछली

अमेरिका के अमेजन नदी में पाई जाती है सकरमाउथ कैटफिश, मछुआरे के जाल में फंसी मिली

पूर्णिया, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया में इन दिनों सकरमाउथ कैटफिश मछली को लेकर काफी चर्चा है। यह दुर्लभ मछली शनिवार को खुश्कीबाग स्थित सौरा नदी में मछली पकड़ने के दौरान एक मछुआरे को मिला। एक मछुआरे ने जैसे ही नदी में जाल फेंका कि जाल फेंका कि जाल में एक अजीबोगरीब मछली फंस गया। यह देखते ही मछुआरे चौंक गए। लोगों की भीड लग गई और मिलनपाडा के रहने वाले संतोष कुमार पासवान ने मछली को अपने घर लेकर आ गए। जब लोगों ने मछली के वारे में गूगल

पर सर्च किया तो पता चला कि इस मछली का नाम सकरमाउथ कैटफीश है।

पटना में बैठकर दिल्ली में ठगी, उड़ा लिए 50 लाख

पटना, 13 नवंबर (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने बिहार में बैठकर इलेक्ट्रिक स्कूटी की फर्जी वेबसाइट बनायी और दिल्ली के लोगों से करीब 50 लाख की ठगी कर ली। जब दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने इस मामले की छानबीन की तो पता चला कि ठग पटना में बैठे हैं। इसके बाद पटना में छापेमारी शुरू की गयी। दिल्ली पटना पुलिस ने संयुक्त अभियान में इस मामले के 16 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरोह का उद्भेन करने में जुट गई है।

सभी को व्यवहार न्यायालय में एसीजेएम-1 नवीन कुमार श्रीवास्तव की अदालत में पेश किया गया। इसके बाद आरोपितों को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली से आए अधिकारियों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, फर्जी वेबसाइट को खंगालने पर फर्जीवाड़े की रकम बढ़ सकती है। ठगी के शिकार लोगों की स्पष्ट संख्या पुलिस अभी बता नहीं पा रही है। चूंकि इस गिरोह में दूसरे राज्यों के भी सदस्य हैं। इसलिए अनुमान लगाया जा रहा है कि ठगी के शिकार सैकड़ों लोग हुए होंगे।

पुलिस के हत्थे चढ़े किशोर के चार अपहरणकर्ता

किशोर को मुक्त करने के बदले में मांगा था 20 लाख की फिरौती, एसपी ने टीम को दिया 25 हजार इनाम

चंदौली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। चंदौली जिले की पुलिस ने रविवार को अलीनगर थानाक्षेत्र के साहूपुरी से चार अपहरकर्ताओं को दबोच लिया। साथ ही अपहृत किशोर को भी बरामद कर लिया। अपहरणकर्ताओं ने दो दिन पहले किशोर को अपहृत करके 20 लाख की फिरौती की डिमांड किया था। एसपी ने किशोर को सकुशल बरामद और अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार करने वाली टीम को 25 हजार का नकद इनाम देने का घोषणा किया। रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक सुखराम भारती ने घटना और बरामदगी की जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक सुखराम भारती ने बताया कि दो दिन पहले अलीनगर थाना

क्षेत्र के गोधना गांव निवासी बसन्त लाल विश्वकर्मा के नाबालिग पुत्र विशाल विश्वकर्मा का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया था। इसी मामले की खुलासे और किशोर की बरामदगी के लिए अलीनगर थाने की पुलिस और सर्विलांस की अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। बताया कि रविवार को सूचना मिली कि साहूपुरी के समीप कुद संदिग्ध लोग कार में एक किशोर को लेकर रूके हुए है। ऐसे में पुलिस टीम संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए सक्रिय हो गई। बताया कि टीम ने साहूपुरी से कार सवार चार लोगों को दबोच लिया। इस दौरान गोधना के विशाल विश्वकर्मा को कार से सकुशल बरामद कर लिया। बताया कि चारों अपहरकर्ताओं की पहचान बबुरी थाना क्षेत्र के बउरी निवरासी मनीष कुमार, मिर्जापुर के अदलहाट थानाक्षेत्र के बरी सलाहपुर निवासी इन्द्रजीत पासवान, शुभम मौर्य और रोहित कुमार के रूप में हुई है।

रामपुर से आजम खान का जलवा होगा खत्म?

पथरीली जमीन पर कमल खिलाने को भाजपा ने बदली रणनीति

रामपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र और प्रदेश में दो बार हिन्दुत्व के एजेंडे पर आगे बढ़कर सरकार बनाने वाली भाजपा ने रामपुर में होने वाले विधानसभा उप चुनाव में अपनी रणनीति बदल दी है। यहां पथरीली जमीं पर कमल खिलाने को छटपटा रही भाजपा अब मुस्लिम समाज को गले लगाने की बातें कर रही है। शनिवार को आयोजित अल्पसंख्यक पसमांदा सम्मेलन में ऐसा ही दिखाई दिया। दरअसल रामपुर विधानसभा सीट पर 40 फीसदी हिन्दू मतदाता हैं जबकि 60 प्रतिशत मुस्लिम वोटर। यहां सालों से सपा नेता मोहम्मद आजम खां का जलवा

कायम है। भाजपा आजम का जलवा खत्म करने की पूरजोर कोशिश में लगी है। बिना सेंधमारी के आजम का किला फतह करना भाजपा के लिए न सिर्फ चुनौती बल्कि मुश्किल सा है। यही वजह है कि भाजपा अपने अल्पसंख्यक मोर्चे के जरिए मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने में लग गई है। शनिवार को इसी क्रम में महात्मा गांधी स्टेडियम में अल्पसंख्यक पसमांदा सम्मेलन आयोजित किया गया।

जिसमें प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद, राज्यमंत्री बलदेव औलख, केंद्र सरकार में मंत्री रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी पहुंचे, जो पूरे कार्यक्रम में ही मुस्लिमों को साधते और उन्हें रिझाते नजर आए।

कालेज में छात्र गुट भिड़े चले लात-घूंसे

ग्वालियर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। देश के प्रतिष्ठित संस्थान एमआईटीएस कॉलेज में दो छात्र गुटों के बीच मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दोनों गुट एक दूसरे से गाली गलौज करते हुए जमकर लात घूंसे बरसा रहे हैं। वीडियो दो दिन पुराना है जो कि एमआईटीएस कॉलेज कैंपस का बताया जा रहा है। कॉलेज के निदेशक डॉ. आर के पंडित ने भी वायरल वीडियो कॉलेज कैम्पस का होने की पुष्टि की है। साथ ही छात्रों का बचाव भी किया है। उन्होंने अजीबो गरीब तर्क देते हुए कहा है कि यह विवाद है।

टीपू सुल्तान की मूर्ति क्यों नहीं लगनी चाहिए

बेंगलुरु, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस की ओर से टीपू सुल्तान की 100 फीट की मूर्ति स्थापित करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के सीनियर लीडर सिद्धारमैया ने भी इसका समर्थन किया है। कांग्रेस विधायक तनवीर सैत ने टीपू सुल्तान की 100 फीट की मूर्ति स्थापित करने की बात कही थी। इसे लेकर सवाल किया गया तो सिद्धारमैया ने कहा, 'टीपू सुल्तान की मूर्ति क्यों नहीं लगाई जा सकती? उन्हें बनाने दीजिए, क्या वह इसके लायक नहीं हैं?' कांग्रेस नेता ने भाजपा पर इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया।

सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने (बीजेपी) नारायण गुरु, आंबेडकर और अन्य के बारे में क्या कहा? वे झूठी बातें कहते हैं। मालूम हो कि कांग्रेस की ओर से टीपू सुल्तान की प्रतिमा स्थापित करने की योजना को लेकर उस समय बयान दिया, जब बीते शुक्रवार को पीएम मोदी ने राजधानी बेंगलुरु में नादप्रभु केंपेगौड़ा की 108 फीट की प्रतिमा का अनावरण किया था।

'टीपू सुल्तान की प्रतिमा स्थापित करने पर फैसला जल्द'

कांग्रेस नेता तनवीर सैत ने कहा कि टीपू सुल्तान की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर जल्द ही समुदाय के नेताओं से बातचीत की जाएगी, जिसके बाद कोई फैसला होगा। उन्होंने कहा कि वे अकेले नहीं हैं, जो ऐसा चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिमा स्थापित करने का मकसद युवाओं को टीपू सुल्तान के शासन की वास्तविकता और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के बारे में बताना है।

टीपू सुल्तान को लेकर कर्नाटक की राजनीति गरमाई

कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले ही टीपू सुल्तान को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। असदुद्दीन ओवैसी की ओर से कर्नाटक के हुबली में ईदगाह मैदान में टीपू जयंती मनाने के बाद भाजपा ने तीखा हमला बोला। बीजेपी की ओर से कहा गया कि टीपू सुल्तान कोई स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे कि उनकी जयंती मनाई जाए। ओवैसी से और कुछ भी उम्मीद नहीं की जा सकती है,

पंजाब में सुधर नहीं रहे हालात
एक दिन में सामने आए पराली जलाने के करीब 2500 मामले

चंडीगढ़, 13 नवंबर (एजेंसियां)। वायु प्रदूषण को लेकर इतना गंभीर माहौल होने के बावजूद पराली जलाने की घटनाओं में कुछ खास कमी नहीं आ रही है। एक तरफ दिल्ली-एनसीआर में लोग स्वच्छ हवा के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पंजाब में लोग पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। पंजाब में शनिवार को पराली जलाने की 2,467 घटनाएं सामने आई हैं। इसमें सबसे ज्यादा बठिंडा में 358 घटनाएं दर्ज की गईं हैं। लुधियाना स्थित पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, इन्हें मिलाकर 15 सितंबर से 12 नवंबर के बीच पराली जलाने की घटनाओं की संख्या बढ़कर 43,144 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल इसी समय में पराली जलाने की 58,976 घटनाएं दर्ज की गई थीं और इसकी तुलना में यह 27 प्रतिशत कम है।

साल के अंत तक नए रूप में दिखेगा बीबी का मकबरा

एएसआई ने किया दावा

औरंगाबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग(एएसआई) के एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि विभाग इस साल के अंत तक महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में 17वीं सदी के स्मारक 'बीबी का मकबरा' को नए रूप देने का काम पूरा कर लेगा। इस स्मारक पर पर्यटकों की काफी भीड़ जुटती हैं।

आगरा के ताजमहल के जैसा दिखता है स्मारक

स्मारक, जो आगरा के ताजमहल जैसा दिखता है, खाम नदी के पास सम्राट औरंगजेब की पहली पत्नी दिलरस बानो बेगम के लिए बनाया गया था। उन्हें मरणोपरांत 'रबिया-उद-दुरानी' की उपाधि दी गई। एएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया राबिया-उद-दुरानी का प्रमुख मकबरा, जिसे दक्कन का ताज भी कहा जाता है, को नए साल में एक नया रूप मिलेगा।

लाइटिंग व्यवस्था की जा रही दुरुस्त

बीबी का मकबरा उन कुछ स्मारकों में से एक है जो हर दिन रात 10 बजे तक खुला रहता है। इसलिए, रात में इसे दीप्तिमान बनाने के लिए, एएसआई ने संरचना को रोशन करने का फैसला किया है। अधिकारी ने कहा रोशनी का प्राथमिक परीक्षण पहले ही हो चुका है, उन्हें स्टेनलेस स्टील के जाल से सुरक्षित किया जाएगा ताकि वे सुरक्षित रहें।

उन्होंने कहा कि परिसर को भी पूरी तरह से बदल दिया जाएगा क्योंकि एएसआई पेड़ों को बदलकर और पानी की टंकी में फव्वारों को क्रियाशील बनाकर परिदृश्य को और भी बदला जाएगा। अधिकारी ने कहा कि मकबरे की भीतरी और बाहरी सीमाओं को प्लास्टर करने का काम पहले से ही चल रहा है। यह भी इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

तमिलनाडु में आज से थम सकती है बारिश

भारी बरसात से बिगड़े राज्य के हालात

चैन्नई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। इससे राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बांधों में पानी खतरे के निशान से ऊपर आ चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को भी राज्यभर में भारी बारिश की संभावना है। हालांकि, सोमवार से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, तमिलनाडु में बारिश सोमवार से कुछ दिनों के लिए बंद हो जाएगी। भारतीय मौसम विभाग ने एक बयान में कहा कि कम दबाव का क्षेत्र (एलपीए) जिसके कारण पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश हुई है, के उत्तर पश्चिम की ओर केरल की ओर बढ़ने और अरब सागर में मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि 16-17 नवंबर के आस-पास अंडमान और निकोबार के आस-पास एक और कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

कम दबाव क्षेत्र के प्रभाव में राज्य के कई जिले

मौसम विभाग के अधिकारियों ने भविष्यवाणी की कि इस नए कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव में तमिलनाडु के नीलगिरी, तिरुपुर, डिंडीगुल, कोयंबटूर, मदुरै, थेनी, विरुधुनगर, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली और कन्याकुमारी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। गौरतलब है कि 29 अक्टूबर को तमिलनाडु में पूर्वोत्तर मानसून के आगमन के बाद से राज्य के लगभग सभी जिलों में भारी बारिश हुई है। भारी बारिश से कई जगहों पर पानी भर गया है और बाढ़ के चलते शुक्रवार और शनिवार को स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए। राज्य आपदा प्रबंधन को भी किसी भी घटना के लिए हरेक जिले में तमिलनाडु के राजस्व विभाग द्वारा तैयार रखा गया है। वर्तमान कम दबाव के क्षेत्र के राज्य से बाहर जाने से अंडमान में एक नया क्षेत्र बनने तक कुछ दिनों के लिए बारिश की संभावना कम हो गई है, जो 16 और 17 नवंबर को होने की संभावना है।

नौसेना के जवान ने किया सुसाइड
सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई में एक 25 साल के नेवी सेलर की आत्महत्या का मामला सामने आया है. इस नौजवान नेवी सेलर ने खुद को गोली मार ली. घटना शनिवार, 12 नवंबर 2022 को दोपहर के वक्त घटी. फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

कोलाबा पुलिस ने इस मामले में फ़िलहाल एडीआर दर्ज की है और आगे की जांच कर रही है. पुलिस का कहना है कि जब सेलर ने आत्महत्या की, उस समय वो शिप पर तैनात थे. फिलहाल आत्महत्या की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है. उधर, घटना के बाद नौसेना ने इसके जांच के आदेश दिए हैं. नेवी अधिकारी ने बताया की जब वो लोग मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा की सेलर जवान मृत पड़ा था और उसके बगल में सर्विस राइफल थी.

डेपुटेशन पर था नौसना का जवान

बताया गया है कि ये नौसना का जवान डेपुटेशन पर था और जहाज पर तैनात था. इसी दौरान उसने आत्महत्या कर ली. नेवी सेलर ने कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी है. उसने जब ये आत्महत्या की उस समय वो ड्यूटी पर ही थी. पुलिस ने इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज की है. तो वहीं नौसने ने भी जांच के आदेश दे दिए हैं.

डॉगी को बना लिया अपनी पत्नी

राजधानी के फर्स्ट एसी कोच में अजीबोगरीब स्थिति में पकड़ा गया शख्स

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस में बेहद अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने डॉगी को ही अपनी पत्नी बना लिया। इतना ही नहीं वह डॉग को पत्नी के तौर पर लेकर राजधानी एक्सप्रेस से यात्रा भी कर रहा था। मगर रेलवे कर्मचारियों की पड़ताल में अचानक पकड़ लिया गया। इसके बाद रेलवे ने ऐसा करने पर उसके ऊपर जुर्माना भी लगाया है। उस व्यक्ति को ऐसा करने की नौबत क्यों आई और वह कहां जाना चाह रहा था, इस बारे में आइए आपको सबकुछ बताते हैं।

डॉगी को पत्नी बनाकर फर्स्ट एसी कोच में बैठाया

मुरादाबाद जीआरपी की टीम ने एक ऐसे व्यक्ति को पकड़ा है, जो एसी राजधानी के एसी कोच प्रथम श्रेणी में डॉगी को पत्नी के रूप में दर्शा कर यात्रा कर रहा था। इसकी जानकारी होने पर चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ और जीआरपी ने संयुक्त रूप से व्यक्ति को पकड़ लिया। ट्रेन से डॉगी और व्यक्ति दोनों को उतार कर उसपर जुर्माना भी लगा दिया। घटना शनिवार को घटी। जब नई दिल्ली से दोपहर दो बजे डिब्रूगढ़ जाने के लिए राजधानी एक्सप्रेस रवाना हुई। एक व्यक्ति ने नई दिल्ली से न्यू जलपाईगुड़ी जाने के लिए अपने और अपनी पत्नी के नाम से एसी फर्स्ट कोच में टिकट बुक कराया था। मगर वह पत्नी की जगह डॉगी को ले जा रहा था। जबकि यात्री कोच में डॉगी को ले जाने की अनुमित नहीं होती।

पत्नी के नाम से बुक कराई थी डॉगी के लिए टिकट

न्यू जलपाईगुड़ी जाने के लिए व्यक्ति ने नई दिल्ली से राजधानी एक्सप्रेस में अपने और अपनी पत्नी के नाम से टिकट बुक कराई थी। व्यक्ति ने रेलवे कर्मचारियों से पूछताछ में बताया कि उन्हें डॉगी के लिए टिकट नहीं मिला। उसे साथ ले जाना था। इसलिए पत्नी के नाम पर टिकट बुक करवाया। मगर रेलवे कर्मचारियों ने उन्हें मुरादाबाद में ही उतार लिया और रेलवे नियमों का हवाला देकर शख्स पर जुर्मान भी ठोंक दिया। इसके बाद व्यक्ति को छोड़ दिया गया। आरोपी ने बताया कि मजबूरी में ऐसा करना पड़ा। क्योंकि डॉगी को साथ ले जाने के लिए कोई दूसरा टिकट नहीं मिल पा रहा था।

पति के अंतिम संस्कार में

पत्नी और बच्चों को शामिल होने से रोका
महिला ने तेरहवीं में जाने मांगी सुरक्षा

छतरपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में एक पत्नी और उसकी बेटियों को उसके पति की मौत के बाद अंतिम संस्कार में शामिल होने से रोकने का मामला सामने आया है। महिला ने पुलिस से बेटियों समेत पति के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुरक्षा की मांग की है। जानकारी के मुताबिक मामला छतरपुर शहर सिविल लाइन थाना क्षेत्र के देरी रोड का है। जहां महिला सुनीता कुशवाहा के पति और तीन बच्चियों (प्रिंसी, गुंजन, लवली) के पिता मुकेश कुशवाहा की पिछले दिनों कुएं में गिरकर डूबने से मौत हो गई थी, जिसके बाद से बच्चियों के दादा, चाचा, और ताऊ इन्हें घर नहीं आने दिया। मृतक की पत्नी के साथ दो नवंबर को परिजनों ने मारपीट भी की थी, जिसकी थाने में शिकायत भी दर्ज की गई है। तीनों बेटियों के साथ छतरपुर एसपी ऑफिस पहुंचकर मृतक की पत्नी ने तेरहवीं में शामिल होने आवेदन दिया है। जिसमें उन्होंने पुलिस सुरक्षा मुहैया कराए जाने की मांग की है। बताया जा रहा है कि मृतक ने अपनी पत्नी को तीनों बेटियों समेत घर से बाहर निकाल दिया था। मृतक अपनी तीनों बेटियों तो बोझ समझता था, जब एक के बाद एक पत्नी ने तीन बेटियों को जन्म दिया तो उसने पत्नी को बेटियों समेत घर से निकाल दिया था। पहली पत्नी और बच्चों के घर से निकालने के बाद मृतक ने दूसरी शादी कर ली थी, जिसके बाद महिला अपनी तीनों बेटियों के साथ किराए के घर में रहकर किसी तरह से जीवन यापन कर रही है।

केरल में गीता, रामायण उपनिषद पढ़ रहे हैं 'मुस्लिम छात्र'

तिरुवनन्तपुरम, 13 नवंबर (एजेंसियां)।केरल में मुस्लिम छात्रा भगवद गीता, उपनिषद, महाभारत, रामायण के महत्वपूर्ण अंश को संस्कृत भाषा में पढ़ रहे हैं। यही नहीं ये छात्र 'गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा, गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः' भी एक लय में गाते हैं। ये खबर राज्य के त्रिशूर जिले से है। जहां एक इस्लामी संस्थान ने एक अलग ही मिसाल कायम की है, जहां लंबे सफेद वस्त्र पहने और सिर पर साफा बांधे छात्र अपने हिंदू गुरुओं की निगरानी में धाराप्रवाह संस्कृत के श्लोक और मंत्र पढ़ रहे हैं। संस्थान में एक शिक्षक छात्रों को "गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा, गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः" पढ़ने के लिए कहते हैं और छात्र ऐसा ही करते हैं। एक अन्य छात्र जब विभिन्न श्लोक का पाठ पूरा कर लेता है तो उसके शिक्षक संस्कृत में उससे कहते हैं, 'उत्तमम।' कक्षा में छात्रों और शिक्षकों के बीच संस्कृत में ही सारी बातचीत होती है।

मुहम्मद फैजी की पहल

मलिक दीनार इस्लामिक कॉम्प्लेक्स (एमआईसी) द्वारा संचालित एकेडमी ऑफ शरिया एंड एडवांस्ड स्टडीज (एएसएएस) के प्राचार्य ओनाम्पिल्ली मुहम्मद फैजी ने कहा कि संस्कृत, उपनिषद, पुराण आदि पढ़ाने का उद्देश्य छात्रों में अन्य धर्मों के बारे में ज्ञान और जागरूकता पैदा करना है। एमआईसी एएसएएस में छात्रों को संस्कृत पढ़ाने का एक और कारण फैजी की अपनी शैक्षणिक पृष्ठभूमि हैं क्योंकि उन्होंने शंकर दर्शन का अध्ययन किया है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैंने महसूस किया कि छात्रों को अन्य धर्मों और उनके रीति-रिवाजों व प्रथाओं के बारे में पता होना चाहिए। लेकिन आठ साल की अध्ययन अवधि के दौरान संस्कृत के साथ-साथ 'उपनिषद', 'शास्त्र', 'वेदों' का गहन अध्ययन संभव नहीं होगा।"

यहां उर्दू और हिंदी भी पढ़ाई जाती है

फैजी ने कहा कि इसका मकसद इन छात्रों को बुनियादी ज्ञान प्रदान करने और इनमें दूसरे धर्म के बारे में जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि दसवीं कक्षा पास करने के बाद आठ साल की अवधि में छात्रों को भगवद गीता, उपनिषद, महाभारत, रामायण के महत्वपूर्ण अंश छात्रों को संस्कृत में पढ़ाए जाते हैं। इन ग्रंथों का चयनात्मक शिक्षण इसलिए प्रदान किया जा रहा है क्योंकि संस्था मुख्य रूप से एक शरिया कॉलेज है। यह संस्थान कालीकट विश्वविद्यालय से संबद्ध है और यहां उर्दू और हिंदी भी पढ़ाई जाती है।

हिसार के 3 होटलों में देह व्यापार का भंडाफोड

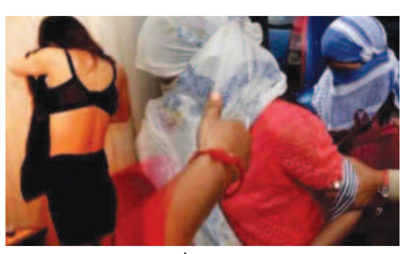

हिसार, 13 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के तीन थानों की टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे होटलों में देहव्यापार की सूचना पर छापेमारी की. पुलिस ने तीनों होटल मालिक और मैनेजरों समेत कुल आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. पुलिस ने देहव्यापार की गुप्त सूचना पर शुक्रवार रात शहर के तीन होटलों रेलवे रोड स्थित होटल विक्टोरिया, एचएयू के चार नंबर गेट के सामने स्थित रेड रोज होटल और बीआर कालोनी में स्थित सैवन डेज होटल पर छापेमारी की है. होटलों पर डीएसपी अशोक के नेतृत्व में सुरक्षा इकाई टीम सहित छापेमारी की गई. पुलिस टीम देर शाम होटलों पर पहुंची और बोगस ग्राहक भेजकर उन्हें एक-एक हजार रुपये डीएसपी द्वारा हस्ताक्षर करके दिए गए, यह रुपये तीनों होटलों में भेजे गए बोगस ग्राहकों को दिए गए. तीनों होटलों के बोगस ग्राहक से बात करके रुपये दिए तो मैनेजर ने लड़की उपलब्ध करवाने की हामी भरते हुए कमरे में लड़की भेज दी. इसी दौरान इशारा पाते ही बाहर खड़ी पुलिस टीम ने होटलों पर दबिश दी और तीनों होटल के मैनेजर को बोगस ग्राहक से लिए गए रुपये के साथ पकड़ा. मामले में एचटीएम थाना, अर्बन एस्टेट और सिविल लाइन थाना पुलिस टीम ने कारवाई की है. पुलिस ने होटल विक्टोरिया के मैनेजर सुनील कुमार, मालिक रितेश और बिल्डिंग मालिक शुभम मित्तल पर, होटल रेड रोज के मैनेजर रवि और मालिक संदीप कुमार तथा सैवन डेज में होटल मैनेजर दिनेश कुमार, मालिक मितु उर्फ मितलेश और इसके एक दोस्त पर केस दर्ज किया है.

रोहतक में पूर्व फौजी ने महिला को गोली मारी

रोहतक, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में रविवार सुबह पूर्व फौजी ने एक महिला को गोली मार दी। जिसके कारण महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसके बाद पूर्व फौजी ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली लगने के बाद महिला ने खुद पुलिस को फोन किया। सूचना पाकर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। घटनास्थल से रिवाल्वर भी बरामद हुआ है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पूर्व फौजी ने ऐसा क्यों किया। दोनों के परिवार वालों से भी संपर्क किया जा रहा है ताकि मामले की तय तक पहुंचा जा सके। पूर्व फौजी पिछले करीब 10 साल से फ्रेंड्स कॉलोनी में रहता था।

इंटरपोल के नाम पर प्रिंटिंग व्यवसायी से लाखों की ठगी

इंदौर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित एमआइजी थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जो खुद को अंतरराष्ट्रीय पुलिस ऑर्गेनाइजेशन (इंटरपोल) का बताकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी कर रहा था। आरोपी ने इंदौर के एक प्रिंटिंग व्यवसायी से एक लाख रुपए की वसूली की। बाद बाद में बिजनेसमैन को शक हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी अजय वर्मा के अनुसार फरियादी पीयूष नेमा इंदौर के कैसरबाग रोड स्थित प्रिंटिंग व्यवसाय का काम करता है। कुछ समय पहले पवन नामक एक व्यक्ति जिसे पीयूष अच्छी तरह से जानता था। पीयूष ने कमलेश पांचाल नामक एक व्यक्ति को बिजनेस करने के लिए एक करोड़ 75 लाख रुपए दिए लेकिन वापस मांगने पर ना देने की बात कर रहा था। पीयूष नेमा के लेनदेन की जानकारी पवन को लगी तो पवन ने विपुल शेफर्ड नामक एक व्यक्ति से पीयूष को मिलवाया और कहा कि यह इंटरनेशनल पुलिस में काम करने वाला अधिकारी है। जिसके बाद विपुल ने फरियादी से कहा मुझे तुम्हारी शिकायत मिल गई है और मैं इंदौर आ रहा हूं तुम मेरी व्यवस्था होटल श्रीमाया में 10-15 दिन के लिए करवा दो। तुम्हारी समस्या का हल करने के लिए मुझे तुम ढाई लाख रुपए दे देना। इसके बाद व्यवसायी ने बताया कि उसने रुपयों की व्यवस्था की लेकिन उसे शक हो गया कि कुछ गड़बड़ है। जिसके बाद उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर जानकारी निकाली।

रिश्तेदारों को फंसाने के लिए बाप ने बेटी से लिखवाए सुसाइड नोट

नागपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर से एक बेहद शर्मनाक और सिरहन पैदा करने वाला मामला सामने आया है। नागपुर में एक 40 साल के पिता को अपनी बेटी की हत्या करने करने के आरोप में गिरफ्कार किया गया है। जानकारी के मुताबिक आरोप है कि आरोपी व्यक्ति ने अपने रिश्तेदारों को फंसाने के लिए अपनी बेटी से सुसाइड नोट लिखवाए और फिर सुसाइड करने के लिए कहा। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक खुदकुशी के नाटक के दौरान ही आरोपी ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 16 साल की लड़की छह नवंबर को नागपुर के कलमना इलाके में अपने घर में फंदे से लटकी मिली थी। कलमना थाने के एक ऑफिसर ने कहा कि पुलिस ने किशोरी के कमरे में मिले पांच सुसाइड नोट के आधार पर उसकी सौतेली मां और कुछ अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया था। अधिकारी ने बताया कि छानबीन के दौरान दब उसके पिता के मोबाइल की जांच की गई, तो पूरी साजिश का खुलासा हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान मोबाइल फोन में एक फोटो मिला जिसमें लड़की खुदकुशी करने की कोशिश करती दिखी। उन्होंने कहा कि जांच में यह सामने आया कि उसने अपनी बेटी से इस तरह का नाटक करने को कहा था। जैसे ही लड़की ने फंदा लगाने का नाटक किया तो उसने उसका फोटो खींच लिया था। अधिकारी के मुताबिक आरोपी अपने रिश्तेदारों को सबक सिखाना चाहता था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने अपनी बेटी से पांच सुसाइड नोट लिखवाए जिनमें संबंधित रिश्तेदारों के नाम लिखवाए। उन्होंने बताय कि उसके कहने पर जब लड़की फंदा लगाने का नाटक करने के लिए स्टूल पर खड़ी थी तो उसने फोटो खींचा तथा स्टूल को ठोकर मारकर गिरा दिया,

कोरोना में मां-बाप से बिछड़े 3 मासूमों को बनाया मुसलमान

भोपाल, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रायसेन से तीन हिंदू बच्चों को मुस्लिम पहचान दिए जाने का मामला सामने आया है। खबर है कि ये बच्चे कोरोनावायरस महामारी के दौरान माता-पिता से बिछड़ गए थे। मामले को लेकर राष्ट्रीय बाल आयोग भी सक्रिय हो गया है। इधर, अधिकारियों ने शिशु गृह का रिकॉर्ड जब्त कर लिया है। साथ ही पुलिस भी संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर सकती है। विस्तार से समझते हैं। मामला मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के नजदीकी जिला रायसेन का है। यहां गौहरगंज स्थित सरकारी अनुदान प्राप्त एक शिशु गृह में तीन बच्चे रह रहे थे। इनमें एक लड़का और दो लड़कियां हैं। इन बच्चों की उम्र 4 से 8 वर्ष के बीच है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शिशु गृह के संचालक हसीन परवेज ने बच्चों के नाम बदलकर मुस्लिम कर दिए और उनके नए आधार कार्ड भी बनवा दिए। इतना ही नहीं आधार कार्ड में बच्चों के माता-पिता की जगह परवेज का ही नाम दर्ज है। खबर है कि साल 2020 में ये बच्चे भोपाल में ही भटकते पाए गए थे। उस दौरान भोपाल कल्याण समिति ने उन्हें रायसेन बाल कल्याण समिति को सौंपा। बाद में माता-पिता की खोज होने तक उन्हें गौहरगंज के गोदी शिशु गृह में रखा गया था। इसका संचालन नवजीवन सामाजिक संस्था के जिम्मे है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 14 नवंबर, 2022

झुकने लगा अमेरिका

वह दिन अब दूर नहीं जब भारतीयों को अमेरिका जाने के लिए वीजा लेने में हो रही देरी से मुक्ति मिल जाएगी। अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने वीजा प्रक्रिया के काम में आ रही अडचनों को दूर करने के लिए कई तरह के सहूलियत भरे कदम उठाने जा रहे हैं जो निश्चित ही भारतीय नागरिकों के लिए राहत भरा होने वाला है। इसी कडी में जो सबसे बड़ा कदम उठाया गया है वह यह कि एक लाख अतिरिक्त वीजा भारतीय नागरिकों को दिया जाएगा। यदि यह सब सुचारू रूप से आगे बढ़ गया तो अमेरिकी वीजा के इंतजार का वक्त घट कर उतना ही रह जाएगा, जितना कोरोना महामारी से पहले हुआ करता था। बता दें कि कोरोना महामारी के बाद अमेरिका द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार वहां का वीजा के लिए भारतीयों को आठ सौ चवालीस दिन तक यानी सवा दो साल से भी ज्यादा समय तक इंतजार करना पड रहा था। पर्यटकों के लिए जरूर समय की रियायत दी गई थी। लेकिन भारत से नौकरी और पढ़ाई के लिए बड़ी संख्या में अमेरिका जाने वाले छात्रों को वीजा के लिए सवा दो साल लंबा इंतजार करना पड रहा था। जाहिर है इतना लंबा वक्त लोगों के लिए नए संकट खड़े कर देता है और लोग अनिश्चितता के भंवर में फंसे रहते हैं। बता दें कि कोरोना महामारी से पूरी दुनिया जूझ रही थी, जिसकी वजह से अमेरिका ने दूसरे देशों से अपने यहां आने वाले नागरिकों को लेकर सख्त कदम उठाते हुए वीजा देना बंद कर दिया था। इसके पीछे एक बड़ा कारण यही था कि दूसरे देशों से आने वाले लोग वहां कोरोना संक्रमण फैलाने का कारण न बनें। इसके अलावा कोरोना ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को जो नुकसान पहुंचाया है और जिसकी वजह से वहां बेरोजगारी बढ़ी, उसके मद्देनजर भी बाहरी लोगों को प्रतिबंधित किया गया है। अमेरिकी वीजा में होने वाली देरी का मुद्दा कोई नया नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर भी अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन के साथ समय-समय पर बातचीत के जरिए इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। वीजा देरी पर अमेरिकी प्रशासन जो तर्क देता रहा है, वह भी समझ से परे रहे हैं। अक्सर अमेरिका अपने दूतावासों में कर्मचारियों की कमी की बात कह कर इस समस्या को टालता रहा है। उसकी दूसरी दलील यह होती थी कि पिछले कुछ समय में वीजा के लिए आवेदन करने वालों की संख्या में अचानक तेजी आ गई। दूसरी ओर अमेरिका चीन और पाकिस्तान के छात्रों को फटाफट वीजा देने में कोई कोताही नहीं बरत रहा था। देखा जाए तो भारत को यही बात अखर रही थी। अमेरिकी सरकार ने चीन के छात्रों को तो दो दिन में, पाकिस्तान के छात्रों को एक दिन में और श्रीलंका के छात्रों को चार दिन में ही वीजा दे देती है। ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि भारत जैसा अमेरिका का करीबी देश और कारोबारी रिश्तों से लेकर शिक्षा, रक्षा, आइटी जैसे तमाम क्षेत्रों में उसका सहयोगी है, फिरभी भारतीय छात्रों के साथ ऐसा भेदभाव क्यों? जब भारत की तरफ से दबाव पडा तो अब अमेरिकी विदेश विभाग ने वीजा संबंधी नियम प्रक्रिया आसान बनाने की बात कही है। बता दें कि वीजा के लिए भी कई तरह की श्रेणियां होती हैं, इसलिए सबका ध्यान रखा जाना होगा। अभी राहत की बात इतनी है कि शैक्षणिक वीजा सहित कई तरह के वीजा के लिए व्यक्तिगत साक्षात्कार की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। फिलहाल भारत की सबसे ज्यादा जोर अस्थायी रोजगार के लिए अमेरिका जाने वालों को लेकर है। इसके अलावा एच-1बी वीजा वालों की संख्या भी काफी है। अभी चीन और मैक्सिको के लोगों को सबसे ज्यादा वीजा मिल रहा है। जो अमेरिका भारत से रिश्तों को लेकर आए दिन तरह तरह के दावे करता रहता है, अगर वह भारतीय नागरिकों के प्रति इस तरह का भेदभाव करेगा तो जाहिर है, भारत भी चुप नहीं बैठने वाला।

भूकंप नहीं, हमारी हरकतें और मकान मारते हैं

भूकंप के झटकों ने उत्तराखण्ड से लेकर दिल्ली तक को दहला दिया है। लोगों को बड़े भूचालों का डर सताने लगा है, जबकि भूचाल कभी किसी को नहीं मारता है। हमको मारते वह भवन हैं जिसे हम अपने आश्रय के लिए या सुरक्षित रहने के लिए बनाते हैं। फिर भी जो मकान मारक साबित होते हैं हम उसके लिए विलाप करते हैं और सारा दोष भूकंप पर डाल देते हैं। अगर हम प्रकृति के साथ जीना सीख लें तो क्या भूचाल या क्या बाढ़? हमें कोई भी आपदा नहीं मार सकती। भूकंप, बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन या आकाशीय बिजली गिरने जैसी घटनाएं प्राकृतिक होती हैं और प्रकृति के नियमों के अनुसार होती रहती हैं। इन प्राकृतिक घटनाओं को हम अपनी लापरवाही और अज्ञान के कारण आपदा बनाते हैं। 30 सितंबर 1993 को महाराष्ट्र के लातूर क्षेत्र में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, इसमें लगभग 10 हजार लोग मारे जाते हैं। 30 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के साथ ही 1.4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। जबकि 28 मार्च 1999 को चमोली में लातूर से भी तेज 6.8 मैग्नीट्यूट का भूकंप आता है तो उसमें केवल 103 लोगों की जानें जाती हैं और 50 हजार मकान क्षति ग्रस्त होते हैं। 20 अक्तूबर 1991 के उत्तरकाशी के 6.6 परिमाण के भूकंप में 786 लोग मारे जाते हैं और 42 हजार मकान क्षतिग्रस्त होते हैं। इसी तरह जब 26 जनवरी 2001 को गुजरात के भुज में रिक्टर पैमान पर 7.7 परिमाण का भूकंप आता है तो उसमें कम से कम 20 हजार लोग मारे जाते हैं और 1.67 लाख लोग घायल होने के साथ ही 4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। 11 मार्च 2011 को जापान के टोहोकू क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 9.00 अंक परिमाण का प्रलयकारी भूचाल आने के साथ ही विनाशकारी सुनामी भी आबादी क्षेत्र को ताबाह कर जाती है, फिर भी वहां केवल 15,891 लोग मारे जाते हैं। इस दुहरी विनाशलीला के साथ तीसरा संकट परमाणु संयंत्रों के क्षतिग्रस्त होने से विकीर्ण का भी था। अगर ऐसा तिहरा संकट भारत जैसे देश में आता तो करोड़ों लोग जान गंवा बैठते। 25 अप्रैल 2015 नेपाल में 7.8 परिमाण का भूकंप आता है जिसमें लगभग 9 हजार लोग मारे जाते हैं और 21 हजार से अधिक घायल हो जाते हैं। वहां सबसे अधिक तबाही काठमांडू में हुई, क्योंकि देश की राजधानी होने के नाते वहां आबादी ज्यादा घनी और इमारतें भी औसतन ज्यादा और विशलकाय हैं। अगर आप जापान में भूकंपों का इतिहास टटोलें तो वहां बड़े से बड़े भूचाल भी मानवीय हौसले को डिगा नहीं पाए। जापान में 26 नवम्बर सन् 84 (जूलियन कैलेंडर) से लेकर अब तक रिक्टर पैमाने पर 7 अंक से लेकर 9 परिमाण तक के दर्जनों भूचाल आ चुके हैं। आपदा प्रबंधकों के अनुसार इस परिमाण के भूकंप काफी विनाशकारी होते हैं। खासकर रिक्टर पैमाने पर 8 या उससे बड़े परिमाण के भूकंपों को भयंकर और 9 तथा उससे अधिक के भूचालों को तो प्रलयंकारी माना ही जाता है, फिर भी जपान में जनहानि बहुत कम होती है। सन् 1952 से लेकर अब तक जापान में रिक्टर पैमाने पर 7 से लेकर 9 परिमाण तक के 31 बड़े भूचाल आ चुके हैं। इसके अलावा 4 या उससे कम परिमाण के भूकंप तो वहां लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। इन भूकंपों में से टोहोकू के भूकंप और सुनामी के अलावा वहां कोई बड़ी मानवीय त्रासदी नहीं हुई। वहां 25 दिसंबर 2003 को होक्कैडो में 8.3 परिमाण का भयंकर भूचाल आया फिर भी उसमें मरने वालों की संख्या केवल एक थी। इतने बड़े परिमाणों वाले 7 भूकंप ऐसे थे जिनमें एक भी जान नहीं गई। जाहिर है कि जापान के लोग भूकंप ही नहीं बल्कि प्रकृति के कोपों के साथ जीना सीख गए हैं।

कच्चा तेल बढ़ाएगा संकट

महंगाई की मौजूदा तकलीफ वैसे ही कम नहीं हो रही। कच्चा तेल अब इसमें नई तकलीफ जोड़ने वाला है। यह नई तकलीफ आमजन तक सीमित नहीं रहने वाली, यह अर्थव्यवस्था को भी कमजोर करेगी। पहले से सुस्त अर्थव्यवस्था का यह एक नया चरण होगा। ऊंची महंगाई दर और बेरोजगारी के बीच समाज का आचरण भी बदलेगा।

ऐसे में यह कह पाना मुश्किल है कि भविष्य की तस्वीर कैसे संकट लिए होगी। महामारी के हालात सुधरने के बाद आर्थिक गतिविधियां शुरू ही हुई थीं कि रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ गया। आपूर्ति श्रृंखला एक बार फिर बाधित हुई। यूरोप, अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में महंगाई आसमान पर पहुंच गई। इसी बीच पश्चिमी देशों ने रूस पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए।

रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है।

इसलिए कच्चे तेल की कीमतें चढ़ती गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय हिस्से की जो कीमत अप्रैल 2022 में 102.97 डालर प्रति बैरल थी, वह जून 2022 आते-आते 116.01 डालर प्रति बैरल पहुंच गई। अमेरिका में महंगाई पर लगाम लगाने फेडरल रिजर्व मैदान में उतरा। उसने ब्याज दर बढ़ानी शुरू की।

मार्च 2022 से अब तक फेड की ब्याज दर छह बार में 3.50 फीसद बढ़ कर चार फीसद तक हो चुकी है। यह सिलसिला हाल-फिलहाल थमने वाला नहीं। दिसंबर 2022 में एक और वृद्धि का संकेत है। फेड की ब्याज दर बढ़ने से जहां डालर मजबूत होता गया, वहीं भारत सहित अन्य देशों की मुद्राएं कमजोर होती गईं। डालर में भुगतान के कारण आयात महंगा होता गया। इससे महंगाई बढ़ती गई।

ईंधन अर्थव्यवस्था का एक अनिवार्य अवयव है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अपनी जरूरत का पिच्यासी फीसद कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। आयात महंगा होगा तो निश्चित तौर पर महंगाई बढ़ेगी। महंगाई बढ़ेगी तो अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा।

भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से अपनी अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए रूस सस्ते दर पर कच्चा तेल बेचने को राजी हो गया। भारत ने इसका लाभ भी उठाया। अप्रैल 2022 से अगस्त 2022 के दौरान रूस से कच्चे तेल का आयात पिछले साल की तुलना में पांच गुना बढ़ कर कुल आयात का लगभग सोलह फीसद हो गया।

सितंबर 2022 में हालांकि इसमें दो फीसद की गिरावट आई, फिर भी मौजूदा समय में भारत रूसी कच्चे तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीददार है। रूसी तेल ने आयात बिल में काफी राहत दी।

इसी दौरान दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देश चीन में महामारी से बचाव के सख्त उपायों के कारण आर्थिक गतिविधियां थम गर्इं और कच्चे तेल की मांग घट गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत नीचे आने लगी।

भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत जुलाई 2022 में घट कर 105.49 डालर प्रति बैरल हो गई, अगस्त में 97.40 डालर, सितंबर में 90.71 डालर और अक्तूबर में औसत कीमत 91.70 डालर प्रति बैरल पर आ गई। लेकिन सरकार ने आम जनता को इसका कोई लाभ नहीं दिया। जून 2022 से अब तक पेट्रोल, डीजल की घरेलू कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

दुनिया में मंदी की आहट के बीच कच्चे तेल की कीमत और नीचे आने की उम्मीद थी।

यदि ऐसा होता तो कम से कम सरकार को राजस्व के मोर्चे पर राहत मिलती। क्योंकि भारत अभी भी कच्चे तेल का सबसे ज्यादा आयात इराक से और उसके बाद सऊदी अरब से करता है। लेकिन तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक प्लस को सस्ता तेल बेचना मंजूर नहीं था।

दुनिया में कच्चे तेल की आपूर्ति में करीब अस्सी फीसद से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाले तेईस देशों के इस समूह ने मांग घटने के साथ ही उत्पादन घटाने का निर्णय ले लिया, ताकि कच्चे तेल की कीमत नीचे न आने पाए। ओपेक प्लस के प्रतिनिधियों की चार अक्तूबर को वियना में हुई बैठक में नवंबर 2022 से उत्पादन बीस लाख बैरल प्रतिदिन घटाने का निर्णय लिया गया और अगले ही दिन नवंबर के लिए कच्चे तेल का वायदा 0.15 फीसद बढ़ गया।

मांग और आपूर्ति के सिद्धांत पर संचालित बाजार में आपूर्ति कम होगी तो कीमत हर हाल में बढ़ेगी। ऐसे में मजबूत डालर और महंगा तेल महंगाई को किस ऊंचाई तक ले जाएंगे, उसे देखने के लिए हमें गर्दन ऊंचा करने का अभ्यास अभी से शुरू कर देना चाहिए। सरकार ने सस्ते तेल का लाभ आमजन के साथ भले साझा नहीं किया हो, लेकिन महंगे तेल का बोझ वह हर हाल में साझा करना चाहेगी।

महंगाई की मौजूदा मार ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। जेब में पैसे नहीं तो भला बाजार कौन, क्यों और कैसे जाए! जब मांग घटेगी तो विनिर्माण को नीचे आना ही है। सितंबर 2022 में विनिर्माण का पीएमआइ (पर्चेजिंग मैनेजर इंडेक्स) अगस्त के 56.2 से घट कर 55.1 पर आ गया। अक्तूबर में हालांकि इसमें सुधार हुआ और यह 55.3 पर दर्ज किया गया।

लेकिन इसी महीने बेरोजगारी दर बढ़ कर 7.77 फीसद हो गई। इससे इस संभावना को बल मिलता है कि अक्तूबर का विनिर्माण पीएमआइ त्योहारी मांग का परिणाम था। इसकी असल परीक्षा नवंबर के आंकड़े से हो जाएगी।

ऐसा नहीं कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) महंगाई को लेकर चिंतित नहीं हैं। लेकिन उनकी चिंता का कोई परिणाम निकल रहा हो, ऐसा भी नहीं है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए आरबीआइ मई 2022 से लेकर अब तक अपनी नीतिगत ब्याज दर में 190 आधार अंकों की वृद्धि कर चुका है। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात।

लगातार तीन तिमाहियों यानी नौ महीनों से महंगाई दर आरबीआइ की लक्षित अधिकतम सीमा छह फीसद से ऊपर बनी हुई है। नतीजा यह हुआ कि केंद्रीय बैंक को आरबीआइ अधिनियम,1934 की धारा 45 जेडएन और आरबीआइ एमपीसी एवं मौद्रिक नीति प्रक्रिया अधिनियम,2016 के नियम 7 के तहत एमपीसी की एक विशेष बैठक बुलानी पड़ी और सरकार को रपट भेजनी पड़ी।

रपट में क्या है, फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। लेकिन नियम कहता है, यदि महंगाई दर तीन तिमाहियों तक लक्षित अधिकतम सीमा के ऊपर बनी रहती है तो आरबीआइ को अपनी विफलता के कारण और उसके निवारण के उपाय सरकार को लिखित में बताने होंगे।

आरबीआइ की इस रपट पर सरकार क्या कुछ कदम उठाती है, यह देखने वाली बात होगी। फिलहाल समझने वाली बात यह है कि सरकार के पास महंगाई पर लगाम लगाने के लिए राजकोषीय उपाय के अलावा कोई रास्ता है नहीं। और राजकोष की क्या हालत है?

इबारत साफ लिखी हुई है। कई वस्तुओं पर जीएसटी दर बढ़ाने और खाने-पीने के सामान पर भी जीएसटी लगाने के बावजूद मौजूदा वित्त वर्ष (2022-23) की प्रथम छमाही का राजकोषीय घाटा 6.20 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। जबकि साल भर पहले इसी अवधि का राजकोषीय घाटा 5.27 लाख करोड़ रुपए था। आर्थिक अस्थिरता के मौजूदा दौर में विनिवेश के जरिए राजस्व जुटाना सरकार के लिए कितना कठिन है, वह अच्छी तरह समझ चुकी है।

कारपोरेट कर बढ़ाने का उसका कोई इरादा नहीं है। ऐसे में सरकार का सारा जोर अप्रत्यक्ष कर वसूली पर है। महंगाई के रूप में सरकार को कर भुगतान आमजन की मजबूरी है। महंगा कच्चा तेल इस महंगाई में आग लगाएगा।

इस अग्नि-परीक्षा में कौन खरा उतरेगा? इस सवाल का जवाब समय देगा। फिलहाल सरकार को अपनी भूमिका तय करनी है कि वह इस आग पर पेट्रोल डालना चाहती है, या पानी।

बेलगाम होते आपराधिक तत्व

रघु ठाकुर

समाज में अराजकता की स्थितियां तेजी से पनप रही हैं, और आये दिन ऐसी घटनायें सामने आ रही हैं जो भविष्य के प्रति चिंता व्यक्त करती है। पिछले दिनों मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में ऐसी कई घटनायें घटी हैं। राजधानी के वरिष्ठ पत्रकार श्री धनंजय सिंह ने अपने आवासी कॉलोनी में हुड़दंग कर रहे है युवकों को रोका। उन लड़को में ने उल्टे एक वरिष्ठ व्यक्ति एवं पत्रकार की समझाइश को समझने की बजाय उन्हीं पर हमला बोल दिया। यह समाचार अखबारों में आने के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री ने उन्हें फोन कर सांत्वना तो दी परन्तु ऐसे हालातों के प्रति कोई ठोस कदम सरकार नहीं उठा पाई। दूसरी घटना सेवानिवृत्त डी.जी.पी एम.डब्लू अंसारी के साथ घटी। जब उन्होंने रात के 11 बजे अपने घर के बाहर अभद्र भाषा में जोर शोर से ठिठोलीबाजी तथा गंदी भाषा में गाली-गलौज कर रहे नौजवानों को घर जाने को कहा। उन ठिठोलीबाजों ने उनकी समझाइश को न मानकर उन्हीं के ऊपर हमला कर दिया जिससे उन्हें और उनके बेटे को चोटें पहुंची। डी.जी. साहब ने पुलिस को फोन किया, परंतु पुलिस के पहुंचने के पहले ही खानूगाँव से 30-40 लोगों की भीड़ उनके घर हमला करने पहुंच गयी। हालात यह थी कि दो पुलिस के जवान इस आपराधिक भीड़ के हाथ जोड़ रहे थे। डी.जी. साहब जान बचाकर अपनी कार से पुलिस थाने गये, तो वह भीड़ भी पुलिस थाने पहुंच गयी तथा वहाँ भी हुड़दंग मचाया और पुलिस थाने में उनके ऊपर हमला किया। एक तरफ इन 30-40 आदमी-औरतों की भीड़ से डी.जी. साहब हमले सह रहे थे, तो दूसरी तरफ पुलिस थाने में खुद पुलिस भी उनकी शिकार थी परन्तु कार्यवाही के नाम पर केवल खानापूर्ति हुई। तीसरी घटना भोपाल के वरिष्ठ व प्रसिद्ध पत्रकार श्री दिनेश शुक्ला जी के साथ हुई। उन्होंने सड़क पर अतिक्रमण को हटाने नगर निगम में सूचना दी। नगर निगम ने अतिक्रण को हटा दिया इसके दण्डस्वरूप अतिक्रमणकारियों ने श्री दिनेश शुक्ला के घर पर हमला बोल दिया। वह खूनाखून हो गये, उनकी पत्नी के हाथ में चोट आई यहाँ तक की उनकी वृद्ध माँ को भी अराजक तत्वों ने नहीं छोड़ा और चोटिल कर दिया। जब उन्होंने पुलिस को फोन किया तो उनसे कहा गया कि आप यही आ जायें याने आप हमलावर से पिटते रहिये और जिंदा बच जाये तो चल आइये। क्या पुलिस की जवाबदारी मौके पर जाकर हमलावरों को पकड़ने की नहीं थी? अमूमन यही हो रहा है कि, पीड़ित या भयभीत लोग पुलिस को फोन करते हैं तो पुलिस वाले बजाय मौके पर पहुंचने के उन्हें थाने बुलाते हैं। सौ नंबर तो कभी-कभी ही उठता है। कभी-कभी तो पुलिस यह कहती हैं कि यह छोटा-मोटा मामला है क्यों आयें कुछ बड़ा हो तो आना। याने पुलिस आम आदमी को सुरक्षा देने को नहीं है, तो क्या उसकी मौत के बाद पोस्ट मार्टम और कार्यवाही के लिये हैं? राजधानी के गली और मोहल्ले में ऐसी घटनायें आम सी हो गयी हैं और एक अनियंत्रित युवा पीढ़ी असमाजिकता और अराजकता की ओर बढ़ रही है। ये तो मैंने राजधानी की चंद घटनायें लिखी है वरना समूचा प्रदेश ऐसी घटनाओं से प्रताड़ित और प्रभावित हो रहा है। भले कहे जाने वाले लोग ऐसे अवसरों पर अपने दरवाजे खिड़की बंद कर भयभीत होकर घरों में छिप जाते हैं। समाज कायर और क्रूर हो गया है। और प्रशासन स्वच्छंद और मदमस्त। वह केवल विशिष्ठ जनों की चिंता करता है जो उसे नुकसान कर सकते हैं। कई बार लगता है कि क्या प्रदेश की पुलिस 9 करोड़ जनता के बजाय 900 व्ही.आई.पी., व व्ही.व्ही.आई.पी. लोगों की सुरक्षा भर के लिये हैं। हालाकि मतदाता के रूप में यह मध्यमवर्ग भी गुनहगार है। जो चुनाव के समय पेट और पीठ दोनों की चोट भूल जाता है केवल धर्म जाति धन और शराब को देखता है। प्रदेश के लगभग सभी अंचलों में ऐसी ही स्थितियां पनप रही हैं। शालाओं में पढ़ने वाली बच्चियां छेड़खानी से पीड़ित रहती है। आवारा तत्वों के भय से किसी को कुछ बोल नहीं पाती। यहां तक कि बच्चियों के माता पिता भी इन आवारा तत्वों से बोलने या उन्हें रोकने में भयभीत रहते हैं। तथा कभी कभी तो उनके हमलों के शिकार भी हो जाते हैं। जब कभी मुख्यमंत्री या सत्ताधीश इसके विरूद्ध कोई अभियान की चर्चा करते हैं, तो पुलिस उस दिशा में कुछ समय के लिये कुछ सक्रियता दिखाती है परन्तु कुछ समय पश्चात वह सक्रियता समाप्त हो जाती है। जैसे कुछ समय पूर्व यू.एन.ओ. द्वारा घोषित वरिष्ठ नागरिक दिवस के समय केन्द्र से लेकर राज्यों तक सरकारों ने यू.एन.ओ. के चाटर्ड के नाम पर कुछ कदम उठाये। मसलन सरकार के बिल जमा करने के लिये अलग खिड़की, वरिष्ठ नागरिकों को हेल्पलाईन नं., पुलिस के द्वारा उनसे समय-समय पर संपर्क पूछताछ, रेल भाड़े में रियायत आदि। परन्तु ये सब घोषणायें अल्पकालिक ही सिद्ध होती है और प्रशासन पुलिस पिछली बातों को भूलकर कोई नया सबक याद करने लगता है। न केवल प्रदेश में बल्कि देश के सभी अंचलों में खनन माफिया वसूली गैंगे सक्रिय है। खनन माफियों का आतंक तो इतना बढ़ गया है कि सामान्य व्यक्ति तो क्या, अब पुलिस प्रशासन और शासन भी उनसे भयभीत है। अनेकों अंचलों में ऐसी घटनायें घटी कि खनन माफियों ने पुलिस प्रशासन और वन विभाग आदि के कर्मियों पर न केवल हमला बोला बल्कि उनकी गाड़ियों पर ट्रेक्टर चढ़ा दिये। कहीं-कहीं तो बन्दूकों से फायरिंग की और अब उन्हीं का राज चल रहा है। कितने ही व्यापारी अढ़ी बाजों से भयभीत हैं। उन्हें नियमित पैसा देते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि पुलिस को सूचना देने का मतलब अपराधियों को सूचना देना है और पुलिस उन्हें बचाने को नहीं आयेगी बल्कि अपराधियों की रक्षा करेगी। समूचे देश महानगरों और नगरों में विकसित हो रहा यह अपराधी तंत्र नई राजनैतिक मंडली के रूप में बन गया है।

जो सत्ताधारियों के संरक्षण, में उनके लिये चुनाव में शराब व पैसा बंटवाते है। जमीनों और मकानों पर कैंजे कराते हैं, उन्हें बलपूर्वक खाली कराते हैं, और सत्ताधारी नेताओं के लिये वोट डलवाने के लिये मतदान केन्द्रों पर कैंजा करते हैं हालांकि इसके लिये समाज भी जिम्मेदार है जो इन सवालों पर चिंतित होना तो दूर अपने स्वार्थ के लिये उन्हें दृष्टि ओझल कर देता है तथा आपराधिक समाज का मूक सहयोगी बन जाता है।

‘टीवी और सिनेमा के साथ जुड़े राष्ट्रीय हित

डॉ सत्यवान सौरभ

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'भारत में टेलीविजन चैनलों की अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के लिए दिशानिर्देश, 2022' को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत राष्ट्रीय और सार्वजनिक हित में सामग्री प्रसारित करना चैनलों के लिए अनिवार्य हो गया है। टीवी चैनलों को प्रतिदिन 30 मिनट की जनहित सामग्री प्रसारित करनी होगी, जिसमें शिक्षा, साक्षरता, कृषि और ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, महिला कल्याण, समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण,पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता जैसे राष्ट्रीय हित के विषय शामिल होंगे। नए दिशा-निर्देशों के तहत प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट का समय ₹जन सेवा और राष्ट्रहित₹ से संबंधित सामग्री प्रसारित करने के लिए दिया जाना है, जिसके लिए चैनलों को सामग्री निर्माण के लिए आठ थीम दी गई हैं। सरकार के अनुसार, इस कदम के पीछे तर्क यह है कि हवाई तरंगें सार्वजनिक संपत्ति हैं और समाज के सर्वोत्तम हित में इसका उपयोग करने की आवश्यकता है। टेलीविजन और सिनेमा में कुछ विषय या कहानियां लोगों को एक साथ ला सकती हैं और उन्हें धर्म, जाति और समाज को विभाजित करने वाली ऐसी अन्य गलत रेखाओं से ऊपर उठकर एकजुट कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, फिल्म चक दे इंडिया बहुत बड़ी हिट थी और इसने सभी भारतीयों के मन में देशभक्ति की भावना जगाई। टेलीविजन में सामग्री एक ही समय में अरबों भारतीयों तक पहुंचती है। उपभोग की जाने वाली सामग्री महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि हम जो देखते हैं वही बन जाते हैं। यह लोगों की सकारात्मक कंडीशनिंग की ओर जाता है। व्यवहारिक कहानी मुमकिन है। उदाहरण के लिए, कोविड के दौरान दीया जलाना कोरोना योद्धाओं के समर्थन के रूप में किया गया था। यह टीवी और मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया था। मेगा स्टार्स के सिनेमा से युवा आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, जिनके पास बहुत बड़ा फैन बेस होता है। अगर ऐसे फिल्मी सितारों को देश पर बनी फिल्म में शामिल किया जाए तो इससे सामाजिक बदलाव आ सकता है। जैसे, शेरशाह, उरी आदि फिल्में। टीवी चैनलों को अनिवार्य करने से उद्देश्य पूरा नहीं हो सकता है क्योंकि लोग इस सामग्री का उपभोग नहीं कर सकते हैं। मनोरंजन एक प्रमुख कारक है, यदि इस तरह के दिशानिर्देशों का पालन किया जाए तो टेलीविजन चैनल ग्राहकों को खो सकते हैं। सभी चैनलों के पास दिशा-निर्देशों के अनुसार सामग्री प्रसारित करने या सामग्री बनाने की क्षमता नहीं है और इसका उल्लंघन करना व्यवसाय को महंगा पड़ सकता है। यह टेलीविजन पर क्या देखना है और क्या देखना है, यह तय करने के लोगों के अधिकारों के खिलाफ जा सकता है। लोकतांत्रिक राष्ट्रों को चीन और उत्तर कोरिया की तरह किसी भी सामग्री का प्रसारण अनिवार्य नहीं करना चाहिए। यह लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ जाता है और सत्तावादी बन जाता है। फिल्म वर्तमान और अतीत दोनों समाज का प्रतिबिंब है। मुझे लगता है कि फिल्म और इसके नवाचारों को कभी-कभी समाज को पकड़ना पड़ता है लेकिन कभी-कभी यह समाज का नेतृत्व भी करता है। फिल्में कहानियां हैं, फिल्में ऐसे लोग हैं जो कुछ कहने के लिए विचारों के साथ बाहर आते हैं, कुछ वे किसी को बताना चाहते हैं। फिल्में संचार का एक रूप हैं और वह संचार, वे कहानियां, समाजों से आती हैं- न केवल जहां समाज वर्तमान में है और यह अब क्या कर रहा है- बल्कि समाज कहां रहा है। जब तक फिल्में रही हैं, तब तक ऐसा ही रहा है। फिल्में अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग चीजें हैं, यही उनके बारे में इतना अविश्वसनीय है। फिल्में भी शिक्षित कर सकती हैं। वे हमें ऐसी बातें बताते हैं जो हम कभी नहीं जान सकते थे। वे हमें ऐसी बातें बताते हैं जो हम नहीं जानते होंगे, और वे हमें अतीत, वर्तमान और भविष्य का पता लगाने का एक तरीका देते हैं। सिनेमा संस्कृति, शिक्षा, अवकाश और प्रचार का एक शक्तिशाली माध्यम बन गया है। भारतीय सिनेमा और संस्कृति को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन के लिए 1963 की एक रिपोर्ट में प्रधान मंत्री नेहरू के एक भाषण का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था, "...भारत में फिल्मों का प्रभाव समाचार पत्रों और किताबों से अधिक है। सिनेमा के इस शुरुआती चरण में भी, भारतीय फिल्म-बाजार ने एक हफ्ते में 25 मिलियन से अधिक लोगों को कैटर किया था- जिसे आबादी का सिर्फ एक 'फ्रिंज' माना जाता था। हालांकि एक नया विचार, ऐसे दिशानिर्देशों की व्यवहार्यता को लोगों और टीवी चैनलों के लेंस के माध्यम से देखा जाना चाहिए।

यहाँ तोते उड़ाए जाते हैं

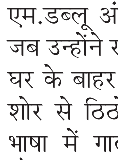

डॉ. सुरेश कुमार

वैसे तो वे चूना नहीं बेचते थे, लेकिन चूना लगाने में सिद्धहस्त थे। ऐसे सिद्धहस्त के सेक्रेटरी ने उनसे कहा - "सर! हमारा ज्योतिषी का चैनल दिन दुगनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। आपकी भविष्यवाणी सही हुई। सब्सक्राइबर्स की संख्या कुकुरमुत्तों की तरह बढ़ती जा रही है। अब प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। आजकल के लोग काम कम और भविष्य ज्यादा देखते हैं। आपके कार्यक्रम का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। अब तो आपके कार्यक्रम को लेकर प्रायोजकों में गजब होड़ लगी है। सभी आपको मुँह मांगी कीमत देना चाहते हैं। मुझे समझ नहीं आता किसे हाँ करूँ और किसे न। कमाल की बात तो यह है कि आप हर हर राशि वालों के बारे में वही दस-बारह घिसी-पिटी बातें बताते हैं। ये नादान अंधविश्वासी उसमें से जो नहीं होता उसे अपना दोष समझकर और जो हो जाता है उसे आपकी कृपा मानकर आपका जयजयकार करने लगे हैं। आपने बिना ज्योतिषी का कोई कोर्स किए असली ज्योतिषियों की दुकान सदा के लिए बंद कर दी है। अब तो हर कोई आपको पूजता है।""लोगों के अंधविश्वास को बनाए रखना हमारे धंधे का सबसे बड़ा वसूल है। बढ़ती तकनीक के इस युग में खेत जोतने बैलों की तरह अंधभक्तों का ध्यान केवल अंधविश्वासों की ओर रखना भी एक कला है। जब से यह स्मार्टफोन आए हैं लोग बहुत जागरूक हो गए हैं। वह तो तुलसीदास का शुक्र मनाओ कि उन्होंने हमें यह बता दिया कि यह दुनिया जड़-चेतन और गुण-दोषों से बनी है। लोगों के सोचने समझने की क्षमता समाप्त कर दो वह स्वयं अंधविश्वासी बन जाएगा। देखा नहीं परसों एक कुंभ राशि के अंधभक्त ने मेरे खाते में लाखों की दक्षिणा जमा कराई थी। मैंने तो टी.वी. भर इतना भर कहा था कि इस सप्ताह आपके भाग्य में विदेश जाने का जोग है। यह बात तो मैंने वृषभ और तुला राशि वालों के लिए भी कही थी। किंतु वह बेवकूफ यह सब कहा जानता था। विदेश जाने के लिए उसने पासपोर्ट बनवाया, वीजा के लिए हाथ-पैर मारे और जब विदेश जाने की बारी आयी तो उसका सारा श्रेय मेरी झोली में डाल दिया। जब तक ऐसे अंधभक्त हैं तब तक यह धंधा सदाबहार और हम मालामाल हैं।" "सर! आपकी बातें सच कैसे हो जाती हैं?" सेक्रेटरी ने भोलेपन से पूछा। "मैं भविष्यवाणी का विशिष्टीकरण नहीं सामान्यीकरण करता हूँ। इसे आसान शब्दों में समझना हो तो यह कहा जा सकता है कि चार ऐसी बातें बताओ जो सबके लिए कॉमन हो।

भगवान शिव की 51 फीट ऊंची मूर्ति की करीब 6 फीट के नंदी महाराज करेंगे पहरेदारी

भोपाल के फंदा में भगवान शिव की 51 फीट ऊंची मूर्ति बनाई जा रही है, जो 150 टन वजनी है। जिसका निर्माण मानसरोवर सेवा समिति द्वारा कराया जा रहा है। इस मूर्ति का निर्माण ओडिशा के कारीगरों द्वारा किया जा रहा है। अब तक करीब तीन चौथाई कार्य पूर्ण हो चुका है, जो साल 2023 तक पूर्ण हो जाएगा। वहीं बताया जा रहा है कि 26 जनवरी से 3 फरवरी के बीच इसका प्राण-प्रतिष्ठा समारोह होगा। यहां नंदी गेट का भी निर्माण किया जा रहा है, जिसके तहत 21 फीट ऊंचे नंदी बनाए जाएंगे, जिनकी लंबाई करीब 25 फीट रहेगी। वहीं शिवलोक में प्रवेश नंदीजी के नीचे से ही किया जा सकेगा।

दावा किया जा रहा है कि यह देश की पहली पाषाण की मूर्ति होगी, जो इतनी वजनी और ऊंची है। समिति से जुड़े लोगों के अनुसार मानसरोवर धाम का निर्माण कार्य श्रीराम कमल दास वेदांतीजी के सानिध्य में चल रहा है। यहां शिवलोक में 11 फीट ऊंचा शिवलिंग बनाने के अलावा इसके अंदर 1008 छोटे शिवलिंग भी होंगे। इन सभी के साथ ही मानसरोवर धाम में कैलाश पर्वत का भी निर्माण किया जा रहा है। जिसमें 12 ज्योतिर्लिंगों को स्थापित किया जाएगा। जिनकी प्रतिमा 12 ज्योतिर्लिंग के स्वरूप की ही होंगी। इसके अलावा मानसरोवर धाम में हरदिन हजारों लोगों का भंडारा, राम कथा और वैदिक अनुष्ठान भी किए जाएंगे।

मंदिर की खासियत

यहां शिवलिंग के सामने करीब 6 फीट के नंदी महाराज पहरेदारी करेंगे। इसके साथ ही यह बनाए जा रहे कैलाश पर्वत की लंबाई 120 फीट और ऊंचाई 63 फीट रहेगी। इसी अंदर 12 ज्योतिर्लिंग भी होंगे। यहां शिवलोक में एक कुंड भी होगा, जिसमें गौमुख से जल गिरता रहेगा। इन सब के साथ ही यहां ऊं नमः शिवाय और महा मृत्युंजय मंत्र का जाप भी होता रहेगा।

इसके अलावा शिवलोक में नंदी गेट बनाया जा रहा है। जिसमें 21 फीट ऊंचे नंदी बनाए जा रहे हैं। लंबाई 25 फीट रहेगी। नंदीजी के नीचे से ही शिवलोक में प्रवेश किया जाएगा। नंदी गेट के साथ डमरू गेट एवं शंख गेट का दोनों तरफ निर्माण भी हो रहा है। मानसरोवर धाम की प्लानिंग आर्किटेक्ट और वास्तु प्लानिंग के हिसाब से की जा रही है।

भूतेश्वर महादेव भी हैं अनोखे

आशापुरी गांव में ही भूतेश्वर महादेव भी हैं, जो चारों तरफ खंडहर के बीच विराजमान हैं। परमारकालिन अवशेषों के बीच बेशकीमती धरोहर के बीच यह स्थान फिलहाल बंद कर रखा है। पुरातत्व विभाग के संरक्षण में यह मंदिर है, जो खंडहर की शक्ल में है।

यह है मंदिर की लोकेशन

रायसेन जिले के भोजपुर मंदिर के दर्शन करने के बाद 8 किलोमीटर दूर स्थित आशापुरी गांव में स्थापित है यह शिवालय। यहां पर किसी भी वाहन से जाया जा सकता है। इसके अलावा औबेदुल्लागंज से भी करीब 10 किलोमीटर चलने के बाद यहां पहुंचा जा सकता है। दोनों मार्गों से बस या निजी वाहन के लिए रास्ता है। आशापुरी में गांव से 300 मीटर की दूरी पर 9वीं से 12वीं सदी के बीच निर्मित प्रतिहारकालीन मंदिर समूह के अवशेष संरक्षित है।

गायत्री मंत्र के पहले नौ शब्द करते हैं प्रभु के गुणों की व्याख्या

सभी मंत्रों में सबसे प्रभावशाली जिस मंत्र को माना जाता है वो है गायत्री मंत्र. गायत्री को वेदमाता कहा जाता है. शास्त्रों में ऐसा वर्णन मिलता है कि आकाशवाणी से ही सृष्टि के रचयिता को गायत्री मंत्र प्राप्त हुआ था. माना जाता है कि गायत्री मंत्र का जाप करन से जीवन में उत्साह और सकारात्मकता आती है. कितनी भी बड़ी समस्या हो, तांत्रिक और वैदिक मंत्रों का अनुष्ठान हो, बिना गायत्री मंत्र के पूरा नहीं होता. गायत्री मंत्र पढ़कर आप खराब से खराब परिस्थिति को भी बहुत आसानी से पार कर सकते हैं. गायत्री मंत्र के जाप से मन एकाग्र होता है और ज्ञान में वृद्धि होती है.

गायत्री मंत्र शुद्धता, शक्ति और संयम का मंत्र है. मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भी कारगर माना गया है. नौकरी या रोजगार में अगर परेशानी हो रही हो तो ऐसे में गायत्री मंत्र का जाप लाभ दे सकता है. जो लोग शिक्षा में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें रोजाना गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए.

गायत्री मंत्र के पहले नौ शब्द प्रभु के गुणों की व्याख्या करते हैं. जानिए इनके बारे में विस्तार से...

ॐ - प्रणव

भूर- मनुष्य को प्राण प्रदाण करने वाला

भुवः - दुखों का नाश करने वाला

स्वः - सुख प्रदाण करने वाला

तत - वह सवितुर - सूर्य की भांति उज्जवल

वरेण्यं- सबसे उत्तम

भर्गो - कर्मों का उद्धार करने वाला

देवस्य - प्रभु

धीमहि- आत्म चिंतन के योग्य (ध्यान)

धियो - बुद्धि, यो - जो, नः - हमारी, प्रचोदयात - हमें शक्ति दें

क्या है गायत्री मंत्र ?

- **गायत्री मंत्र मुख्यतः** वेदों की ऋचा है , यह मुख्यतः यजुर्वेद और ऋग्वेद के दो भागों से मिलकर बना है.
- **इस ऋचा में मुख्यतः** ईश्वरीय प्रकाश (सविता) की आराधना की गई है , इसलिए इसको सावित्री भी कहा जाता है
- इस मंत्र के जाप से भौतिक और आध्यात्मिक दोनों तरह की उपलब्धियां प्राप्त होती हैं
- जिस तरह की प्रार्थना के साथ गायत्री मंत्र का जाप किया जाता है , वैसी ही उपलब्धि प्राप्त होती है.
- शिक्षा एकाग्रता और ज्ञान के लिए गायत्री मंत्र सर्वश्रेष्ठ है

चुंबक की तरह धन खींचता है मोरपंखी पौधा

आर्थिक तंगी से छुटकारा देता है

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार माँ सरस्वती के बिना देवी लक्ष्मी का आगमन संभव नहीं है। लोग धनवान होंगे अगर उनके पास बुद्धि होगी। यदि उनके पास पैसा होगा तो वे शक्तिशाली भी होंगे। यह पौधा ज्ञान देता है। इस प्लांट का नाम मोरपंखी है। इसे ज्ञान का पौधा भी कहते है।

हर आदमी बड़ा और अमीर बनने का सपना देखता है। किस्मत और मेहनत के साथ बुद्धि भी अमीर बनने में अहम भूमिका निभाती है। ऋग्वेद से लेकर पुराणों में वृक्षों की पूजा का उल्लेख है। वहीं वैदिक ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में भी पौधों का जिक्र किया गया है। जिन्हें घर में लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। धन को अपनी ओर आकर्षित करने वाला यह पौधा आमतौर पर घरों में पाया जाता है। इस प्लांट को यदि किसी खास दिशा में लगाया जाए तो ही व्यक्ति को सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। आइए जानते हैं इस पौधे के बारे में।

इस दिशा में लगाएं मोरपंखी पौधा

मोरपंखी पौधे को घर में इसलिए लगाया जाता है ताकि धन का प्रवाह बना रहे। मेहनत और सूझबूझ से काम करने पर ही धन का आगमन होगा। वास्तु शास्त्र के अनुसार मोरपंखी का पौधा बहुत स्पेशल है। जहां ये प्लांट लगाए जाते हैं, वहां पैसा सीधे प्रवाहित होता है। अधिकांश जातक इस पौधे की पत्तियों को अपनी किताबों में रखते हैं। मोरपंखी को गमले में लगाकर उत्तर दिशा में लगाएं। इससे आपके अच्छे दिन आने लगेंगे।

गरुड़ पुराण: ये 5 आदतें आपको बना देंगी कंगाल

सनातन धर्म के कुल 18 पुराणों में से एक गरुड़ पुराण (garud puran) भी है, जिसे काफी महत्वपूर्ण माना गया है। इस गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु और गरुड़ के बीच हुई बातचीत का जिक्र है। जिसमें मृत्यु, पुनर्जन्म और अंतिम संस्कार से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातों के बारे में जानकारी मिलती है।

साथ ही इसमें जीवन को जीने की सही राह के बारे में भी बताया गया है। भगवान विष्णु ने गरुड़ पुराण में मनुष्य की ऐसी 5 आदतों के बारे में जिक्र किया है, जिन्हें गलती से भी करने पर मनुष्य को दरिद्रता का सामना करना पड़ता है।

: गरुड़ पुराण के अनुसार जो कि दूसरों की पीठ पीछे बुराई करते हैं, उनसे भी मां लक्ष्मी कभी प्रसन्न नहीं रहतीं। जिसके चलते ऐसे लोगों को हमेशा धन की कमी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा बिना वजह चिल्लाना या गुस्सा होना भी दरिद्रता का कारण बन सकता है, क्योंकि ऐसे माहौल में मां लक्ष्मी कभी नहीं आतीं।

: इसके अलावा गरुड़ पुराण के अनुसार मां लक्ष्मी गंदे कपड़े पहनने से नाराज हो जाती हैं, क्योंकि माता लक्ष्मी को स्वच्छता पसंद है और जहां साफ-सफाई होती है, वहीं उनका वास भी होता है। इसके लिए सुबह स्नान आदि करने के बाद स्वच्छ वस्त्र ही पहनने चाहिए। इससे धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा आप पर बनी रहेगी।

: वहीं गरुड़ पुराण के अनुसार रात को सोने से पहले कभी भी रसोई घर में झूठे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए, अगर आप ऐसा करते हैं तो व्यक्ति को शनि का बुरा प्रभाव झेलना पड़ सकता है। साथ ही इससे माता लक्ष्मी भी नाराज होती हैं और कभी घर में प्रवेश नहीं करती, अतः इससे बचने के लिए रात को खाना खाने के बाद झूठे बर्तन साफ कर देने चाहिए।

: इसके अतिरिक्त कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो कि हमेशा दूसरों की संपत्ति या दौलत को हड़पने के बारे सोचते रहते हैं। ऐसे लोगों को जीवन में कभी खुशी नहीं मिलती और ऐसे लोगों से माता लक्ष्मी नाराज रहती हैं। वहीं अपनी मेहनत के दम पर धन कमाने वाले व्यक्ति पर मां लक्ष्मी हमेशा कृपा बरसाती हैं।

: एक ओर जहां लाइफस्टाइल में हुए बदलाव के चलते आजकल लोग रात को देर से सोते हैं और सुबह देर से उठते हैं। वहीं शास्त्रों में सुबह देर से उठने की आदत को बुरी आदत माना गया है। सुबह देर से उठने वाले लोग आलसी प्रवृति का कहा जाता हैं और यह भी माना जाता है कि उन्हें जीवन में कभी तरक्की नहीं मिलती। इसका कारण यह है कि आलस तरक्की की राह में एक बहुत बड़ी बाधा बन जाता है, वहीं यदि तरक्की नहीं होगी तो हमेशा धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

इन 4 राशियों के लिए मोती पहनना है बहुत शुभ

इस राशि के जातक मोती धारण कर सकते हैं

रत्न शास्त्र के अनुसार मेष, कर्क, वृश्चिक और मीन राशि के जातक मोती धारण कर सकते हैं। चंद्रमा की महादशा के बाद मोती धारण करना शुभ माना जाता है। यदि कुंडली में चंद्रमा छठे, आठवें या बारहवें भाव में हो तो मोती धारण कर सकते हैं। कुंडली में चंद्रमा कमजोर हो तो मोती धारण किया जाता है। साथ ही कुंडली में चंद्रमा की स्थिति नीची होने पर मोती धारण न करने की सलाह दी जाती है।

मोती पहनने के फायदे

वैदिक ज्योतिष के अनुसार मोती धारण करने से देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। मोती धारण करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। यदि किसी को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है, तो सफेद मोती पहनना शुभ माना जाता है। जो जातक बहुत क्रोधित होते हैं, उन्हें भी मोती धारण करने की सलाह दी जाती है। मोती धारण करने से मन शांत होता है। साथ ही विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता मिलती है।

मोती धारण करने की विधि

मोती को चांदी की अंगूठी में धारण करना चाहिए। इस अंगूठी को शुक्ल पक्ष की सोमवार की रात को कनिष्ठा अंगुली में धारण करना चाहिए। रात में चंद्रमा की शक्ति बढ़ जाती है। पूर्णिमा के दिन भी मोती धारण किया जाता है। अंगूठी को पंचामृत में भिगोकर गंगाजल से साफ करें। मोती के साथ पीला पुखराज और मूंगा भी प्रयोग में लाया जा सकता है, लेकिन अन्य रत्नों का प्रयोग न करें।

इनमें से कोई एक रत्न करें धारण होगी बेशुमार धन की प्राप्ति

हर कोई अपने जीवन में धनवान बनना चाहता है इसके लिए वह खूब प्रयास भी करता है लेकिन कई बार अशुभ ग्रहों के कारण व्यक्ति की तरक्की रुक जाती है या फिर किस्मत साथ नहीं देती है ऐसे में रत्नशास्त्र आपकी मदद करता है जिन्हें धारण करने से कुंडली में मौजूद ग्रहों के शुभ प्रभावों में वृद्धि करके अशुभ प्रभावों को समाप्त कर भाग्य का पूरा साथ और जीवन में तरक्की हासिल की जा सकती है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा उन्हीं चमत्कारी रत्नों के बारे में जानकारी प्रदान कर रहे हैं तो आइए जानते हैं। रत्नशास्त्र के अनुसार किसी भी रत्न को धारण करने से पहले योग्य जोतिषीय की सलाह जरूर लेनी चाहिए क्योंकि बिना ज्योतिषीय सलाह के रत्न धारण करने से इसका बुरा प्रभाव भी व्यक्ति पर पड़ सकता है जिससे धन संपत्ति इसे जुड़ी परेशानियां झेलनी पड़ती है रत्नशास्त्र में ऐसे कई रत्नों का जिक्र किया गया है जो धन लाभ कराते हैं इन्हीं में से एक है जेड स्टोन इस रत्न को धारण करने से आर्थिक परेशानियां दूर हो जाती है और लक्ष्मी कृपा से खूब धन की प्राप्ति होती है जेड स्टोन को धारण करने से बुद्धि का विकास होता है और व्यापार संबंधित फैसले लेने में कोई दिक्कत नहीं आती है

ग्रीन एवेच्यूरिन रत्न का जिक्र भी रत्नशास्त्र में किया गया है इस रत्न को धारण करने से आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलता है और आय के नए मार्ग खुल जाते हैं इस रत्न को तुला राशि के लिए फलदायी माना जाता है वही टाइगर रत्न को भी उत्तम माना गया है इसे धारण करने से मुश्किल समय में सही निर्णय लेने में दिक्कत नहीं आती है इस रत्न को पहनते ही हुए काम भी गति पकड़ लेते है और हर तरह के कार्यों में सफलता मिलती है यह रत्न धन वृद्धि के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

हथेली पर बनी ये रेखा दिलाती है राजयोग

हर किसी के जीवन में हस्तरेखा शास्त्र महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है व्यक्ति की हथेली पर बनी रेखाएं, निशान और आकृतियां उसके भविष्य, आर्थिक स्थिति और करियर आदि के बारे में जानकारी देत है हस्तरेखा शास्त्र के मुताबिक कुछ लोग जन्म से ही राजयोग लेकर पैदा होते हैं वे भले ही सामान्य या फिर गरीबी में जन्म लेते हैं

लेकिन अपने जीवन में ऐसे लोग खूब तरक्की करते हैं नाम, पैसा और शौहरत हासिल करते हैं हाथ पर बने कुछ निशान आकृतियां और रेखा व्यक्ति के राजयोग के बारे में बताती है अगर किसी जातक की हथेली पर ये रेखाएं बनी होती है तो उसे अपने जीवन में सभी सुख सुविधाएं और आराम मिलता है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्रवारा हाथ पर बनने वाली उस रेखा और आकृति के बारे में बता रहे हैं तो आइए जानते हैं। हस्तरेखा में हाथ पर बनने वाले निशान को महत्वपूर्ण माना जाता है कहा जाता है कि अगर किसी जातक की हथेली पर हल या तलवार का निशान होता है तो ऐसे लोग भाग्यशाली माने जाते हैं इन पर हमेशा धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है ये जीवन में बहुत कुछ हासिल करते हैं और सफल मुकाम पर भी पहुंच जाते हैं ऐसे लोग खूब धनवान होते हैं जिसके सथ रहते हैं उसे भी अमीर बना देते हैं। इनको अपने जीवन में पैसों की कोई कमी नहीं होती है वही अगर किसी जातक की हथेली पर मंग पर्वत अच्छी स्थिति में है या फिर मस्तिष्क रेखा दो भाग में बंट गई है

कस्टम ऑफिसर ने बताया मामले का सच

शाहरुख ने नहीं बॉडीगार्ड ने तोड़े थे कस्टम रूल्स, किसी से भी नहीं हुई पूछताछ

शनिवार 12 नवंबर को खबर आई थी कि शाहरुख खान और उनकी टीम को मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने रोक लिया था। दरअसल उनके पास महंगी घड़ियां और लग्जरी चीजें थीं, जो कि वो यूएई से लेकर आ रहे थे। इस वजह से उनसे फाइन भरवाया गया। हालांकि, अब इस खबर को लेकर पूरी सच्चाई सामने आ गई है। इस बात की जानकारी खुद कस्टम अधिकारियों ने दी है कि शाहरुख नहीं बल्कि उनके बॉडीगार्ड को एयरपोर्ट पर रोका गया था।

कस्टम अधिकारी ने बताया पूरा सच

कस्टम अधिकारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान खुलासा किया है कि शाहरुख और उनकी टीम से कोई फाइन नहीं लिया गया है। उनसे केवल बेसिक औपचारिकताएं पूरी की गई थीं। अधिकारी ने बताया कि शाहरुख और उनकी टीम से केवल लाए गए सामान की एक्साइज ड्यूटी ली गई थी। मीडिया में चल रही खबरें गलत हैं।

शाहरुख ने नहीं बॉडीगार्ड ने तोड़े थे कस्टम रूल्स

कस्टम ऑफिसर ने बताया कि एयरपोर्ट पर शाहरुख नहीं, बल्कि उनके बॉडीगार्ड रवि सिंह को कस्टम के नियम तोड़ने पर रोका गया था। हालांकि कस्टम ड्यूटी चुकाने के बाद उन्हें भी रिलीज कर दिया गया था। एसआरके और उनकी मैनेजर पूजा दादलानी दोनों ही एयरपोर्ट से पहले ही निकल गए थे। उन दोनों से कोई भी पूछताछ नहीं की गई थी। बॉडीगार्ड रवि सामान लेकर घर आ रहे थे, तभी उन्हें गेट नंबर 8 पर चेकिंग के लिए रोका गया। चेकिंग के समय रवि के बास दो लग्जरी वॉच और वॉच के 4 खाली डिब्बे थे। इसके अलावा उनके सामान में आई वॉच सीरीज 8 का खाली बॉक्स भी था। इस वजह से कस्टम अधिकारियों ने केवल ड्यूटी पे करने को कहा गया था। कस्टम ड्यूटी पे करने के बाद उन्हें जाने दिया गया। किसी से कोई भी पूछताछ नहीं हुई है।

शाहरुख से नहीं लिया गया था फाइन- कस्टम अधिकारी

कस्टम अधिकारी से जब सवाल किया गया कि वह शाहरुख के बॉडीगार्ड को प्राइवेट जीए टर्मिनल से टी 2 टर्मिनल तक क्यों लेकर गए थे। इस पर अधिकारी ने कहा- यात्री से ड्यूटी या किसी इस तरह के शुल्क के भुगतान के लिए कहा जाता है तो उसे टी 2 टर्मिनल तक ले जाया जाता है, क्योंकि वहां पर यात्रियों के लिए भुगतान करने की सुविधा होती है। अधिकारी ने बताया की शाहरुख और उनकी टीम एक एपल वॉच और वॉच वाइंडर केस ले जा रही थी। वो इतनी ज्यादा महंगी चीजें नहीं लेकर जा रहे थे, जैसा कि शुरू से बताया जा रहा था। अधिकारी ये भी बताया कि शाहरुख को मिलने वाले कीमती तोहफों की कीमत 17.86 लाख रुपए तक थी।

हिंदुस्तानी भाऊ की धमकी सुन आगबबूला हुईं उर्फी जावेद, सलाखों के पीछे भेजने की दे दी चेतावनी

'बिग बॉस ओटीटी' से लोकप्रियता हासिल करने वाली उर्फी जावेद अब सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। उर्फी अपने लुक्स के चलते आए दिन सुर्खियों में छाई रहती हैं। कभी उर्फी के फैशन सेंस को लोग पसंद करते हैं, तो कभी वह ट्रोल्स के निशाने पर आ जाती हैं लेकिन वह उन्हें करारा जवाब देने में पीछे नहीं रहती। वहीं, अब 'बिग बॉस' में नजर आए हिंदुस्तानी भाऊ ने उर्फी जावेद से पंगा ले लिया है। हिंदुस्तानी भाऊ ने उर्फी के टॉपलेस वीडियो सामने आने के बाद एक्ट्रेस को सुधरने की धमकी दी थी, जिस पर अब उर्फी ने करारा जवाब दिया है।

दरअसल, उर्फी जावेद के टॉपलेस वीडियो शेयर करने के बाद हिंदुस्तानी भाऊ ने अपना एक रिएक्शन वीडियो शेयर किया था। वीडियो में वह कहते नजर आ रहे थे, 'जय हिंद, ये मैसेज है उर्फी जावेद के लिए जो आज खुद को बहुत बड़ी फैशन आइकन समझ रही है...बेटा ये जो बाहर तू कपड़े पहनकर घूम रही है ना, फैशन के नाम पर... ये हिंदुस्तान का रिवाज नहीं है, हमारी संस्कृति नहीं है। तेरी वजह से बहन-बेटियों तक बहुत गलत मैसेज जा रहा है, तो सुधर जा बेटा वरना में सुधार दूंगा। भाई के नाते प्यार से समझा रहा हूं, तो सुधर जाना।' वहीं, हिंदुस्तानी भाऊ के इस वीडियो को देख उर्फी जावेद भड़क गईं और इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर लिखा, 'और आप जो गली देते हो वो तो भारत की रिवाज है, आपकी गालियों ने कितने लोगों को सुधारा है। मुझे सिर्फ सुधारना नहीं बिगाड़ना भी आता है। अब जो आपने मुझे खुलेआम धमकी दी है, क्या आप जानते हैं कि मैं आपको सलाखों के पीछे भिजवा सकती हूं। लेकिन रुकिए...आप तो वहां कई बार जा चुके हैं।'

इसके आगे उर्फी ने लिखा, 'आपने तो युवाओं के लिए कितना अच्छा संदेश दिया है, जेल जाना, अपने से आधी उम्र की लड़की को खुलेआम धमकी देना। दोस्तों इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता ये सिर्फ पब्लिसिटी चाहते हैं। और क्या आपको याद है कि आपने कुछ महीने पहले मेरे फोटोग्राफर और मोहसिन से कहा था कि आप मुझसे बात करना चाहते हैं और ओबेद अफरीदी के मामले में मेरी मदद करना चाहते हैं, आप सिर्फ पब्लिसिटी चाहते हैं और मैंने आपको सीधे मना कर दिया।'

इसके अलावा भी उर्फी ने एक और पोस्ट शेयर कर रहा है कि ये वहीं लोग हैं, जो मुझसे मिलना चाहते हैं, लेकिन मैंने मना कर दिया तो पब्लिसिटी के लिए ये ऐसा कर रहे हैं। इंटरनेट पर मुझे मारने की खूब धमकी मिलती है, इसने मासिक तौर पर मुझे परेशान कर दिया है।

मैं ऐसे लोगों से डरती नहीं हूं, लेकिन मुझे अपनी सुरक्षा की चिंता है। अगर वो कुछ नहीं करेंगे तो उनकी बातों में आकर कोई कुछ कर सकता है। सोचो कि आपकी हर एक पोस्ट शेयर करने के बाद कोई आपके खिलाफ वीडियो बना रहा है। ये लोग अपनी बेकार की वीडियो से लड़कियों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।'

मां बनने के एक हफ्ते बाद आलिया ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की घोषणा की

हाल ही में मां बनी आलिया भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकांउट के जरिए फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज डेट पर जानकारी दी है। आलिया ने करण जौहर के पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा है कि वो इस फिल्म के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। आलिया भट्ट इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ लीड रोल में दिखाई देंगी। फिल्म 28 अप्रैल 2023 को रिलीज होगी। बता दें कि आलिया ने हाल ही में एक बच्ची को जन्म दिया है और अभी फिलहाल अपनी मैटरनिटी लीव एंजॉय कर रही हैं।

आलिया भट्ट ने हाल ही में करण जौहर के पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा- मेरा दिल खुशी और एक्साइटमेंट से भर गया है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी आपके नजदीकी थिएटर्स में 28 अप्रैल 2023 को रिलीज होगी।₹ आलिया ने 6 नवंबर को एक बेबी गर्ल को जन्म दिया था। इस वक्त वो अपना

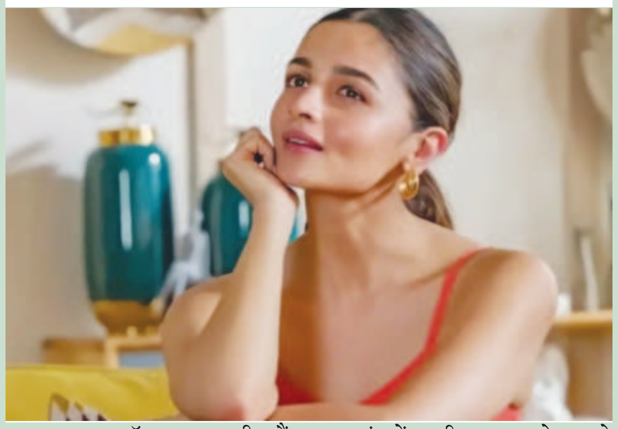

मदरहुड एन्जॉय कर रही हैं। आलिया के पास काफी प्रोजेक्ट्स हैं इसलिए वो जल्द ही अपने काम पर दोबारा लौट जाएंगी।

करण जौहर ने सबसे पहले अपने सोशल मीडिया अकांउट पर फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट की। करण ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर लिखा- ₹सात साल के बाद, अब समय है अपने पहले घर में लौटने का और वो पहला घर है सिनेमा। मैंने हमेशा से ही अपने फिल्म के सेट पर काफी बड़े-बड़े और उत्साही एक्टर्स के साथ काम किया है। इस फिल्म की कहानी हमारी फैमिली ट्रेडिशन की गहरी जड़ों तक जाती है और इसका म्यूजिक लोगों के दिलों को छू लेगा। यह समय आ गया है कि अपने फैमिली और फ्रेंड्स के साथ फिर से हडल करके, पॉपकॉर्न खरीदकर बड़े पर्दे पर फिल्म को एन्जॉय किया जाए। ये बताते हुए मुझे काफी ज्यादा खुशी और एक्साइटमेंट हो रहा है कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 अप्रैल 2023 को थिएटर्स में रिलीज होगी।

फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट लीड रोल में दिखाई देंगे जबकि धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म को इशिता मोइत्रा, शशांक खेतान और सुमित रॉय ने लिखा है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को न्यू एज रोमांटिक फिल्म बताया जा रहा है।

पिता बनने वाले हैं वरुण धवन? बिग बॉस में सलमान खान ने किया खुलासा

वरुण धवन अपनी आने वाली फिल्म भेड़िया को लेकर काफी चर्चा में हैं। वह कृति सेनन के साथ अपनी फिल्म का खूब प्रमोशन कर रहे हैं। वरुण कभी प्रमोशन के लिए जयपुर के कॉलेज में पहुंच जाते हैं तो वहीं हाल ही में अभिनेता बिग बॉस में अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। वरुण और कृति ने यहां सलमान खान के साथ मिलकर खूब धमाल किया। इस मंच पर उन्होंने गेम भी खेले वहीं सलमान खान ने अभिनेता की जिंदगी को लेकर खुलासा भी कर दिया।

टीवी चैनल कलर्स ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि सलमान खान

कृति और वरुण से कहते हैं उनकी फिल्मों और गानों से रिलेटेड कुछ हिन्ट दिए जाएंगे उनको पहचानकर दोनों को फिल्मों और गानों के नाम बताने होंगे। इस गेम के अंत में सलमान खान वरुण धवन को एक सॉफ्ट टॉय देते हैं। जिसे लेने के बार वरुण धवन कहते मैं इसका क्या करूंगा। वरुण आगे सलमान खान से कहते हैं कि अभी तो मेरा कोई बच्चा भी नहीं है, मैं इस खिलौने का क्या करूंगा। इसपर सलमान खान कहते हैं कि अभी ये आ गया है अब बच्चा भी आ जाएगा। इसके बाद वरुण धवन शरमा जाते हैं। सलमान खान के हिंट से ऐसा लग रहा है कि वरुण और नताशा जल्द ही मम्मी पापा बनने वाले हैं। बता दें कि हाल ही में आलिया-रणबीर, देबिना-गुरमीत और बिपाशा-करण माता पिता बने हैं। आलिया, देबिना और बिपाशा तीनों एक-एक बेटी हुई है। ऐसे में बॉलीवुड सेलेब्स के वेलकम सीजन में अब फैंस को इनके बेबी का भी इंतजार है।

मौनी का कातिलाना अंदाज

बॉलीवुड से लेकर छोटे पर्दे तक से जुड़ी मनोरंजन की जानकारियों से दर्शक हमेशा अपडेट रहना चाहते हैं, तो वहीं अपने चहेते कलाकारों के बारे में भी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। वहीं आज आम से लेकर खास तक सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर मौजूद हैं। स्टार्स भी अपने फैंस के साथ इसी माध्यम से जुड़े रहते हैं और तस्वीरों आदि के जरिए खुद से जुड़ी जानकारियां साझा करते रहते हैं। मौनी रॉय अपने लुक से हमेशा ही फैंस का दिल लूट लेती हैं। आज एक्ट्रेस ने गोल्डन गाउन में अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। जिनमें वह कातिलाना अंदाज में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा- शनसाइन इन नाइट।

जलेबी खाकर सामंथा ने यशोदा की सफलता का मनाया जश्न

साउथ सिनेमा की दमदार अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु मायोसाइटिस नाम की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। इस बीच भी अभिनेत्री का ध्यान अपने काम पर है। सामंथा की फिल्म 'यशोदा' रिलीज हो चुकी है, जिसका अभिनेत्री ने जमकर प्रमोशन किया। फिल्म में सामंथा दमदार एक्शन करती नजर आईं और इस फिल्म को दर्शकों का भी अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म की सफलता को सामंथा ने अपने फिटनेस ट्रेनर के साथ सेलिब्रेट किया है, जिसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई है।

दरअसल, सामंथा रुथ प्रभु के फिटनेस ट्रेनर ने अभिनेत्री को 'यशोदा' की सफलता पर जलेबी खिलाई है और इस मौके की तस्वीरें व एक वीडियो सामंथा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पहली तस्वीर में सामंथा ने अपने ट्रेनर जुनैद शेख को गले लगाया हुआ है। इस दौरान जुनैद के हाथ में जलेबी का बॉक्स है, जो वह सामंथा के लिए लेकर आए थे। दूसरी तस्वीर एक व्हाइट बोर्ड की है। वहीं, तीसरा एक वीडियो है, जिसमें देखा जा सकता है कि सामंथा के एक हाथ में ड्रिप लगी हुई है और वह दूसरे हाथ की मदद से एक्सरसाइज कर रही हैं।

इस पोस्ट के साथ सामंथा ने एक कैप्शन भी दिया है, जिसमें अभिनेत्री ने लिखा है, 'जुनैद शेख ने कभी नहीं सोचा था कि मैंने अपनी पसंदीदा जलेबी के लिए पर्याप्त मेहनत की है। लेकिन आज, उन्होंने यशोदा की सफलता और खास तौर से एक्शन सीन्स का जश्न मनाने के लिए मुझे जलेबी खिलाई गई। पिछले कुछ महीनों में आप उन कुछ लोगों में से रहे हैं जिन्होंने मेरे जीवन में आए हर एक उतार-चढ़ाव, वीकनेस, आंसु, हाई डोज वाले स्टेरॉयड ट्रीटमेंट को देखा है पर आपने मुझे हार नहीं मानने दी और मुझे पता है कि आप मुझे कभी हार नहीं मानने देंगे। शुक्रिया...'

एक्शन और इमोशन से भरपुर सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'यशोदा' को दर्शकों की ओर से बढ़िया रिस्पांस मिल रहा है। करीब 30 से 35 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 3.06 करोड़ के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की थी। वहीं, अब दूसरे दिन इसके कलेक्शन में बढ़त देखने को मिली है और इसने चार करोड़ रुपये का कारोबार किया है। ऐसे में अब फिल्म का कुल कलेक्शन 7.06 करोड़ रुपये हो गया है।

'फिल्मों में कम उम्र की एक्ट्रेस चाहते हैं', इंडस्ट्री के 'डबल स्टैंड' पर बेबाकी से बोलीं राधिका

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे अपनी एक्टिंग और लीग से हटकर फिल्मों में काम करने के लिए पहचानी जाती हैं। राधिका, रील और रीयल लाइफ दोनों में ही बोल्ड और बेबाक हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर में कई उतार चढ़ाव देखे हैं और इस बारे में अभिनेत्री ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में बात की है। साथ ही राधिका ने सिनेमा के डबल स्टैंड के बारे में भी बताया है। राधिका आप्टे ने कहा है कि उन्हें कई फिल्मों में सिर्फ इसलिए रोल नहीं मिला क्योंकि फिल्म मेकर्स को कम उम्र की यंग एक्ट्रेस चाहिए थी।

राधिका आप्टे ने हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि उन्होंने कई दिन ऐसे देखे हैं, जब उन्हें छोटी उम्र की एक्ट्रेस के सामने रिजेक्ट कर दिया जाता था और उन्हे इसी के चलते फिल्मों में कई रोल नहीं मिल पाए। वह कहती हैं की उम्र एक बडा फैक्टर है इंडस्ट्री में, और फिल्म मेकर्स भी कमर्शियल फिल्मों में कम उम्र की एक्ट्रेस चाहते हैं। इसके आगे राधिका आप्टे ने कहा कि उन्होंने यंग दिखने के लिए न तो सर्जरी कारवाई और ना ही सुंदर दिखने के लिए कोई बोटॉक्स या फिलर्स का इंजेक्शन लिया। हालांकि, उन्होंने इस बात पर हामी भारी की इंडस्ट्री में सुंदर दिखने के लिए सर्जरी करवाना और कई तरह के इंजेक्शन लेना एक आम बात है। इस इंटरव्यू में राधिका आप्टे ने मनोरंजन जगत के डबल स्टैंड के बारे में बात की। राधिका कहती हैं, 'समय के साथ चीजें बेहतर हो रही हैं, क्योंकि अब ब्रांड्स सभी उम्र और आकार की महिलाओं और पुरुषों को प्रमोट कर रहे हैं, जो सबके लिए अच्छा है। अब महिलाओं और पुरुषों के लिए काफी चीजें बेहतर हो रही हैं। सब को समान तरह से ट्रीट किया जा रहा है, जिसे देख कर अच्छा महसूस होता है।

बिज़नेस के लिए टिप्स

बिजनेस करना उतना भी आसान नहीं है जितना लगता है। क्योंकि यदि आप सही स्ट्रैटजी का प्रयोग नहीं करते हैं या फिर आपको बिज़नेस को सफल बनाने के बारे में सही से जानकारी नहीं है तो आप बिजनेस में कभी सफल नहीं हो सकते हैं। आज के समय में हर रोज़ नए-नए बिज़नेस शुरू हो रहे है लेकिन इनमें से कुछ ही कामयाब हो पाते हैं बाकी फेल हो जाते हैं। क्योंकि वो उन जरुरी बातों को नहीं जानते हैं जो एक बिजनेस को सफल बनाने के लिए अत्यंत जरुरी होते हैं।

कस्टमर को पहचाने

जब आप कोई बिजनेस शुरू करते हैं तो आपका बिजनेस तभी सफल हो पाता है जब आप अपने कस्टमर को पहचान पाते हैं। यानि जब आप कोई नया बिजनेस शुरू कर रहे हैं तो आपको इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि जब भी आप अपने कस्टमर को कोई सर्विस देते हैं तो ये जरूर देखें कि उससे आपके कस्टमर संतुष्ट हैं भी या नहीं। मतलब आपको अपने बिजनेस को सफल बनाने के लिए अपने कस्टमर की सभी जरूरतों को पूरा करना होगा। जैसे उन्हें क्या चाहिए और उन्हें जिस चीज की कमी है उसे पूरा करके अपने कस्टमर को एक अच्छी सर्विस दे सकते हैं। अपने कस्टमर को न पहचानना, ये सबसे बड़ा कारण है बिज़नेस के फेल होने का।

जोखिम और फायदे को समझना जरुरी

जोखिम और फायदे को समझना आपके व्यवसाय के लिए जरुरी है। जोखिम लेना भी आपको आना चाहिए। क्योंकि बिना जोखिम के आप सफल नहीं हो सकते हैं। आप जब रिस्क लेते हैं तो इससे आपको आपको बहुत कुछ सीखने को मिलता है। बिजनेस में आप तभी सफल हो पाते हैं जब आप मौके का फायदा उठाना सीख जाते हैं। जब भी आप बिजनेस डील करते हैं या कोई प्लान बनाते हैं तो आपको जोखिम और फायदे की समझ होनी चाहिए।

व्यवसाय में दिलचस्पी होना जरुरी

आप सिर्फ पैसा कमाने के मकसद से कोई भी बिज़नेस शुरू कर तो लेते हैं लेकिन यदि आपका दिलचस्पी उस बिजनेस में नहीं है तो एक समय के बाद आपका बिज़नेस फेल हो जायेगा। कोशिश कीजिये आप वो ही बिजनेस शुरू करें जिसमें आपको दिलचस्पी हो। आप बिज़नेस में अपनी पहली सफलता अपनी दिलचस्पी से ही पाते हैं। इसलिए किसी भी काम को मन से और दिल से कीजिये। काम में अपनी दिलचस्पी लगाइये और पूरे समर्पण के साथ काम कीजिये।

मार्केट के अनुसार कुछ नया कीजिये

समय धीरे धीरे बदल रहा है और समय के अनुसार परिवर्तन हो रहा है। ऐसे ही मार्केट में अक्सर नये-नये प्रोडक्ट लॉन्च हो रहे हैं। फिर लोग उनकी तरफ ज्यादा भाग रहे हैं। क्योंकि लोग उस चीज़ की तरफ ज्यादा जाते हैं जिसकी वजह से उनका काम आसान होता है। यानि जिस चीज से कस्टमर को फायदा होता है कस्टमर उसी चीज को लेना पसंद करते हैं। इसलिए बिज़नेस को सफल बनाने के लिए आपके लिए जरुरी है कि आप भी मार्केट के अनुसार कुछ नया करने की कोशिश कीजिये। आप अपने बिजनेस में उन सभी चीजों को शामिल करें जो आपके बिजनेस को सफल बना सके।

ग्राहक सेवा बेहद महत्वपूर्ण

ग्राहक को भगवान का दर्जा दिया जाता है। इसलिए अपने ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान दें। आजकल तो टेक्नोलॉजी का जमाना है इसलिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर ग्राहकों से जुड़े रहें। अपने ग्राहकों को अच्छी सेवा प्रदान करना उनकी वफादारी हासिल करने और अपने व्यवसाय को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। एक संभावित ग्राहक के लिए भी, आपकी सेवा अभूतपूर्व होनी चाहिए। ग्राहकों की संतुष्टि आपके व्यवसाय का आदर्श वाक्य होना चाहिए।

सेल्स प्रमोशन क्या है और इसके क्या लाभ हैं ?

सेल्स प्रमोशन एक सर्वव्यापी शब्द है जिसमें व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए की गई सभी गतिविधियाँ शामिल हैं। सेल्स प्रमोशन किसी प्रोडक्ट को खरीदने के लिए एक संभावित ग्राहक को राजी करने से है। सेल्स प्रमोशन, बिक्री को बढ़ावा देने के लिए एक अल्पकालिक रणनीति के रूप में डिज़ाइन किया गया है। इसका उपयोग आप कई उद्देश्यों के लिए कर सकते हैं जैसे- नई बिक्री को बढ़ावा देना। यानि बिक्री प्रचार या सेल्स प्रमोशन सभी उत्पादों और सेवाओं की अल्पकालिक बिक्री के बारे में हैं। वे सभी गतिविधियाँ जो विक्रय का विकास करती हैं, सेल्स प्रमोशन कहलाता है। बिक्री प्रचार में सीमित समय के लिए मुफ्त परीक्षण, डिस्काउंट कूपन आदि शामिल हो सकते हैं। सेल्स प्रमोशन, किसी उत्पाद की बिक्री बढ़ाने या माँग के स्तर को बढ़ाने के लिए किया जाता है। जैसे एक निःशुल्क कप कॉफ़ी ऑफ़र करना आदि। सेल्स प्रमोशन, एक संगठन के लिए एक बड़ा बाजार खंड प्राप्त करने में मदद कर सकता है। बिक्री संवर्धन या सेल्स प्रमोशन उत्पाद या ब्रांड की खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों का प्रतिनिधित्व करता है।

सेल्स प्रमोशन के लाभ

आय बढ़ाने के लिए एक उत्कृष्ट सेल्स प्रमोशन से बढ़कर कुछ नहीं होता है। यह उत्पाद खरीदने के प्रति उपभोक्ता के दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

बिक्री प्रोमो संभावित ग्राहकों को कुछ नया करने का कम जोखिम वाला तरीका देते हैं। यह उपभोक्ताओं को खरीदारी करने के लिए बेहतर प्रोत्साहन देता है। प्रतियोगिता का सामना करने और उस पर काबू पाने में सक्षम बनाता है। यह बिक्री में उतार-चढ़ाव से बचने में मदद करता है।

यह बिक्री को बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका है।

यदि आप अपने बिक्री अभियान के पूरक के लिए विज्ञापन चलाते हैं, तो अधिक लोग आपके व्यवसाय को देखेंगे, जिससे ब्रांड जागरूकता बढ़ेगी।

यह सेल्समैन की मदद करता है और उनके प्रयास को अधिक उत्पादक बनाता है।

मूल्य वृद्धि से ग्राहकों का ध्यान हटाने के लिए उपयोगी।

निकासी बिक्री के लिए अत्यधिक प्रभावी।

सेल्स प्रमोशन के कारण बिक्री अधिक होने से इकाई लागत कम होती है, जिससे उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है।

सेल्स प्रमोशन के प्रकार

सेल्स प्रमोशन को व्यक्तिगत बिक्री और गैर-व्यक्तिगत बिक्री में बाँटा गया है।

व्यक्तिगत बिक्री

प्रचार तकनीकों में व्यक्तिगत बिक्री प्रचार का सबसे पुराना तरीका है। इसमें संभावित ग्राहकों के साथ बिक्री की आमने-सामने की बातचीत से है। इससे ग्राहकों का व्यक्तिगत ध्यान बिक्री की तरफ खींच सकते हैं। व्यक्तिगत बिक्री में, ग्राहकों के साथ मौखिक संचार किया जाता है जो बिक्री करने में सहायक होता है यह शुरुआत में जो भी संभावित खरीदार होते हैं उनके साथ संबंध मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करता है और अक्सर बिक्री करने के प्रयासों के साथ समाप्त हो जाता है।

गैर-व्यक्तिगत बिक्री

गैर-व्यक्तिगत बिक्री निम्न तरीके से की जाती है -

विज्ञापन के द्वारा - विज्ञापन एक गैर-व्यक्तिगत और बेहतरीन प्रचार पद्धति है।विज्ञापन के द्वारा बिक्री के लिए उपयुक्त मीडिया का चुनाव जरुरी है।

विज्ञापन होर्डिंग्स, डिस्प्ले बोर्ड, पत्रिकाएं, रेडियो, टेलीविजन, पैम्फलेट, समाचार पत्र, मीडिया और इंटरनेट। प्रचार -इसके अलावा प्रचार भी विज्ञापन के समान प्रचार का एक गैर-व्यक्तिगत रूप है। प्रचार किसी उत्पाद, ब्रांड या व्यवसाय के बारे में जानकारी देना है। प्रचार भी ग्राहकों तक पहुंचने का एक तरीका है।

ग्रॉफिक्स डिजाइन कोर्स से शानदार करियर

आजकल के मॉडर्न मार्केटिंग वातावरण में ग्रॉफिक डिजाइन महत्वपूर्ण रोल अदा कर रही है। अगर आपको ग्रॉफिक डिजाइन का पॉवर देखना है तो बड़ी कंपनियों एप्पल, टेस्ला, कोका कोका का कंटेट देखिए। सभी मोबाइल ब्रांड एप्पल जैसे क्यों नहीं है क्योंकि वह हर चीज बेस्ट डिजाइन और फीचर्स में लेकर आ रहे हैं। बेहतर ग्रॉफिक डिजाइन और डिजिटल मार्केटिंग से ही ये संभव है।

किसी ब्रांड की पहचान ग्रॉफिक डिजाइन से ही बनती है। जैसे किसी कंपनी का लोगो उसकी पहली आइडेंटिटी होता है। उसी से हम कंपनी के बारे में जानते हैं। ये लोगो ग्रॉफिक डिजाइनर ही बनाता है।

सूचना लोगों तक पहुंचानाः कंटेंट आज के समय में लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए कंटेंट की बहुत जरूरत है। लेकिन ये कंटेंट ग्रॉफिक डिजाइन के साथ मिलकर ही प्रभावी होता है।

सेल्स एंड मार्केटिंग : आज के दौर में ग्रॉफिक डिजाइन का सेल्स और मार्केटिंग में बहुत बड़ा योगदान है। क्योंकि अच्छे डिजाइन न सिर्फ आपको अच्छा बिजनेस दे सकते है बल्कि आपकी कंपनी की पहचान भी मार्केट में बनाते हैं।

अगर आप भी ग्रॉफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र में एक शानदार करियर बनना चाहते हैं और अपनी स्किल्स को अपडेट करके आकर्षक वेतन वाली जॉब पाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको तो बिना समय गवाएं गूगल प्लेस्टोर पर जाकर सफलता ऐप डाउनलोड कर लेना चाहिए। जहां ग्रॉफिक डिजाइनिंग के बेसिक व एडवांस कोर्स मिल जाएंगे।

स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन पैसे कमाने के टॉप तरीके

आज के समय में हर स्टूडेंट चाहता है कि वो अपनी पढ़ाई के साथ साथ कुछ अर्निंग भी करे। यही वजह है कि स्टूडेंट्स भी पार्ट टाइम जॉब की तलाश में रहते हैं। अगर आप भी एक कालेज स्टूडेंट हैं और पार्ट टाइम जॉब की तलाश में हैं। आप ऑनलाइन पैसे कमाने तरीके ढूंढ रहे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है। यहाँ हम आपको आप घर बैठे ही पढ़ाई के साथ -साथ ऑनलाइन पैसे कमाने के कुछ तरीके बता रहे हैं। इसका ये फायदा होगा कि आपको कहीं बाहर जाने की जरुरत भी नहीं पड़ेगी क्योंकि इन्टरनेट पर बहुत सारे ऑनलाइन काम हैं, जिसे करके आप आसानी से पैसे बना सकते हैं और अपने पढाई में होने वाले खर्च को मैनेज कर सकते हैं।

1- एफिलिएट मार्केटिंग से पैसे कमा सकते हैं

यदि आप पैसा कमाना चाहते हैं तो एफिलिएट मार्केटिंगइन्टरनेट से ऑनलाइन पैसे कमाने का एक बहुत अच्छा तरीका है। आज हजारों वेबसाइट हैं, जो एफिलिएट प्रोग्राम चलाते हैं। आपको जिससे ज्यादा बेनिफिट मिले , आप उस साईट के एफिलिएट प्रोग्राम को ज्वाइन कर सकते हैं। एफिलिएट प्रोग्राम शुरू किया जाता है, अपने साईट या प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए। एफिलिएट मार्केटिंग में आपको उनके वेबसाइट के लिंक को अपने ब्लॉग या वेबसाइट में डालना होता है, और फिर उन लिंक पर कोई क्लिक करके प्रोडक्ट को खरीदता है तो आपको उसका कमीशन मिलता है। एक प्रोडक्ट पर कितना कमीशन है ये उस प्रोडक्ट की कीमत और एफिलिएट कंपनी तय करती है। यानि एफिलिएट मार्केटिंग एफिलिएट मार्केटिंग , स्टूडेंट के लिए ऑनलाइन खाली समय में पैसे कमाने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है और इससे स्टूडेंट बहुत कम समय में ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

2- फ्रीलांसिग से पैसे कमा सकते हैं

विद्यार्थी के लिए इन्टरनेट से जल्दी पैसे कमाने के लिए फ्रीलांसिग एक बहुत ही अच्छा और बेहतर ऑप्शन है। क्योंकि इससे आप ऑनलाइन काम करके, कम समय में ज्यादा पैसे कमा सकते हैं। फ्रीलांसिग के द्वारा आप पार्ट टाइम काम कर सकते हैं। बस इसके लिए आपके पास कोई न कोई स्किल होनी जरुरी है। फिर आप अपनी स्किल के अनुसार कोई भी काम कर सकते हैं। जैसे - वेब डिजाइनिंग, फोटो एडिटिंग , वीडियो एडिटिंग , लोगो डिजाइनिंग , कंटेंट राइटिंग , वेब डवलपमेंट, ग्राफीक डिजाइनिंग, सॉफ्टवेयर डवलबपमेंट आदि। मतलब फ्रीलांसिग एक ऑनलाइन सर्विस है जिसमें आप किसी दूसरे व्यक्ति के लिए काम करते हैं और वह उस काम के बदले आपको पैसे देते हैं। अब आप कितनी कमाई करते हो ये आपके काम पर निर्भर करता है। यदि आपकी प्रेपरेंन्स अच्छी है तो आपकी कमाई भी अच्छी होगी। वैसे तो आपको इन्टरनेट पर फ्रीलांसिंग की बहुत सारी साईट मिल जाएंगी।

3- यूट्यूब से पैसे कमा सकते हैं

आज के समय में यूट्यूब से लोग अच्छी कमाई कर रहे हैं और स्टूडेंट्स के लिए तो ये पैसे कमाने का बहुत ही बढ़िया जरिया है। वैसे तो इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन मनी मेकिंग के बहुत से तरीके है लेकिन उन सब में यूट्यूब ऑनलाइन पैसे कमाने का शानदार आयिडया है। यूट्यूब में जो वीडियोज आप और हम देखते हैं उसे अपलोड करने वाला व्यक्ति पैसे कमाता है और यूट्यूब से पैसे कमाना काफी आसान है। बस इसके लिए आपको कोई भी ऐसा वीडियो अपलोड करना है जिसे लोग देखना पसंद करें। आजकल हर किसी के पास स्मार्टफोन होता है इसलिए आप वीडीयो बनाकर यूट्यूब पर अलोड कर सकते हैं और अपना एक चैनल बना सकते हैं। यूट्यूब पर वीडियो अपलोड करना एकदम फ्री है। यह गुगल की ही एक सर्विस है जिसे आप अपने स्मार्ट मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटाप किसी में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप कोई जानकारी दे सकते हैं या कोई फैमिली वीडियो बना सकते हैं। बस आपको किसी दूसरे के वीडियो को कॉपी नहीं करना है। आपको अपना खुद का वीडियो बनाना है, यानि आप किसी भी टॉपिक को लेकर वीडियो बना सकते हैं और अपलोड कर सकते हैं। फिर उसके बाद अपने वीडियोस को आपको मोनीटाइज करना होगा।

4- ऑनलाइन ट्यूटर बनकर पैसे कमा सकते हैं

यदि आपकी किसी सब्जेक्ट पर कमांड है या आप किसी विशेष सब्जेक्ट में एक्सपर्ट हैं, आपके पास कोई टेलेंट या नॉलेज है तो आप ऑनलाइन ट्यूटर बनकर अच्छे पैसे कमा सकते हैं। स्टूडेंट्स के लिए ये पढ़ाई के साथ-साथ कमाई करने का बेहतरीन जरिया है। आज बहुत से लोग ऑनलाइन टीचिंग करके महीने के 40 से 50 हजार रुपए तक कमा रहे हैं और आप भी कमा सकते हैं। आज के समय में इन्टरनेट पर बहुत सारी वेबसाइट हैं जहाँ पर आप अपने सब्जेक्ट के अनुसार बच्चों को ऑनलाइन टूशन दे सकते हैं। इस काम को शुरू करने के लिए आप किसी website से जुड़ सकते हैं या फिर आप अपनी खुद की वेबसाइट क्रियेट कर सकते हैं। यदि आपकी इंग्लिश पर भी कमांड है तो आप विदेशी छात्रों को भी पढ़ा सकते हैं। ऐसी बहुत सारी वेबसाइट हैं जो दुनियाभर के छात्रों को पढ़ा रही हैं। शुरुआत में आप किसी वेबसाइट के साथ जुड़कर ये काम कर सकते हैं। बाद में आप अपनी वेबसाइट क्रिएट कर सकते हैं। आप आसानी से घर पर मोबाइल से, लैपटॉप, कंप्यूटर से टीचिंग कार्य कर सकते हैं। ईट्यूटर, टूटापाइंट, टूटोरविस्टा, आदि ऐसी वेबसाइट है जहाँ पर आप ऑनलाइन बच्चों को टूशन दे सकते हैं। ऑनलाइन Tutor की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

5- ब्लॉग्गिंग करके पैसे कमा सकते हैं

यदि आपके पास ऐसा हुनर है कि आप लोगों को कुछ सिखा या बता सकते हैं या आपके पास सिखाने या बताने के लिए कुछ दिलचस्प है तो आप अपनी इस काबिलियत से ब्लॉगर बनकर, ब्लॉगिंग कर आ 'नलाइन पैसे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको में कदम रखकर अपनी वेबसाइट बनानी होगी जिस पर आप अपना ज्ञान लोगों के साथ शेयर कर सकते हैं। आपको लोगों को ऐसा नॉलेज देना है जिससे लोग आपकी साईट की तरफ आकर्षित हो। यानि आपको अपना खुद का ब्लॉग बनाना होगा और आपको किसी और का ब्लॉग कॉपी नहीं करना है। इसके लिए आप कोई सा भी एक टॉपिक चुनें और उस पर ब्लॉग लिखें। लॉग्गिंग एक प्लेटफॉर्म है जिस पर आप किसी भी सब्जेक्ट या टॉपिक पर लिख सकते हैं। आपको बता दें कि हर ब्लॉगर को अपने ब्लॉग के लिए पोस्ट लिखने वाले लेखक की जरुरत है इसलिए आप किसी वेबसाइट के रेगुलर लेखक भी बन सकते हैं। इसके लिए आप 3 या 4 घंटे निकालकर ब्लाग के लिए पोस्ट लिख सकते हैं। विद्यार्थी के लिए ऑनलाइन पैसा कमाने का ये बहुत ही बढ़िया तरीका है। यदि आप अच्छा आर्टिकल लिखते हैं यानि 1000 से 1500 शब्दों का आर्टिकल लिखते हैं तो इसके लिए आपको $5 तक मिल जाते हैं।

ऐसे बनाये वर्क प्लेस पर अच्छा इंप्रेशन

चाहे आप अपनी पहली इंटर्नशिप शुरू कर रहे हों या हो सकता है आपके पास कई वर्षों का पेशेवर अनुभव हो लेकिन जरुरी यह है कि आप कार्यस्थल के मामलों में खुद को दूसरों के सामने कैसे पेश करते हैं, आप वर्क प्लेस पर दूसरों के सामने कैसा इंप्रेशन बना पाते हैं। यदि आपका इंप्रेशन अन्य लोगों पर अच्छा होता है तो कोई भी व्यक्ति आपके साथ काम करना चाहता है। वहीं यदि आप अपने आसपास नकारात्मक प्रभाव फैलाते हैं और आपका व्यवहार भी कठोर और अच्छा नहीं है, तो ऐसे में ये आपके करियर के लिए घातक साबित हो सकता है। एक स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण तभी बन पाता है जब आप वर्क प्लेस पर अच्छी इमेज बनाने में सफल हो जाते हैं। अगर आप अपने व्यवहार से अच्छा इंप्रेशन बनाते हैं तो इसका असर आपके काम पर भी अच्छा पड़ता है और काम के लिए शांतिपूर्ण वातावरण बना रहता है तो काम अच्छी तरह होता है। वर्क प्लेस पर अच्छा इंप्रेशन आपको बुलंदी तक ले जाता है।

यदि आप अपनी कंपनी के मालिक, वहां के कर्मचारी को खुश रखते हैं तो वर्क प्लेस पर एक बेहतर माहौल बनेगा और आपके काम में गुणवत्ता आएगी। अपने बेहतर इंप्रेशन के कारण आपके अन्य सहयोगियों को भी सकारात्मक दृष्टिकोण रखने में भी मदद मिलती है। आपके आस-पास काम कर रहे लोगों पर इस बात का बहुत असर पड़ता है कि आप किस तरह का व्यवहार करते हैं। अक्सर तेज आवाज और रौब जमाने वाले लोगों को ऑफिस में नापसंद किया जाता है और इसका असर पूरी तरह आपके काम पर भी पड़ता है। जहां कार्यस्थल पर आपकी क्षमता और काम में विशेषज्ञता कंपनी की सफलता के लिए बहुत अहम होती है। वहीं वर्क प्लेस पर आगे बढ़ने के लिए आपकी गुड इमेज या अच्छा इंप्रेशन भी बहुत जरूरी है। तो इस आर्टिकल में दिए गए इन टिप्स को अपना कर वर्क प्लेस पर आप भी अच्छा इंप्रेशन बनाने में कामयाब हो सकते हैं और अपनी प्रोफेशनल लाइफ को बेहतर बनाए रख सकते हैं।

सरकारी नौकरियां

पटियाला रेल इंजन कारखाने में अप्रेंटिस के 295 पदों पर निकली भर्ती

पटियाला रेल इंजन कारखाने ने अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकाली है। इन पदों पर अप्लाई करने की लास्ट डेट 16 नवंबर 2022 है। जबकि आवेदन शुल्क भरने की आखिरी तारीख 23 नवंबर 2022 तय की गई है। इस रिक्रूटमेंट ड्राइव के माध्यम से कुल 295 पद भरे जाएंगे।

योग्यता : मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं या बारहवीं पास। संबंधित ट्रेड में आईटीआई डिप्लोमा। आयु सीमा : सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की उम्र 15 से 24 साल के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग को आयु सीमा में छूट मिलेगी।

ऐसे करें आवेदन : इंडियन रेलवे के इन अप्रेंटिस पद पर ऑनलाइन अप्लाई किया जा सकता है। इसके लिए आपको पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स की ऑफिशियल वेबसाइट plw.indianrailways.gov.in पर जाना होगा।

संघ लोक सेवा आयोग ने लेक्चरर सहित 160 पदों पर निकाली भर्ती

संघ लोक सेवा आयोग ने लेक्चरर सहित कई पदों पर भर्तियां निकाली हैं। इसके लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान के लिए आवेदन पत्र जमा करने की आखिरी तारीख 1 दिसंबर 2022 है।

पदों की संख्या : 160

अप्लीकेशन फीस : उम्मीदवारों को 25 रुपये अप्लीकेशन फीस देना होगी। हालांकि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पीडब्ल्यूबीडी/महिला उम्मीदवारों के लिए कोई फीस नहीं है।

कैसे करें आवेदन : स्टेप 1: उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर क्लिक करें। स्टेप 2: होमपेज पर विज्ञापन संख्या 21-2022 देखें। जरूरी डिटेल्स भरें। स्टेप 3: आवेदन पत्र जमा करें। इसका एक प्रिंट आउट निकाल कर रख लें।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में 254 पदों पर निकली भर्ती

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली ने समूह ए, बी, और सी के 254 पदों पर भर्ती के लिए अपनी ऑफिशियल वेबसाइट @aiims.edu पर एक भर्ती नोटिफिकेशन जारी किया है। भर्ती के लिए उम्मीदवार 19 दिसम्बर 2022 से पहले तक आवेदन कर सकते है।

योग्यता : उम्मीदवारों को 10वीं, 12वीं, एमएससी, बीई, बीटेक, इंजीनियरिंग, ग्रेजुएट , पीएचडी, मास्टर डिग्री और डिप्लोमा होना चाहिए। आयु सीमा : अधिकतम आयु 45 वर्ष।

योग्यता प्रमाण पत्र : आधार कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस पैन कार्ड
जाति प्रमाण पत्र निवास प्रमाण पत्र जन्म प्रमाण पत्र
रोजगार कार्यालय का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट।

पंजाब एंड सिंध बैंक में डेटा एनालिस्ट सहित 50 पदों पर निकली भर्ती

पंजाब एंड सिंध बैंक ने स्पेशलिस्ट ऑफिसर, टेक्निकल ऑफिसर और डेटा एनालिस्ट सहित अन्य पदों पर भर्ती निकाली है। कैंडिडेट्स इन पदों के लिए ऑफिशियल वेबसाइट @punjabandsindbank.co.in पर जाकर आवेदन सकते हैं। इन पदों पर आवेदन करने की आखिरी तारीख 20 नवंबर, 2022 है। टेक्निकल ऑफिसर Architect के पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से architecture होना चाहिए। मार्केटिंग ऑफिसर / रिलेशनशिप मैनेजर के पदों पर अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स को ग्रेजुएट और एमबीए (मार्केटिंग) / पीजीडीबीए (बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा) / पीजीडीएमबी (बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा) होना चाहिए। टेक्निकल ऑफिसर Architect, फर्स्ट सेफ्टी ऑफिसर, फॉरेक्स ऑफिसर, मार्केटिंग ऑफिसर/ रिलेशनशिप मैनेजर के पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों का सेलेक्शन ऑनलाइन एग्जाम और इंटरव्यू के आधार पर होगा। डेटा एनालिस्ट, Forex डीलर , Treasury डीलर के पदों पर कैंडिडेट्स का सेलेक्शन इंटरव्यू के आधार पर होगा।

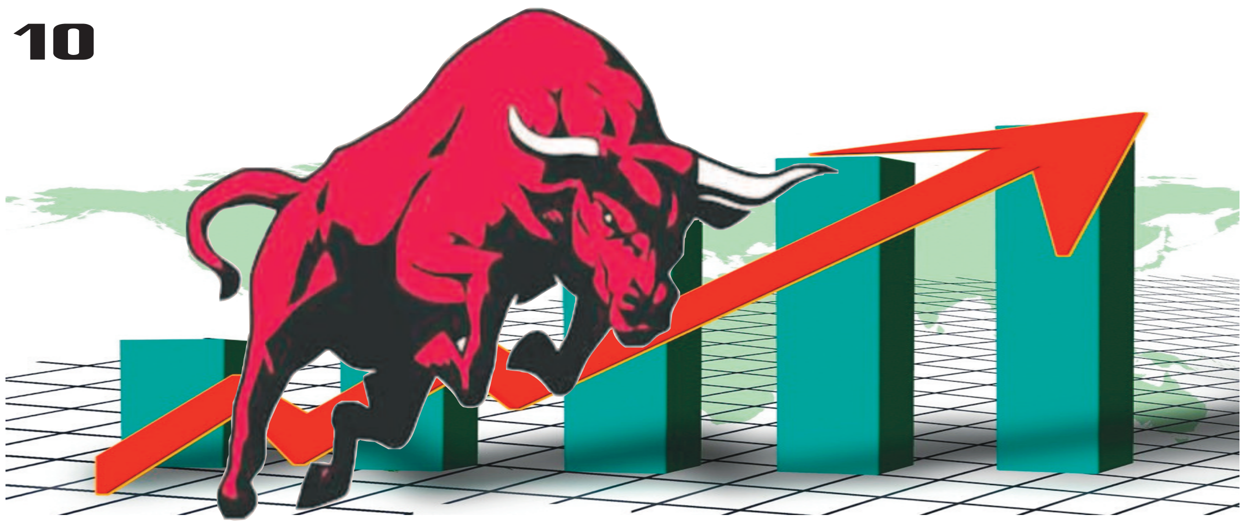

क्या रेलवे की 151 ट्रेनों, स्टेशनों और अस्पतालों का कर दिया गया निजीकरण?

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे की 151 ट्रेनों के साथ रेलवे की संपत्ति, स्टेशनों और अस्पतालों का निजीकरण कर दिया गया है। ये खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। लोग सोशल मीडिया पर इस खबर पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। भारत सरकार के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पीआईबी फैक्ट चेक ने भारतीय रेलवे के निजीकरण के दावे की सच्चाई का पता लगाया है। पीआईबी ने इस बारे में जानकारी दी है। आइए जानते हैं आखिर क्या है इस खबर की

सच्चाई। इस खबर की पड़ताल करने पर पता चला कि ये खबर फर्जी है। भारत सरकार के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पीआईबी फैक्ट चेक ने भारतीय रेलवे की 151 ट्रेनो और स्टेशनों के निजीकरण के दावे को फेक बताते हुए कहा, 'यह दावा फर्जी है! ऐसे में ये साफ है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही ये खबर गलत है। पीआईबी ने लोगों को इस तरह की खबरों पर विश्वास नहीं करने के लिए कहा है। पीआईबी ने कहा है इस तरह की किसी भी खबर पर भरोसा न करें और न ही ऐसी खबरों को किसी को शेयर करें। सोशल मीडिया पर जो ट्वीट वायरल हो रहा है इसमें लिखा है कि भारतीय रेलवे की 151 ट्रेनों, रेलवे संपत्ति, स्टेशनों और अस्पतालों का निजीकरण कर दिया गया है।

देश के हर कैंपस में स्टार्टअप्स के लिए बने इनक्यूबेटर सेंटर!

इनोवेशन को बढ़ावा देने की जरूरत: पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि वाणिज्य और कपड़ा मंत्रालयों के तहत सभी संस्थानों के परिसरों को स्टार्टअप्स के लिए इनक्यूबेटर बनना चाहिए। इसी के साथ देश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के तरीकों की तलाश करनी होगी। उन्होंने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) आदि के प्रमुख

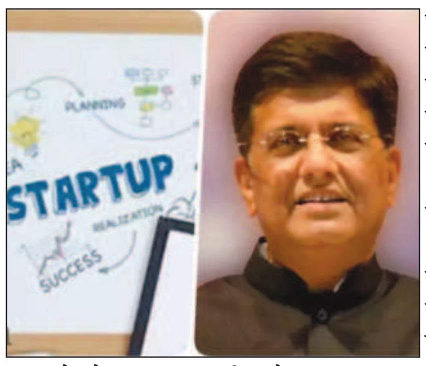

सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान यह सुझाव दिया। केंद्रीय मंत्री ने संस्थानों से इस बात का आत्मनिरीक्षण करने के लिए कहा कि क्या उनकी शिक्षा कल की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की है। उन्होंने खुद को दुनिया के लिए बेहतर मार्केटिंग करके कैंपस प्लेसमेंट में सुधार करने का आह्वान किया। उन्होंने संस्थानों से आत्मनिरीक्षण करने के लिए कहा कि क्या उनकी शिक्षा कल की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की गई है। पीयूष गोयल ने संसाधनों के अधिक प्रभावी इस्तेमाल के लिए साझा परिसरों पर विचार करने और मजबूती के लिए विलय के बारे में सोचने का सुझाव दिया। उन्होंने परीक्षण प्रयोगशालाओं और प्रौद्योगिकियों के आधुनिकीकरण का आह्वान किया, जिससे उन्हें विश्व स्तरीय बनाया जा सके। उन्होंने कहा, हमें भारत की फैशन तकनीक को दुनिया के विकसित बाजारों में ले जाने की कोशिश करनी चाहिए। गोयल ने यह भी कहा कि हमारे संकाय (फैकल्टी) आधार का विस्तार करने के लिए भारी निवेश की जरूरत है।

वाणिज्य मंत्री ने एक बयान में कहा कि देश के डिजाइन के प्रतिष्ठित संस्थानों को अपने छात्रों की संख्या में कम से कम दस गुना इजाफा करना चाहिए।

इनरवियर बनाने वाली डॉलर के शेयर बेचने की होड़

बिक्री से मुनाफा गिरा

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। इनरवियर बनाने वाली कंपनी डॉलर इंडस्ट्रीज को सितंबर तिमाही में तगड़ा नुकसान हुआ है। इस तिमाही में कंपनी की बिक्री 12.48% घटकर 341.92 करोड़ रुपये रह गई। वहीं, डॉलर इंडस्ट्रीज का नेट प्रॉफिट 60.49% घटकर 17.29 करोड़ रुपये रहा, जबकि सितंबर 2021 को समाप्त तिमाही में यह 43.76 करोड़ रुपये था। शेयर का हालः बीते शुक्रवार को डॉलर इंडस्ट्रीज का शेयर भाव 6.08% तक गिरकर बंद हुआ। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर का भाव 454.30 रुपये था। वहीं, मार्केट कैपिटल 2575 करोड़ रुपये रह गया। बता दें कि इसी साल 20 जनवरी को शेयर का भाव 665.70 रुपये पर था जो वहीं पिछले साल 20 दिसंबर को शेयर का भाव 397.30 रुपये था। क्या कहना है कंपनी काः डॉलर इंडस्ट्रीज के प्रबंधन ने इस प्रदर्शन के लिए भारतीय होजरी क्षेत्र में सुस्ती को जिम्मेदार ठहराया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	तुला में
चंद्र-	मिथुन में
मंगल	मिथुन में
बुध-	वृश्चिक में
गुरु-	मीन में
शुक्र-	वृश्चिक में
शनि-	मकर में
राहु-	मेष में
केतु-	तुला में

लग्नारंभ समय	
कन्या...	02-19 बजे
तुला-	04-25 बजे
वृश्चिक	06-35 बजे
धनु---	08-48 बजे
मकर-	10-54 बजे
कुंभ-	12-45 बजे
मीन...	14-23 बजे
मेष--	15-59 बजे
वृष--	17-44 बजे
मिथुन..	19-45 बजे
कर्क...	21-56 बजे
सिंह...	00-09 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व -कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी **- 03-23** राततक उपरान्त, सप्तमी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, सोमवार **Nov 14**
नक्षत्र - पुनर्वसु **- 13 - 13 -** तक उपरान्त पुष्य
योग - शुभ **- 23 - 40 -** तक उप- शुक्ल
करण- गर **- 14 - 06 -** तक उप- वणिज
विशेष:- सर्वार्थ सिद्ध योग~१३~१४ से
व्रत -त्योहार - बाल दिवस नेहरू जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
07:46 से
09:11 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:24 - 07:46	शुभ	चंचल	17:39 - 19:15	शुभ
काल	07:46 - 09:11	अशुभ	रोग	19:15 - 20:50	अशुभ
शुभ	09:11 - 10:36	शुभ	काल	20:50 - 22:25	अशुभ
रोग	10:36 - 12:00	अशुभ	लाभ	22:25 - 00:01	शुभ
उत्पात	12:00 - 13:25	अशुभ	उत्पात	00:01 - 01:36	अशुभ
चंचल	13:25 - 14:50	शुभ	शुभ.	01:36 - 03:11	शुभ
लाभ	14:50 - 16:15	शुभ	अमृत	03:11 - 04:47	शुभ
अमृत	16:15 - 17:36	शुभ	चंचल	04:47 - 06:24	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आज प्रात: से ही आप पर आलस्य हावी रहेगा। मन में दुविधा के चलते आप कार्य करने का बार-बार विचार करेंगे परंतु कर नहीं पाएंगे। पिता के साथ भी कोई वैचारिक मतभेद हो सकता है।परिवार के सदस्यों को अपनी बात समझाने में असमर्थ रहेंगे। कार्यक्षेत्र में दिन मिला-जुला रहेगा।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज दिन लाभदायक है। यदि किसी चेक या पेमेंट का इन्तजार कर रहे थे तो अचानक प्राप्ति हो सकती है।यदि आप नौकरी पेशा हैं तो कोई नई उपलब्धि या नई जिम्मेदारी प्राप्त हो सकती है।यात्रा करना लाभकारी रहेगा। पिता के लिये समय कुछ कठिन है।ग्रह स्थितियाँ अनुकूल बनी हुई हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आज आप अपनी सुझबुझ का परिचय देंगे। कार्यक्षेत्र में अपने सहकर्मियों को साथ लेकर कार्यों में कुछ परिवर्तन करने का विचार कर सकते हैं,मेहनत के अनुरूप लाभ प्राप्त होगा। संतान के लिये भी समय विशेष है,उनके कार्यक्षेत्र या शिक्षा के क्षेत्र में कुछ बदलाव का विचार कर सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): दिन आज भाग्यशाली है। थोड़ी ही मेहनत से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यावसायिक क्षेत्र में हैं तो कुछ नया बदलाव करने का विचार ला सकते हैं। संतान के लिये दिन शुभ है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। परिवार के लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज प्रात: से ही आप गहरे चिंतन में लग जाएंगे। मन में सोच-विचार का मंथन चलता रहेगा। संतान संबंधित किसी विषय में तेजी आ सकती है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा करने के लिए दिन ठीक नहीं। खर्च की अधिकता बढ़ती जायेगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कोशिश करेंगे कि कार्यों को जल्दी ही समाप्त कर लें।घर परिवार के साथ समय व्यतीत करने का मन बनाएंगे। जीवनसाथी के साथ विचारों का तालमेल अच्छा बना रहेगा। ससुराल पक्ष में कोई मदद मिल सकती है।किसी यात्रा पर जाने का विचार बना सकते हैं। व्यावसायिक तथा नौकरी पेशा वर्ग के लोगों के लिये दिन उत्तम है।

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): बेवजह छोटी-छोटी बातों पर क्रोध आयेगा,वाणी पर संयम रखें तथा सोच-विचार कर शब्दों का प्रयोग करें।आपकी आलोचना हो सकती है।दोपहर बाद चंद्रमा अनुकूल होंगे तथा स्थिति में कुछ सुधार आयेगा। यात्रा करने की परिस्थियाँ बनेंगी।यदि आप नौकरी करते हैं तो किसी कार्य को लेकर आपको सराहना मिल सकती है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आज दिन महत्वपूर्ण है।आपके द्वारा किये गए कार्यों की प्रशंसा होगी।कार्य प्रणाली में कुछ नया बदलाव करने के लिए कूटनीति का प्रयोग करना पड़ सकता है।कहीं से अटके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है।माता के स्वास्थ्य में कुछ सुधार देखने को मिलेगा।आज किसी करीबी से मिलने के लिये हॉस्पिटल जाना पड़ सकता है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आज मन में असंतोष का भाव बना रह सकता है। जीवन साथी यदि नौकरी पेशा हैं तो कोई उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। आज आप अपने आप के लिये समय निकाल सकते हैं। जीवन साथी के बाहर घूमने जाने का मन बना सकते हैं। माता से कोई सहयोग प्राप्त हो सकता है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आज राजा की भांति आप सबको साथ लेकर कार्य करने में विश्वास रखेंगे। धार्मिक स्थल पर जाने का मन बनाएंगे तथा पुण्य पर धन अधिक खर्च होगा। किसी बड़े निवेश के बारे में विचार बनायेंगे, लेकिन स्थितियाँ अभी अनुकूल नहीं हैं। व्यवसाय यात्रा सोचे हुए ढंग से पूर्ण होगी। मन आज प्रसन्न रहेगा।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज प्रात: से ही मन में बैचेनी की स्थिति बनी रहेगी। आध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ सकता है। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो भागादौड़ी बनी रहेगी। घर में कोई वस्तु खरीदने का विचार बना सकते हैं। छोटे बहन-भाइयों के लिये समय उत्तम है। व्यावसायिक मामलों में कोई निर्णय अभी ना लें।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मन में आज कुछ कर गुजरने की चाह होगी। पुराने सम्पर्कों से पुन: जुडने की कोशिश करेंगे तथा भ्रम की स्थिति भी यथावत बनी रहेगी। भूमि-भवन संबंधित बातें चल सकती हैं। भाग्य कुछ कमजोर रहेगा। कोई बड़ा निर्णय आज न लें। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। बड़े भाई से कोई सहयोग मिल सकता है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

किंग चार्ल्स ने लिया कर्मचारियों की आर्थिक मदद के लिए बड़ा फैसला, अपनी कमाई से बांटेंगे बोनस

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन इन दिनों आर्थिक संकट की कगार पर है। यहां महंगाई लगातार बढ़ रही है और मुद्रास्फीति अपने चरम पर है। आर्थिक विशेषज्ञों ने मंदी को लेकर आगाह किया है। ऐसे में ब्रिटेन के सम्राट किंग चार्ल्स ने महल के कर्मचारियों को राहत देने के लिए बड़ा फैसला किया है। इन कर्मचारियों की आर्थिक मदद के लिए किंग अपनी कमाई से बोनस बाटेंगे।

600 पाउंड तक देंगे बोनस

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, किंग चार्ल्स ने अपने कर्मचारियों को 600 पाउंड तक का बोनस देने का फैसला किया है। यह रकम किंग की निजी कमाई से बांटी जाएगी। कहा गया है कि देश में बढ़ती महंगाई और गहराते आर्थिक संकट के बीच किंग को कर्मचारियों के जीवन यापन को लेकर चिंता सता रही है।

कम कमाई वाले कर्मचारियों को ज्यादा बोनस

रिपोर्ट में कहा गया है कि कम कमाई वाले शाही कर्मचारियों को ज्यादा बोनस दिया जाएगा। वहीं ज्यादा कमाने वालों को कम बोनस मिलेगा। यानी ऐसे कर्मचारी जिनका मासिक वेतन 30 हजार पाउंड से कम है, जिसमें सफाईकर्मी, नौकर, चपरासी व फुटमैन शामिल हैं, उन्हें 600 पाउंड तक का बोनस मिलेगा। वहीं 30 हजार से 40 हजार पाउंड तक कमाने वाले कर्मचारियों को 400 पाउंड तक की मदद की जागगी।

40 हजार से ऊपर कमानें वाले कर्मचारियों को 350 पाउंड बोनस के रूप में मिलेंगे। हालांकि, बोनस की इस खबर को लेकर बकिंघम पैलेस की ओर से कोई टिप्प्णी नहीं की गई है।

बैंक बंद होने पर ग्राहकों में बंटे 8516 करोड़, जानिए कैसे मिला फायदा

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। अकसर रिजर्व बैंक की ओर से बैंकों के लाइसेंस रद्द कर दिए जाते हैं। हाल ही में रिजर्व बैंक ने महाराष्ट्र के बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया है। इससे पहले भी कई छोटे-बड़े बैंकों पर इस तरह की कार्रवाई की जा चुकी है। हालांकि, ऐसी स्थिति में जमाकर्ताओं को डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन यानी डीआईसीजीसी के तहत बीमा की रकम दी जाती है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि 2021-22 के दौरान डीआईसीजीसी के तहत 8,516.6 करोड़ रुपये क्लेम लिए जा चुके हैं। इससे 12.94 लाख डिपॉजिटर्स को राहत मिली है। बता दें कि इस दायरे में विदेशी बैंकों की शाखाओं,

स्थानीय क्षेत्र के बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, लघु वित्त बैंक और भुगतान बैंक सहित सभी कॉमर्शियल बैंक आते हैं। डीआईसीजीसी, भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो बैंक जमा पर बीमा कवर प्रदान करती है। दरअसल, सरकार ने 2020 में डिपॉजिट पर बीमा कवर को पांच गुना बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया था।

निफ्टी क्या इस सप्ताह 18,600 को करेगा पार? जानें एक्सपर्ट राय

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। शुक्रवार को निफ्टी ने जिस तरह से प्रदर्शन किया है। उससे चार्ट पैटर्न पर यह बुलिश नजर आ रहा है। लेकिन सवाल यह है कि इस सप्ताह क्या यह 18,600 के लेवल को क्रॉस कर पाएगा या नहीं? स्वास्तिक इन्वेस्टमार्ट के टेक्निकल एनालिस्ट प्रवेश गौर कहते हैं, "निफ्टी एक और सप्ताह सम्मानजनक स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। अमेरिका में अनुमान से कम महंगाई स्तर रहने की वजह से यूएस बॉन्ड यील्ड और डॉलर इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली है। जिसकी वजह से वैश्विक बाजार में तेजी देखी गई है। निफ्टी अपने नए 52 सप्ताह के स्तर पर पहुंचा। वहीं, बैंक निफ्टी ने अबतक के उच्चतम स्तर पर छलांग लगाई। लेकिन मिड कैप और स्मॉल कैप इंडेक्स में गिरावट देखने को मिला है।" प्रवेश कहते हैं, "निफ्टी अपने आल टाइम हाई 18,604 के काफी करीब है। भारतीय शेयर मार्केट में विदेशी निवेशक पैसा डाल रहे हैं। शुक्रवार को लगातार 11वें सत्र में खरीदारी देखने को मिली। जैसे-जैसे यूएस बॉन्ड यील्ड और डॉलर इंडेक्स में गिरावट देखने को मिलेगी, वैसे मार्केट नई उंचाईयों तक पहुंच सकता है।" प्रवेश गौर का मानना है कि घरेलु

महंगाई दर पर भी बाजार की नजर रहेगी। पिछले सप्ताह रुपये की स्थिति में भी सुधार देखने को मिला है। बता दें, बीते सप्ताह निफ्टी50 1.78 प्रतिशत या 321.50 अंक की तेजी के साथ 18,349.70 अंक पर बंद हुआ। स्वास्तिक इनवेस्टमेंट के प्रवेश गौर का अनुमार है कि अगर निफ्टी 18,300 के लेवल को रखने में बरकरार रहता है तो यह 18,600 या फिर 18,800 के लेवल तक जा सकता है। वहीं, नीचले स्तर की बात करें तो यह 18,100 से 18,000 के लेवल तक आ सकता है। प्रवेश कहते हैं, "बैंक निफ्टी अपने आल टाइम हाई 42,000 पर है। बैंक निफ्टी का अगला लॉजिकल टारगेट 43,000 का होगा। जबकि नीचला स्तर 41,000 से 41,800 तक रह सकता है।"

तीन साल की एफडी पर इन पांच बैंकों में मिल रहा है सबसे ज्यादा ब्याज

एफडी आज भी सबसे लोकप्रिय विकल्प

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई मई से चार बार रेपो रेट में बढ़ोतरी कर चुका है। रेपो रेट बढ़ने से लोन महंगे हो जाते हैं लेकिन एफडी के निवेशकों को फायदा होता है। इसकी वजह यह है कि रेपो रेट बढ़ने से बैंक एफडी पर ब्याज बढ़ा देते हैं। मई से रेपो रेट में 190 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी हुई है और इसके मुताबिक बैंकों ने भी एफडी पर ब्याज दर में बढ़ोतरी की है। एफडी आज भी निवेश का सबसे लोकप्रिय विकल्प है। इसकी वजह यह है कि इसमें जोखिम नहीं है और एश्योर्ड रिटर्न है। कई बैंक अब एफडी पर सात फीसदी से ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। यहां हम ऐसे बैंकों के बारे में बता रहे हैं जो एफडी पर सबसे ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। वेद जैन एंड असोसिएट्स में पार्टनर अंकित जैन ने बताया कि एफडी पर ब्याज दर में बढ़ोतरी से पेंशनर्स और सीनियर सिटीजंस को फायदा होगा जो इनकम के लिए इस विकल्प का सहारा लेते हैं। देश में सितंबर में खुदरा महंगाई 7.4 फीसदी रही जो इसका पांच महीने का उच्चतम स्तर है। यानी एफडी पर सात फीसदी से अधिक रिटर्न कई लोगों के लिए निवेश का आकर्षक विकल्प हो सकता है। अगर आप एफडी में निवेश करने की सोच रहे हैं तो यह रही उन पांच बैंकों की लिस्ट जो तीन साल की एफडी पर सबसे ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। डीसीबी बैंक तीन साल की एफडी पर 7.5 फीसदी ब्याज दे रहा है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का भी यही रेट है। बंधन बैंक, सिटी यूनियन बैंक और करूर वैश्य बैंक तीन साल की एफडी पर सात फीसदी ब्याज दे रहे हैं। ये ब्याज दरें 10 नवंबर की हैं। पैसाबाज़ार के सीनियर डायरेक्टर गौरव अग्रवाल के मुताबिक यह एफडी पर निवेश करने का सही समय है। इसकी वजह यह है कि एफडी पर ब्याज के आगे और बढ़ने की संभावना है। बैंकों ने अब तक रेपो रेट में बढ़ोतरी का फायदा पूरी तरह ग्राहकों को नहीं दिया है। यही वजह है कि आने वाले दिनों में एफडी पर ब्याज और बढ़ सकता है। साथ ही आरबीआई फिर रेपो रेट में बढ़ोतरी कर सकता है। आरबीआई को महंगाई दर दो फीसदी की घटबढ़ के साथ चार फीसदी रखने का लक्ष्य मिला है। लेकिन इस साल यह लगातार छह फीसदी से ऊपर बनी हुई है।

बीते सप्ताह खाद्यतेल कीमतों में रहा गिरावट का रुख

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होने से खाद्यतेलों का आयात सस्ता बैठने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट आई जबकि मंडियों में कम आपूर्ति (शॉर्ट सप्लाई) के कारण सोयाबीन डीगम तेल और डीओसी की निर्यात मांग से सोयाबीन तिलहन की कीमतों में तेजी रही। बाजार के जानकार सूत्रों ने बताया कि सरकार के 'कोटा-प्रणाली' की वजह से 'शार्ट सप्लाई' होने तथा सोयाबीन प्रसंस्करण संयंत्रों का पाइपलाइन खाली होने से भी सोयाबीन तिलहन में सुधार आया। देश में 'कोटा प्रणाली' के कारण सूरजमुखी और सोयाबीन

डीगम तेल की कम आपूर्ति (शार्ट सप्लाई) की स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने के कारण पाम, पामोलीन जैसे आयातित तेलों के सस्ता बैठने से पिछले सप्ताहांत के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताहांत में सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट आई है। दूसरी ओर तिलहनों के डी-आयल्ड केक (डीओसी) तथा तिलहनों की निर्यात के साथ स्थानीय मांग होने से सोयाबीन दाना एवं लूज के भाव लाभ के साथ बंद हुए। कारोबारी सूत्रों ने कहा कि विदेशों से आयात मांग के कारण समीक्षाधीन सप्ताहांत में तिल तेल के भाव में पर्याप्त सुधार आया। उन्होंने कहा कि किसानों ने पिछले साल अगस्त में सोयाबीन लगभग 10,000 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बेचा था जो इस बार 5,500-5,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बिक रहा है। हालांकि यह कीमत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक ही है पर पिछले साल के भाव के मुकाबले कम ही है। इस बार किसानों ने बीज भी महंगा खरीदा था जिससे किसान कम भाव पर बिकवाली से परहेज कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन के मुकाबले पामोलीन सस्ता होने से सोयाबीन रिफाइंड की मांग प्रभावित हुई है जिसके कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दिल्ली एवं इंदौर तेल कीमतों में गिरावट आई है। सूत्रों ने बताया कि मंडियों में मूंगफली और बिनौला के नये फसलों की आवक बढ़ने से इनके तेल तिलहन कीमतों में गिरावट आई है। सूत्रों के मुताबिक, खाद्यतेल में आत्मनिर्भर होने के लिए सरकार को बहुत प्रयास करने होंगे और इसके लिए खाद्यतेलों का वायदा कारोबार को न खोलना सबसे अहम है। उनका कहना है कि वायदा कारोबार से सट्टेबाजी को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 के अप्रैल-मई महीने में आयातित तेलों की भारी कमी होने पर देशी तेल-तिलहनों की मदद से इस कमी को पूरा करने में सफलता मिली थी और उस वक्त खाद्य तेलों का वायदा कारोबार भी बंद था।

शेयर मार्केट में पैसा लगाने वाले लोगों के लिए खुशखबरी

विदेशी निवेशकों ने खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजारों में नवंबर महीने में अब तक करीब 19,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है जिसके पीछे अमेरिका में मुद्रास्फीति नरम पड़ने और डॉलर की मजबूती कम होने का हाथ रहा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में विदेशी निवेशकों के अनुकूल रुख रहने के पहले लगातार दो महीनों तक निकासी का दौर देखा गया था। सितंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 7,624 करोड़ रुपये और अक्टूबर में आठ करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। उसके पहले अगस्त में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 51,200 करोड़ रुपये और जुलाई में करीब 5,000 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की थी। हालांकि उसके पहले अक्टूबर 2021 से लेकर

जून 2022 के दौरान लगातार नौ महीनों तक विदेशी निवेशक शुद्ध बिकवाल बने हुए थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार का मानना है कि एफपीआई आने वाले दिनों में भी खरीदारी का सिलसिला जारी रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों में नरमी का रुख रहने और डॉलर एवं बॉन्ड प्रतिफल घटने से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों के प्रति दिलचस्पी दिखा सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि विदेशी निवेशकों ने एक नवंबर से लेकर 11 नवंबर के दौरान कुल 18,979 करोड़ रुपये का निवेश भारतीय इक्विटी बाजारों में किया है। वर्ष 2022 में अब तक विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार से निकासी 1.5 लाख करोड़ रुपये रही है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने विदेशी निवेशकों के मौजूदा रुख के लिए मुद्रास्फीति में नरमी, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल कम होने और डॉलर की मजबूती दर्शाने वाले डॉलर सूचकांक में गिरावट को जिम्मेदार बताया। मॉर्निंगस्टार इंडिया के सह निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, "हाल के दिनों में इक्विटी बाजारों के तेजी पकड़ने से विदेशी निवेशकों ने भी संभावित रिटर्न की उम्मीद में इसका हिस्सा बनना पसंद किया है।"

अमेरिका में एयर शो के दौरान दो प्लेन टकराए

जमीन पर गिरते ही ब्लास्ट हुआ, विमानों में सवार सभी 6 लोगों की मौत

अमेरिका के डलास में बड़ा हादसा, आपस में भिड़े दो विमान

हवाई करतब दिखा रहे दो सैन्य विमानों में टक्कर, नीचे गिरे

फिलहाल छह लोगों की मौत की आशंका, ट्विटर पर शेयर वीडियो

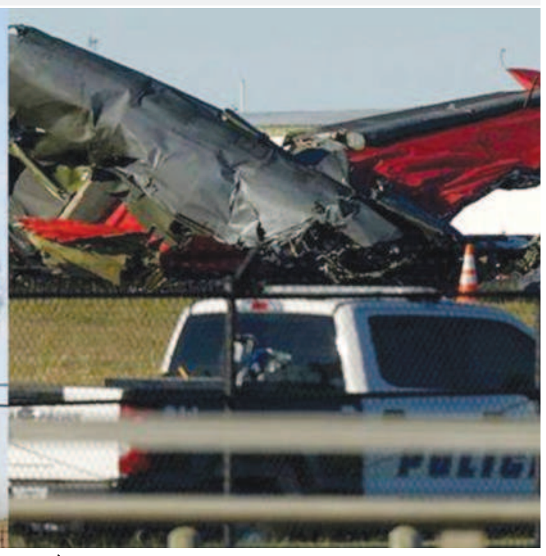

डलास, 13 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास प्रांत में दो पुराने लड़ाकू विमान हवा में आपस में टकराकर क्रैश हो गए और इस हादसे में छह लोगों की मौत की आशंका जताई गई है। संघीय विमानन प्रशासन के हवाले से सामने आई जानकारी के मुताबिक यह हादसा टेक्सास के डलास शहर में एक एयर शो के दौरान हुआ।

चारों ओर अफरातफरी मच गई, लोग चिल्ला रहे थे

मौके पर मौजूद रहे एंथोनी मोंटोया ने दोनों विमानों को आपस में टकराते हुए देखा। उन्होंने देखा कि आसमान में दो विमान आपस में टकरा गए। आगे कहा कि मैं पूरी तरह सदमे में चला गया और मुझे विश्वास नहीं हुआ कि ऐसा कुछ हुआ है। मैं अपने दोस्त के साथ एयर शो में गया था। जैसे ही विमान आपस में टकराए तो चारों ओर अफरातफरी मच गई और कुछ लोग चिल्ला रहे थे।

घटना दोपहर के समय हुई

मीडिया खबरों के मुताबिक, विमान हादसे की सूचना मिलते ही आपातकालीन कर्मचारियों ने दुर्घटनास्थल पर तत्काल काम शुरू कर दिया। कुछ वीडियो में दिखाया जा रहा है कि एक जगह पर विमान का मलबा पड़ा है और कर्मचारी मलबे को हटा रहे हैं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने एक बयान में कहा कि बोइंग बी-17 फ्लाइंग फोर्ट्रेस और एक बेल पी-63 किंगकोबरा दोपहर करीब 1:20 बजे (स्थानीय समयानुसार) टकरा गए और दुर्घटनाग्रस्त हो गए। टक्कर स्मारक वायु सेना विंग्स ओवर डलास शो के दौरान हुई।

अमेरिकी वायु सेना ने इस्तेमाल किए विमान

बी-17 एक विशाल चार इंजन वाला बमवर्षक विमान है। जिसको द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी वायु सेना ने इस्तेमाल किया था। वहीं किंगकोबरा एक अमेरिकी लड़ाकू विमान है जिसे युद्ध के दौरान ज्यादातर सोवियत सेनाओं के खिलाफ इस्तेमाल किया गया था। बोइंग कंपनी के अनुसार अधिकांश बी -17 विमानों को द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में खत्म कर दिया गया था और अब कुछ विमान ही रहे गए हैं जिनको एयर शो या संग्रहालयों में दिखाया जाता है।

खेरसॉन से पीछे हटते ही हताश दिख रहे रूसी सैनिक 24 घंटे में यूक्रेनी लड़ाकों ने 40 को किया ढेर

कीव, 13 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन और रूस के बीच जंग शुरू हुए नौ महीने से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इस जंग में हालांकि यूक्रेन के खूबसूरत इलाके उजड़ गए हों लेकिन, रूस को भी हथियारों और सैनिकों के रूप में भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावा दुनिया भर के कई देशों से आर्थिक बैन की मार अलग है। इस बीच हाल ही में खेरसॉन में किया सरेंडर का असर रूस के सैनिकों की हताशा के रूप में देखा जा सकता है। कीव मीडिया की रिपोर्ट है कि पिछले 24 घंटे में रूस के 40 सैनिक मारे जा चुके हैं और 3 मिलिट्री वाहनों को नेस्तनाबूत कर दिया है। द कीव इंडीपेंडेंट की रिपोर्ट है कि यूक्रेन की दक्षिणी ऑपरेशनल कमांड ने 12 नवंबर को बताया कि यूक्रेन की सेना ने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी मोर्चे पर 40 रूसी सैनिकों को मार डाला और तीन सैन्य वाहनों को नष्ट कर दिया है। यूक्रेन के दक्षिणी ऑपरेशनल कमांड ने यह भी बताया कि रूस काला सागर में 18 जहाजों को रखे हुए है, जिसमें एक मिसाइल वाहक भी शामिल है। जिसमें आठ कलिब्र क्रूज मिसाइल हैं। गौरतलब है कि बीते दिनों रूस ने बड़ा ऐलान करते हुए यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खेरसॉन से पीछे हटने का फैसला लिया था।

तलाक की खबरों के बीच शोएब-सानिया का टॉक शो

नाम मिर्जा मलिक शो, पोस्टर वायरल हुआ

लाहौर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक और भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने तलाक की खबरों के बीच बड़ा ऐलान किया है। दोनों जल्द ही पाकिस्तानी चैनल पर एक टॉक शो में नजर आएंगे। इस टॉक शो का नाम 'द मिर्जा मलिक शो' है। इसके पोस्टर रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शो का ऐलान तब हुआ है, जब पाकिस्तानी मीडिया दावा कर रहा है कि दोनों तलाक लेने जा रहे हैं। दावा ये भी है कि अभी भी दोनों अलग ही रह रहे हैं। रिपोर्ट में तलाक की वजह एक मॉडल बताई जा रही है, जिसके साथ शोएब डेटिंग कर रहे हैं। हैदराबाद में 12 अप्रैल 2010 को सानिया और शोएब की शादी हुई थी। 15 अप्रैल को रिसेप्शन लाहौर में दिया गया था। दोनों का एक बेटा इजहान है। उसका जन्म 2018 में हुआ था।

क्या तलाक की खबर महज पब्लिसिटी स्टंट है?

शोएब और सानिया के टॉक शो का ऐलान होने बाद, सोशल मीडिया पर कई यूजर्स उनके तलाक की खबरों को पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि नए टॉक शो के प्रमोशन के लिए उन्होंने अपने तलाक की अफवाह उड़ाई थी। हालांकि अब इन सवालों के जवाब टॉक शो आने के बाद ही मिलेंगे।

मॉडल के साथ शोएब की डेटिंग के चर्चे, फोटोज वायरल हुईं

मॉडल आयशा कमर के साथ रिश्तों को लेकर शोएब मलिक का इंटरव्यू वायरल हो रहा है। इसमें शोएब ने खुलासा किया था कि आयशा ने फोटोशूट के दौरान मेरी बहुत मदद की थी। दरअसल, 2021 में शोएब ने आयशा के साथ बोल्ड फोटोशूट करवाया था। अब ये सभी तस्वीरें सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रही हैं।

दोस्त का दावा- तलाक हो चुका, सानिया दुबई और शोएब पाकिस्तान में

हाल ही में शोएब के करीबी दोस्त ने दावा किया था, 'मैं दोनों के तलाक की पुष्टि कर सकता हूं, लेकिन इससे ज्यादा कुछ नहीं बोल सकता।' ये दोस्त शोएब की मैनेजमेंट टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा- ऑफिशियली तलाक हो गया है। कुछ फॉर्मेलिटीज हैं, जो अभी भी बची हुई हैं। दोनों अभी अलग-अलग रह रहे हैं। सानिया इस समय दुबई में हैं, जबकि शोएब पाकिस्तान में हैं। सानिया मिर्जा ने कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डाली थी, जिसमें सानिया ने खुद ही सवाल किया और खुद ही जवाब दिया। यानी टूटे हुए दिल कहां जाते हैं, खुदा को खोजने के लिए। दरार और अलगाव के बीच ऐसी पोस्ट दिखाती है कि सानिया का दिल टूटा है। वो दुखी हैं और इस दुख को जाहिर भी कर रही हैं। अपने रिश्ते को लेकर अभी तक सानिया या शोएब ने खुलकर कुछ नहीं लिखा है।

पति-पत्नी और वो के चक्कर में सानिया मिर्जा का परिवार टूटने के कगार पर पहुंचने की चर्चा है। इस बीच सुखद समाचार आया है कि दोनों जल्द ही एक इवेंट में शामिल होने वाले हैं।

अमेरिका मिड टर्म इलेक्शन:सीनेट में बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी का कंट्रोल

क्या है मिड टर्म चुनाव

मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति के चार साल के कार्यकाल के बीच यानी दो साल में होता है

दोनों सदनों हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव (लोअर हाउस) और सीनेट (अपर हाउस) के मेंबर्स को चुना जाता है।

ये मेंबर्स रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के होते हैं।

चुनाव परिणाम से तय होता है कि संसद पर किसका कंट्रोल होगा।

मिड टर्म चुनाव में क्या होता है

इसके जरिए सीनेट में 6 साल के कार्यकाल के लिए 100 सदस्य चुने जाते हैं और हर 2 साल में सीनेट के एक तिहाई मेंबर्स का चुनाव फिर से होता है।

इसी तरह हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव में दो साल के कार्यकाल के लिए 435 सदस्य होते हैं, जिसके बाद इन सीटों के लिए फिर से चुनाव होता है।

हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटव में ट्रम्प की रिपब्लिकन आगे

वॉशिंगटनअमेरिकी मिड टर्म इलेक्शन में बाइडेन की डेमोक्रेटिक ने सीनेट (अपर हाउस) में 50 सीटें जीच ली हैं। अब अमेरिका संसद के अपर हाउस में डेमोक्रेट्स का कंट्रोल होगा। सीनेट में मिली जीत को लेकर प्रेसिडेंट बाइडेन ने कहा- मुकाबला कड़ा था। लेकिन मैं इस बात से बिल्कुल हैरान नहीं हूं कि जीत हमारी हुई। मुझे बहुत खुशी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव (लोअर हाउस) में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच अब भी कड़ा मुकाबला है। यहां ट्रम्प की रिपब्लिकन आगे है। उनके पास 211 सीटें हैं। बहुमत के लिए 218 सीटें चाहिए। वहीं, डेमोक्रेटिक पार्टी 204 सीटें ही जीत पाई है।

संसद को दोनों सदनों के काम पर एक नजर

भारत की तरह अमेरिका में भी संसद ही कानून बनाती है। हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव तय करता है कि किन कानूनों पर वोटिंग होगी। इसके बाद सीनेट उन कानूनों को अप्रूव या ब्लॉक करता है। इसके साथ ही सीनेट राष्ट्रपति ने जिन लोगों को नियुक्त किया है उन्हें कन्फर्म करता है। यहां तक की जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति के खिलाफ जांच भी सीनेट ही करता है।

बाइडेन के लिए लोअर हाउस में भी जीत अहम

बाइडेन के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव में जीत भी अहम है। यदि उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी यहां बहुमत खो देते हैं तो वो काफी कमजोर हो जाएंगे। उन्हें हर बड़ा फैसला लेने के लिए संसद में विपक्ष यानी डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के भरोसे रहना होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव में जिस भी पार्टी की जीत होती है उस पार्टी का संसद में दबदबा होता है। वही पार्टी कानून बनाने में ज्यादा अहम रोल अदा करती है। अब अगर यहां ट्रम्प की पार्टी जीत गई तो वो तय करेगी कि किन कानूनों पर वोटिंग होगी। इसके अलावा वो बाइडेन के एजेंडों पर रोक लगा सकती है। साथ ही उनके पास इन्वेस्टिगेटरी कमेटी का कंट्रोल होगा। इससे वो 6 जनवरी 2021 को हुई US कैपिटल हिंसा मामले में चल रही जांच खत्म कर सकेंगे।

ट्रम्प 15 नवंबर को 2024 के चुनाव लड़ने का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकते हैं सिओक्स सिटी में एक रैली में ट्रम्प ने साफ कर दिया कि वो 2024 में होने वाले US प्रेसिडेंट इलेक्शन में उतरने का मन बना रहे हैं। उन्होंने कहा- देश को सुरक्षित बनाने के लिए, मैं दोबारा चुनाव में खड़ा हो सकता हूं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि आप सब तैयार हो जाएं। इसके पहले भी एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था- मेरे चुनाव लड़ने से बहुत लोगों को खुशी होगी। सब चाहते हैं कि मैं इलेक्शन में खड़ा हो जाऊं। मेरी पॉपुलैरिटी ज्यादा है। मैं, प्रेसिडेंट कैंडिडेट पर किए जाने वाले हर तरह के पोल और सर्वे में भी आगे हूं।

इस बार लोकतंत्र मजबूत हुआ

चुनाव परिणामों से अमेरिकी लोकतंत्र स्वस्थ और अधिक सुरक्षित होकर सामने आया है। अगले दो साल तक सरकारी कार्यक्रमों के लिए धन की मंजूरी के मामलों में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के बीच संसद में खींचतान होगी। अमेरिकी की वास्तविक समस्याओं का कोई हल नहीं निकलेगा। प्रतिनिधि सदन में मामूली बहुमत हासिल करने की वजह से 2024 के लिए ट्रम्प की दावेदारी खत्म नहीं होगी। दूसरी ओर बाइडेन के डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने में संदेह है। उनकी सरकार ने कई गलत फैसले किए हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प के कई कट्टर समर्थक चुनाव हारे

ट्रम्प के लिए मिड टर्म इलेक्शन से उबरना मुश्किल होगा। एरिजोना, जार्जिया, नेवादा और पेनसिल्वानिया में ट्रम्प के चुने गए उम्मीदवार सीनेट के आसान चुनाव कांटे की लड़ाई में नहीं जीत पाए हैं। इस बीच, पार्टी में राष्ट्रपति की उम्मीदवारी के लिए ट्रम्प के संभावित प्रतिद्वंद्वी फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डी सेंटिस बमुश्किल 20 अंक से जीत सके हैं। ट्रम्प के कट्टर समर्थक डग मेसट्रिआनो, पेनसिल्वानिया और टिम मिचेल्स, विस्कांसिन में हार गए हैं। मिशिगन, नेवादा में रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट पद के चुनाव हार गए हैं। चुनाव कराने में इस पद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये सभी प्रत्याशी पिछले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की हार को धांधली बता रहे थे।

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में पाकिस्तानियों ने रचा इतिहास

सबसे ज्यादा जीते मुस्लिम नेता

वाशिंगटन, 13 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में मुस्लिमों खासकर पाकिस्तानियों ने इतिहास रचा है। पाकिस्तानी मीडिया की एक खबर के अनुसार, इस चुनाव में करीब 82 मुस्लिमों ने जीत दर्ज की है, जिसमें ज्यादातर पाकिस्तानी है। न्यू जर्सी के एक शहर न्यू ब्रंसविक में शिक्षा बोर्ड के लिए चुनी गई 21 साल की अलीशा खान ने कहा कि मुझे पता है कि हमारी पीढ़ी को क्या चाहिए। इस चुनाव में चुने गए लोगों में उनकी उम्र सबसे कम है। अलीशा मूल रूप से पाकिस्तान की रहने वाली हैं। उसके माता-पिता कराची से न्यू जर्सी चले गए थे। पाकिस्तानी-अमेरिकी कॉर्पोरेट वकील और राजनीतिज्ञ सलमानी भोजानी और सुलेमान ललानी को भी टेक्सास विधानमंडल के लिए चुना गया है। उनकी जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि टेक्सास विधानमंडल में मुसलमानों का हमेशा खुले दिल से स्वागत नहीं किया गया है। 2007 में, राज्य के तत्कालीन सीनेटर डैन पैट्रिक ने मुस्लिम मौलवी द्वारा टेक्सास सीनेट की पहली प्रार्थना का बहिष्कार किया था। पैट्रिक अब लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में सीनेट की अध्यक्षता करते हैं। मध्यावधि चुनाव में संघीय, राज्य, स्थानीय और न्यायिक कार्यालयों के लिए 82 मुस्लिमों को चुना गया है, इसमें बड़ी संख्या में पाकिस्तानी है।

अमेरिका ने ले ली हजारों ईरानियों की जान

बाइडन पर ईरान का सनसनीखेज आरोप

न्यूयॉर्क, 13 नवंबर (एजेंसियां)। ईरान ने अमेरिका पर बेहद सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा है कि उसकी वजह से हजारों ईरानियों की जान चली गई। ईरान का कहना है कि अमेरिकी प्रतिबंधो के कारण हजारों ईरानी लोगों की मौत कोविड-19 के दौरान हो गई थी। यह बात ईरान के मानवाधिकार आयोग के एक शीर्ष अधिकारी ने कही है। साथ ही ईरानियों की मौत के लिए अमेरिका को दोषी ठहराया है। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आइआरएनए ने न्यूयॉर्क में ईरानी मीडिया से बात करते हुए ईरानी उच्च मानवाधिकार परिषद के सचिव और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के लिए ईरानी न्यायपालिका के उप प्रमुख काजेम गरीबाबादी ने यह टिप्पणी की।

आइआरएनए के अनुसार यात्रा के दौरान वह संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठकों में भाग लेंगे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार गरीबाबादी ने कहा कि, प्रतिबंधों ने ईरान को वित्तीय चैनलों के माध्यम से धन हस्तांतरित करने से रोक दिया, जिससे देश के लिए कोविड-19 टीके और आवश्यक दवा का आयात करना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा कि, अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों ने ईरानियों के मानवाधिकारों का समर्थन करने का दावा किया। खासकर ईरान में हाल के दंगों के दौरान, जबकि लाखों ईरानियों का जीवन अमेरिका के प्रतिबंधों और कुछ यूरोपीय देशों के अनुपालन से प्रभावित हुआ है।

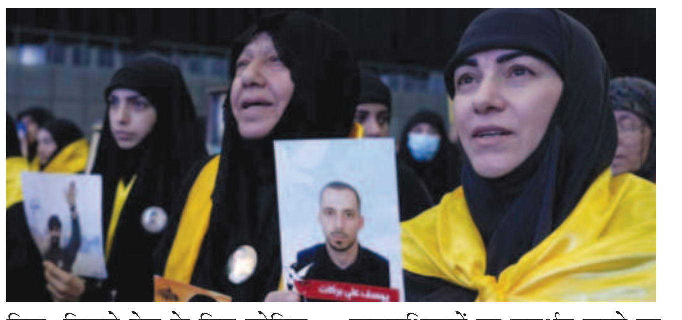

उनका मानना है कि, हम देखते हैं कि वे देश जो खुद को मानवाधिकारों का पैरोकार मानते हैं, विशेष रूप से अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी राज्य, बड़े पैमाने पर अपने स्वयं के क्षेत्रों में या अन्य देशों में इस तरह के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं।₹पिछले चार दशकों में ईरान लगातार अमेरिकी प्रतिबंधों को झेल रहा है। 2018 के बाद से प्रतिबंध तेज हो गए, जब वाशिंगटन ने तेहरान और विश्व शक्तियों के बीच 2015 के परमाणु समझौते से हाथ खींच लिए थे।

बच्ची को बेचकर लूंगी सर्दियों के लिए सामान

बेरहम गरीबी के आगे हारी अफगानिस्तान की इस मां की ममता

काबुल, 13 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद हालात बेहद चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। बल्ख प्रांत में गरीबी से जूझ रहे एक परिवार के हालात इस कदर बदतर हो चुके हैं कि वह अपना बच्चा भी बेचने को तैयार है। टोलो न्यूज ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। परिवार दो साल के बच्चे को बेचने जा रहा था लेकिन उसे बचा लिया गया। अफगानिस्तान में आर्थिक कारणों से बच्चे बेचने का यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले साल ऐसी कई रिपोर्ट्स आई थीं जिसमें उन परिवारों के बारे में बताया गया था जो कुछ रुपयों के लिए अपना बच्चा बेचने को तैयार थे। रिपोर्ट के अनुसार, मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने परिवार को खाना और दूसरी मदद मुहैया कराई ताकि उन्हें अपना बच्चा न बेचना पड़ा। बच्चे की मां नसरीन ने कहा कि अत्यधिक गरीबी के कारण उसे अपने बच्चे को बेचने की कोशिश करने के लिए मजबूर होना पड़ा। नसरीन ने कहा, 'मैं मुश्किल हालात का सामना कर रही हूं। मेरे पास खाने और ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने के लिए कुछ भी नहीं है।'

सत्तू बेचकर 1.5 करोड़ का सालाना टर्नओवर

मुंबई में जॉब छोड़कर बिहार लौटा तो घरवालों ने कहा– इसकी शादी भी नहीं होगी

एक्सक्लूसिव डेस्क, 13 नवंबर। 2009 का साल था। दिल्ली के एक कॉलेज से एमबीए की पढ़ाई पूरी करने के साथ ही मुंबई में जॉब लग गई। एक साल जॉब करने के बाद वापस अपने गांव आ गया। उस वक्त शादी भी नहीं हुई थी। जब बिहार आया, तो गांव के लोग कहेंगे, 'जॉब छोड़कर गांव कौन लौटता है? या तो नौकरी से निकाल दिया गया होगा या इसकी जॉब ही नहीं लगी होगी।'

इधर घरवाले भी कहने लगे, 'जॉब छोड़कर गांव आ गए हो। अब तुमसे शादी भी कौन करेगा?' मुझे बचपन से अपना बिजनेस करना था। जब सत्तू का स्टार्टअप शुरू किया, तो लोगों ने ताने मारने शुरू किए, 'पढ़-लिखकर सत्तू बेचेगा। इससे क्या कर लेगा।'

आज हमारे सत्तू की सप्लाई देश के अलावा अमेरिका, यूके, सिंगापुर, ओमान समेत दर्जनों देशों में है। हर महीने 10 हजार पैकेट यानी 18 क्विंटल सत्तू की सप्लाई है। कंपनी का सालाना टर्नओवर डेढ़ करोड़ और मुनाफा 30% है।

सचिन बताते हैं, बचपन से लोगों को सत्तू खाते-पीते देखते हुए बड़ा हुआ। इसे बिहार का फास्ट-फूड भी कहा जाता है। एक ग्लास पानी लिया, दो चम्मच सत्तू मिलाया और नमक या चीनी के साथ पी लिया।

एमबीए के दौरान मार्केटिंग में इंटरेस्ट आने लगा था। सोचता था कि बिहार का ऐसा कौन-सा प्रोडक्ट है, जिसे वर्ल्ड लेवल पर फेमस किया जा सकता है। मैं मधुबनी जिले से हूं, यहां की मिथिला पेंटिंग और मखाना पूरी दुनिया में फेमस है, लेकिन सत्तू पर किसी का ध्यान नहीं गया था।

सचिन कहते हैं, बिहार का ऐसा कोई व्यक्ति नहीं होगा, जिसने एक बार भी सत्तू न पिया हो, लेकिन बिहार से बाहर के लोग सत्तू को उतना नहीं जानते हैं। सत्तू की आज तक कोई भी ग्लोबल कंपनी नहीं बन पाई। यंगस्टर भी इससे दूर होते चले गए। लिहाजा मैंने तय किया कि बिहार के सत्तू को दुनियाभर में पहुंचाना है।

सचिन अपने बीते दिनों को याद करते हैं, गांव लौटने के कुछ साल बाद मेरी शादी हो गई। मेरी पत्नी बीए पास थी। हम दोनों ने सत्तू पर 2014 से रिसर्च करनी शुरू की। बिहार के अलग-अलग शहरों के अलावा दिल्ली, मुंबई समेत उन जगहों पर जाने लगा, जहां सत्तू बनता था।

हर जगह साधारण जल-जीरा फ्लेवर का सत्तू ही दिख रहा था। इसका कोई ब्रांड नहीं था। सभी लोकल मार्केट के थे। सत्तू का ऐसा प्रोडक्ट नहीं दिखा, जो रेडी-टू-ड्रिंक के फॉर्मेट में हो। लोग पैकेट को फाड़ें और पानी या दूध के साथ घोलकर पी लें। सत्तू प्रोटीन और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का अच्छा और हेल्दी ऑप्शन है।

शुरुआत में जब सचिन ने अपने रिश्तेदार-दोस्तों और घरवालों को सत्तू का स्टार्टअप शुरू करने के बारे में बताया, तो उनमें से कइयों ने सचिन का मजाक उड़ाया।

कहते थे, 'सत्तू का कारोबार भी कोई आइडिया है।'

सचिन कहते हैं, जब मैंने लोगों के कमेंट्स को इग्नोर करना शुरू किया और ठान लिया कि सत्तू का ही स्टार्टअप करना है, तो कुछ दोस्तों और बाद में घरवालों ने भी सपोर्ट किया। बिहार में स्टार्टअप शुरू करने को लेकर सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि यदि आप किसी बड़ी कंपनी से जुड़ते हैं, तो ना सिर्फ परिवार सपोर्ट करता है, बल्कि बैंक भी लोन दे देता है। लेकिन स्टार्टअप के मामले में ऐसा नहीं हो पाता।

साल 2018 के 14 अप्रैल की बात है। इस दिन नॉर्थ इंडिया में सतुआनी (सतुआन) मनाया जाता है। लोग खासतौर से सत्तू खाते या पीते हैं। हमने इसे मार्केट में लॉन्च कर दिया, लेकिन स्टार्टअप को बूस्ट करने के लिए अधिक फंड की जरूरत थी।

2019 की बात है। हम जहां भी जाते थे, साथ में सत्तू का पैकेट जरूर लेकर जाते थे। कोलकाता के एक सेमिनार में गया था। हमने वहां एक एंजेल इन्वेस्टर को ग्लास में सत्तू घोलकर पिलाया। पीते ही वो शॉक्ड हो गए कि सत्तू को ऐसे भी बनाया जा सकता है? उन्होंने कहा, 'क्या चाहिए।' हमने उनसे फंड देने की रिक्वेस्ट की।

सचिन हमें कुछ पैकेट्स दिखाते हैं, जिसमें सत्तू के अलग-अलग फ्लेवर पैक्ड हैं। वो कहते हैं, शुरुआत से ही हमारा टारगेट लोकल मार्केट नहीं रहा। इस देसी स्वाद को इंटरनेशनल लेवल तक पहुंचाना था। यंगस्टर को सत्तू बोरिंग लगने लगा था। इसलिए पत्नी ऋचा के साथ मिलकर सत्तू को तीन फ्लेवर- चॉकलेट, जल-जीरा और स्वीट में तैयार किया।

सचिन दो वाकया बताते हैं।

पहला- पटना के पारस हॉस्पिटल समेत कई दूसरे हॉस्पिटल में हमने ट्रायल के लिए सत्तू का स्टॉल लगाया था। एक-एक गिलास सत्तू अलग-अलग फ्लेवर में घोलकर डॉक्टर को ऑफर किया, तो उनकी पहली लाइन थी- 'क्या बवाल बनाए हो, ये है क्या!'

दूसरा- बिहार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, भागलपुर में तीन दिन का सेमिनार था। यूके के कुछ साइंटिस्ट आए थे। जब हमने सत्तू घोलकर उन्हें ऑफर किया और उन्होंने पिया तो उनके मुंह से निकल पड़ा, 'वाओ इट्स ग्रेट'। जाते-जाते पूरा कार्टून ही खरीद ले गए।

सचिन कहते हैं, शुरुआत में तो दुकानदार सत्तू को बेचना ही नहीं चाहते थे, लेकिन कई बार कहने के बाद उन्होंने इसे अपने स्टोर में रखना शुरू किया। डिब्बे में सत्तू के पैकेट के साथ एक गिलास और चम्मच भी देना शुरू किया। एक बार की बात है, यूके के एक व्यक्ति ने सत्तू मंगवाया था। जब हमने उन्हें भेजा तो उन्होंने कहा, 'आज तक मैंने सत्तू की इस तरह से पैकेजिंग नहीं देखी।'

सत्तू बनाने का प्रोसेस क्या होता है?

सचिन कहते हैं, चने की सफाई के बाद इसे उबाला जाता है। फिर सुखाने के बाद इसे भूना जाता है, चक्की में पिसाई होती है। अलग-अलग फ्लेवर के साथ प्रोसेसिंग की जाती है। कुछ वेंडर्स के साथ हमारा कॉन्ट्रैक्ट है, जो रॉ मटेरियल प्रोवाइड करवाते हैं।

सचिन ने जब 2018 में 'सत्तूज' की शुरुआत की थी, तो सालाना 10 लाख का ही कारोबार कर पा रहे थे। वो कहते हैं, कोरोना के दौरान काफी नुकसान भी हुआ, लेकिन हर महीने 10 लाख का बिजनेस हो रहा है। एक डिब्बे में 6 सैशे पैक्ड होते हैं, अलग-अलग फ्लेवर के मुताबिक इसकी कीमत 60 रुपए से लेकर 120 रुपए तक होती है।

सत्तू से बनी खाने-पीने की चीजों को लेकर सचिन दिलचस्प किस्सा बताते हैं, 2020-21 में हमने शार्क टैंक इंडिया में अप्लाई किया था। वहां तीन राउंड में शूटिंग भी हुई, लेकिन फाइनल एपिसोड को टीवी पर नहीं दिखाया गया। हालांकि जजों ने जो फीडबैक दिया, उसने मेरे बिजनेस में पंख लगा दिए।

शार्क टैंक के जजों ने कहा, क्यों नहीं हम एंड प्रोडक्ट यानी कि सत्तू से बने प्रोडक्ट बेचें। इसके बाद हमने पटना में क्लाउड किचन की शुरुआत की। जोमैटे, स्विगी समेत दूसरे ई-कॉमर्स फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर कंपनी को लिस्ट कर लिट्टी-चोखा, सत्तू पराठा समेत कई सत्तू रिलेटेड प्रोडक्ट को 24×7 बेचना शुरू किया। अभी महीने में 500 के करीब ऑर्डर आ जाते हैं। आने वाले दिनों में हम बिहार के बाहर भी आउटलेट खोलने की प्लानिंग कर रहे हैं। आखिर में सचिन स्टार्टअप का सपना देखने वाले लोगों को कुछ नसीहत भी देते हैं। कहते हैं- स्टार्टअप के लिए दिन-रात मेहनत करनी होती है।

कुछ लोगों को लगता है कि यह एक ग्लैमर है, लेकिन इसके पीछे रिस्क भी है। यदि कोई स्टार्टअप शुरू करना चाहता है, तो उसके पास उस सब्जेक्ट की रिसर्च होनी चाहिए।

हिंदूवादी नेता की बोतल बम मारकर हत्या

चक्रधरपुर में तोड़फोड़ के बाद तनाव, पुलिस ने भांजी लाठियां

चक्रधरपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधपुर में हिंदूवादी नेता और गिरिराज सेना प्रमुख कमलदेव गिरि की हत्या के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। इलाके में शव लाए जाने के साथ ही पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जबर्दस्त नारेबाजी हुई। भीड़ ने समुदाय विशेष के खिलाफ भी नारेबाजी की। तनाव बढ़ता देख पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया।

बता दें शनिवार शाम कमलदेव गिरि की हत्या बोतल बम मारकर दी गई। वे भाजपा के वरीय पदाधिकारियों से मुलाकात कर अपने घर वापस घर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार वे भाजपा में शामिल होने वाले थे। वह अपने साथी शंकर सिंह के साथ मोटरसाइकिल से गए थे। वहां से वापस आने के दौरान भारत भवन चौक के पास में उन्हें बोतल बम मारकर हत्या कर दी गई।

हत्या के बाद कमलदेव के शव को पवन चौक पर रखा गया था। चौक पर करीब ढाई-तीन हजार लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। चौक पर पहले दोनों तरफ से नारेबाजी हुई, फिर पथराव होने लगा। भीड़ ने आधा दर्जन से अधिक दुकानों में तोड़फोड़ की। भीड़ ने एक पुलिस वाहन को भी तोड़ डाला। आक्रोशित भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। भारी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। इसके बाद कमल देव गिरि के शव को

अंत्येष्टि के लिए श्मशान ले जाया गया। फिलहाल शहर की स्थिति तनाव पूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल और एसपी आशुतोष शेखर चक्रधरपुर पहुंच गए हैं।

कमलदेव गिरि अपने साथी शंकर सिंह के साथ मोटरसाइकिल से लौटे रहे थे। लौटने के समय वह भारत भवन ठहरे थे। यहीं पर तीन युवक पैदल पहुंचे। उनके हाथ में बोतल बम था। पहला बम उनके पीठ पर लगा लेकिन इससे उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा। कमलदेव गिरी ने शंकर सिंह को भगाने के लिए कहा और तभी खुद गाड़ी स्टार्ट करने लगे। तभी उन पर दो बम से हमला हुआ। दोनों बम गर्दन के पीछे वाले हिस्से में लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और जमीन पर गिर गए। रेलवे अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया। कमलदेव गिरि की हत्या के बाद परिजन उनके पोस्टमॉर्टम करने को लेकर राजी नहीं थे। चक्रधरपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार सिन्हा, अंचल अधिकारी बाल किशोर महतो, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ललन कुमार के बीच कमलदेव गिरि के बड़े भाई फूलन देव गिरि से घंटों समझाया।

सीजी में पीएटी की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

सुसाइड नोट में लड़के से प्यार और शादी का जिक्र, घरवालों को मंजूर नहीं था रिश्ता

दुर्ग, 13 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के पद्मनाभपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत पीजी में रह रही पीएटी (प्री अग्रिकलचर टेस्ट) की तैयारी करने वाली छात्रा ने खुदकुशी कर ली। छात्रा के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। जैसे ही पुलिस को पता चला की मामला प्रेम प्रसंग का है, उसका फोन खंगाला गया। फोन फिंगर लॉक था। फंदे पर झूल रह छात्रा के शव के फिंगर से मोबाइल अनलॉक किया तो वाट्सअप पॉसवर्ड लॉक था। गैलरी में गए तो वो भी लॉक था। इतने सारे लॉक देख पुलिस परेशान हो गई। अब मोबाइल को खोलने के लिए साइबर एक्सपर्ट की मदद ली जाएगी।

पद्मनाभपुर चौकी प्रभारी राजीव तिवारी ने बताया कि शनिवार देर शाम उन्हें सूचना मिली थी कि एक लड़की ने फांसी लगा ली है। वह पद्मनाभपुर में आदित्य इंटरप्राइजेस और दिव्य इंटरप्राइजेस के ऊपर की मंजिल में पीजी में रहती थी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा की लड़की का शव कमरे में लगे पंखे से झूल रहा है। उसने अपने दुपट्टे से फंदा बनाया था। जांच करने पर लड़की की पहचान खुशबू नेताम (18) के रूप में हुई। वह दल्ली राजहरा की रहने वाली है। उसके पिता बिजली विभाग में इंजीनियर हैं। पुलिस ने घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी और उन्हें बुलवाया। फिलहाल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करके शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

सुसाइड नोट में लिखा घरवालों को उसका प्यार था नामंजूर

एसपी दुर्ग अभिषेक पल्लव ने बताया कि छात्रा के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। उसमें उसने लिखा वह एक लड़के से बहुत प्यार करती है। उसके साथ शादी कर चुकी है। पिछड़े डेढ़ साल से दोनों साथ हैं। घर वाले हमारे रिश्ते के लिए राजी नहीं है। इसलिए वह खुदकुशी करने जा रही है। लड़के का नाम आदिल खान बताया जा रहा है। वह क्या करता है और कहां का है? पुलिस इस बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस लड़की के कॉल डिटेल्स भी खंगालेगी।

प्री एग्रीकल्चर टेस्ट की तैयारी कर रही थी खुशबू

खुशबू पीएटी की तैयारी करने करीब 6 महीने पहले ही दुर्ग आई थी। पीजी में रहकर अपनी तैयारी कर रही थी।

इसके लिए वह मुक्ति नगर दुर्ग स्थित एसपी एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट में कोचिंग भी कर रही थी।

स्कॉर्पियो के जोरदार टक्कर से टेंपो पलटा, एक महिला की मौत तीन घायल

चौपारण, 13 नवंबर (एजेंसियां)। ऑटो और स्कॉर्पियो की टक्कर में एक महिला की मौत हो गयी जबकि तीन लोग घायल हो गये। घटना चौपारण प्रखंड के जीटी रोड दनुआ में शनिवार देर रात तेज गति से जा रही स्कॉर्पियो संख्या बीआर 02 पी 8506 ने आगे चल रही टेंपो को जोरदार टक्कर मारी। टेंपो पर सवार ताजपुर पंचायत के बुकाड निवासी महिला प्रेमा देवी 45 पति मनोहर भुइयां की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। थाना प्रभारी शंभु नंद ईश्वर ने देते हुए बताया कि महिला बुकाड से अपनी बेटी से मिलने दनुआ जा रही थी। इसी बीच स्कॉर्पियो ने पीछे से टक्कर मार दिया।

एनआईटी रायपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर ने किया रेप

दिल्ली के होटल में लड़की को जबरदस्ती शराब पिलाई, फिर की गंदी हरकत, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर एनआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर पर रेप का आरोप लगा है। आरोप असिस्टेंट प्रोफेसर की महिला मित्र ने लगाया है। ये कांड दिल्ली में हुआ है। जहां एक होटल में आरोपी युवती से मिला, उसे शराब पिलाई और खुद भी पी। फिर लड़की के ऊपर बैठकर उसके साथ गलत हरकत करने लगा। लड़की ने इस मामले की शिकायत दिल्ली के आईजीआई पुलिस स्टेशन में की है। आरोपी को गिरफ्तार किए जाने की खबर है, पुलिस इस मामले में पूछताछ कर रही है। रायपुर एनआईटी में पढ़ाने वाले असिस्टेंट प्रोफेसर का नाम मयंक है। जिन पर रेप के आरोप लगे हैं।

लड़की का दावा है कि, दोनों एक दूसरे को 2014 से जानते थे। हाल ही में मयंक दिल्ली गया हुआ था। जहां वो लड़की से मिला और दिल्ली के आईबीआईएस होटल लेकर गया। दोनों ने साथ में डिनर करने की बात तय की थी। मगर लड़की की शिकायत के मुताबिक मयंक ने तो कुछ और ही सोच रखा था। लड़की ने बताया कि - मयंक ने खुद शराब पी, वो जानता था कि मुझे शराब पसंद नहीं है, इसके बावजूद वो मुझे जबरन शराब पिलाता रहा। मेरी हालत बिगड़ने लगी थी। सुबह करीब 4 बजे मेरी आंख खुली तो मैंने देखा कि मयंक मेरे ऊपर बैठ गया था और मेरे साथ गलत हरकत कर रहा था। मुझे जबरन किस किया और मेरे शरीर के अंगों को गलत ढंग से छू रहा था। लड़की ने बताया- मेरी हालत ठीक नहीं थी, मैंने जैसे तैसे खुद को छुड़ाया। मेरे आस-पास जो भी चीज हाथ में आई मैंने फेंककर मयंक को मारा, मैंने अपने सेल्फ डिफेंस में उसे दांतों से काटा। उसे नोचकर खुद से दूर करने का प्रयास किया। बड़ी मुश्किल से खुद को बचाया और दोस्तों को खबर देकर पुलिस से शिकायत की।

चॉकलेट के बहाने पोती का खतना करा लाईं दादी

यौन इच्छा दबाने के नाम पर दर्दनाक प्रथा से गुजर रहीं बोहरा मुस्लिमों की बच्चियां

एक्सक्लूसिव डेस्क, 13 नवंबर। "सात साल की थी। दादी बोली चलो घूमने चलते हैं। चॉकलेट दिलाऊंगी। मैं तो खुशी के मारे उछलने लगी। आज खूब मस्ती करूंगी। दादी मुझे एक अनजाने कमरे में ले गईं। कुछ लोग मेरा हाथ-पैर कसकर पकड़ लिए। मैं कुछ बोलती, उससे पहले ही मेरे प्राइवेट पार्ट पर ब्लेड चला दिया गया। दर्द से मैं चीख पड़ी, लगा मेरी जान निकल गई। आज 48 साल बाद भी वो मंजर याद करके कांप जाती हूं।"

ये कहानी है नॉर्थ गोवा में रहने वाली मासूमा रानालवी की। वो जिस दर्द की बात कर रही हैं, वो है खतना। दुनिया भर में मुस्लिमों में पुरुषों का खतना तो आम है, लेकिन तमाम मुल्कों में महिलाओं का भी खतना किया जाता है। भारत में मुस्लिमों के सबसे संपन्न दाऊदी बोहरा कम्युनिटी में महिलाओं का खतना होता है।

खतने में पुरुषों या महिलाओं के जनांगों के एक हिस्से को काट दिया जाता है। महिलाओं के खतने को अंग्रेजी में फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन यानी एफजीएम कहते हैं। आमतौर पर इस प्रोसेस में वैजाइना के क्लिटोरिस हुड को एक तीखे ब्लेड से अलग कर दिया जाता है। भारत में यही प्रोसेस बोहरा कम्युनिटी की महिलाएं अपनाती हैं।

मासूमा कहती हैं, 'उस दिन घर आने के बाद मैं काफी देर रोती रही। कई दिनों तक दर्द झेला। समझ नहीं आ रहा था कि मेरे

मासूमा रानालवी

साथ ऐसा क्यों किया गया। किसी से सवाल भी नहीं कर सकती थी, क्योंकि सख्त हिदायत दी गई थी इस बारे में किसी से बात नहीं करनी। हम तीन बहनें हैं, तीनों का खतना हुआ, लेकिन कभी किसी ने इस टॉपिक पर बात नहीं की।'

वे कहती हैं, '30 साल तक मुझे इसके बारे में कुछ पता नहीं चला। फिर अखबार में एफजीएम के बारे में एक आर्टिकल पढ़ा, तो लगा कि मेरे साथ भी तो यही हुआ है। इसके बाद ही पता चला कि ये एक प्रथा है। महिलाओं की सेक्सुअल डिजायर को कंट्रोल करने और उनकी पवित्रता के नाम पर ऐसा किया जाता है।

इसके बाद ही मैंने इस परंपरा के खिलाफ आवाज उठाने का फैसला किया, ताकि लोगों को पता लगे कि हमारी कम्युनिटी में बच्चियों के साथ कैसा सलूक हो रहा है।'

मासूमा ने वी स्पीक आउट नाम की संस्था बनाई। अपने तरह की मुस्लिम महिलाओं को जोड़ा और एफजीएम को खत्म करने के लिए सामाजिक और कानूनी अभियान शुरू किया।

भारत में चाइल्ड एब्यूज पर काम कर रही फिल्मेकर इनसिया दरीवाला कहती हैं,'मेरा खतना नहीं हुआ, लेकिन घर की बाकी महिलाओं का हुआ, क्योंकि उन्होंने आवाज नहीं उठाई। इसलिए मैंने इस पर फिल्म बनाने का फैसला किया। रिसर्च के सिलसिले में मेरी मुलाकात मुंबई की एक पत्रकार आरिफा जौहरी से हुई। आरिफा कई मंचों पर अपनी कहानी बता चुकी हैं।

इनसिया कहती हैं, 'कोविड से पहले आरफा के साथ मैं सूरत गई थी। वहां सात साल की एक बच्ची का खतना हुआ था। जब हम उससे मिलने पहुंचे, तो वह डर गई। हमारे बैग में ब्लेड ढूंढने लगी। मैंने उसकी मां से पूछा कि बच्ची के साथ यह क्यों किया? तो वह कहने लगी कि मेरा भी हुआ था, इसलिए मैंने बेटी का भी करवाया।'

मुंबई के नागपाड़ा में अपना क्लीनिक चलाने वाली डॉ. एलाइजा कपाड़िया बताती हैं कि 7 साल की उम्र में मेरा खतना हुआ। 15 साल की हुई तब मुझे पता चला कि मेरे साथ क्या हुआ है। डॉक्टर बनने के बाद मुझे पता चला कि इसकी कोई मेडिकल

इनसिया दरीवाला
फिल्मेकर

वजह ही नहीं है। मुझसे बिना पूछे और मुझे बिना बताए मेरा खतना किया गया, जो मेरे शरीर के साथ खिलवाड़ था।

इसके बाद मैंने तय किया कि मैं अपनी बेटी का खतना नहीं करवाऊंगी। मैं ऐसे कई पुरुषों को जानती हूं, जिन्होंने अपनी बेटी का खतना नहीं करवाने का फैसला किया है। अब मैं 67 साल की हूं। शरीर का दर्द तो भूल गई हूं, लेकिन वो आइसक्रीम याद है। जिसके बहाने मेरा खतना कर दिया गया।'

हमारे लिए इसका मतलब केवल हाइजीन और पवित्रता है

नाम नहीं छापने की शर्त पर बोहरा कम्युनिटी की एक महिला बताती हैं,'हम लोग माइग्रेट होकर यमन से भारत आए। यमन में 500 से ज्यादा सालों से महिलाओं का खतना हो रहा है। इसलिए आज भी हमारी औरतों का खतना होता है। इसे रिलिजन ऑफ फेथ कह सकते हैं।

मेरा तो सीधा सा सवाल है कि अगर पुरुषों का खतना हो सकता है, तो महिलाओं का क्यों नहीं। हमारे यहां इसका मतलब केवल हाइजीन और प्यूरिटी से है। जो लोग इसे सेक्सुअल डिजायर से जोड़ रहे हैं, वे गलत हैं।'

गुजरात के लारा अस्पताल की गयनेकोलॉजिस्ट डॉ. शुजात वली कहते हैं कि आमतौर पर घर की दादी या मां बच्ची को घूमाने के नाम पर घर से बाहर ले जाती हैं। वहां एक कमरे में पहले से दो लोग मौजूद होते हैं। वे लोग बच्ची के दोनों पैर पकड़ लेते हैं। फिर खास तरह की धारदार चाकू, रेजर ब्लेड या कैंची से एक ही कट में क्लिटोरिस हुड को अलग कर दिया जाता है।

पुराने जमाने में ब्लीडिंग रोकने के लिए ठंडी राख लगा दी जाती थी। आजकल एंटीबायोटिक पाउडर या लोशन और कॉटन का इस्तेमाल किया जाता है। ब्लीडिंग रुकने के करीब 40 मिनट बाद बच्ची को घर भेजा जाता है। तीन-चार दिन उसे खेलने-कूदने से मना किया जाता है। कई बार तो हफ्ते भर लड़की के दोनों पैरों को बांधकर रखा जाता है।

जरूरी नहीं महिलाओं का खतना महिला ही करे

डॉ. शुजात वली कहते हैं कि आमतौर पर खतना परिवार या कम्युनिटी की बुजुर्ग महिला करती हैं। कई मामलों में पुरुष भी महिलाओं का खतना करते हैं। आजकल कई लोग मेडिकल एक्सपर्ट की देखरेख में खतना करवाते हैं।

डॉ. शुजात वली के मुताबिक महिलाओं में खतने के लिए कोई तय उम्र नहीं है। ज्यादातर मामलों में 6 से 14 साल के बीच किया जाता है। कई जगहों पर तो जन्म के तुरंत बाद भी खतना कर दिया जाता है। जबकि कुछ जगहों पर प्रेग्नेंसी के दौरान या पहले बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं का खतना किया जाता है।

डॉ. शुजात वली कहते हैं,'क्लिटोरिस से सिर्फ हुड को काटना आसान नहीं है। ये दोनों पार्ट एक दूसरे से जुड़े होते हैं। कोई अनुभवी सर्जन भी अगर खतना करता है, तो भी दोनों ऑर्गेन की अलग पहचान मुश्किल है। ऐसे में किसी बुजुर्ग महिला या नॉन ट्रेंड खतना करेगा तो क्लिटोरिस को नुकसान पहुंचेगा ही। वे कहते हैं,'क्लिटोरिस महिलाओं की बॉडी का बहुत ही सेंसिटिव पार्ट है। इसके नुकसान का मतलब है शादीशुदा जिंदगी खराब होना। सेक्सुअल प्लेजर खत्म हो जाता है। इतना ही नहीं अगर ब्लीडिंग ज्यादा हो जाए, तो इंफेक्शन भी हो जाता है। मेरे

डॉ. मईउद्दीन गाजी
सचिव, जमाते इस्लामी हिंद

साथी डॉक्टरों के पास ऐसे कई केस आते हैं।' डब्ल्यूएचओ का कहना है कि एफजीएम के पीछे कोई मेडिकल रीजन नहीं है। इससे लंबे समय के लिए फिजिकली और मेंटली शरीर को नुकसान पहुंच सकता है। क्योंकि खतना करते वक्त उस अंग को सुन्न नहीं किया जाता। साथ ही ज्यादातर मामलों में अनट्रेंड लोग इस प्रोसेस को अंजाम देते हैं। सिर्फ 17% मामलों में ही हेल्थ एक्सपर्ट के जरिए खतना किया जाता है। मुस्लिम स्कॉलर और जमाते इस्लामी हिंद के सचिव डॉ. मईउद्दीन गाजी कहते हैं,'कुरान में ना तो पुरुषों के खतने की बात कही गई है और ना ही महिलाओं के खतने का कोई जिक्र है। हदीस में खतने की बात कही गई है, जिसका संदर्भ शरीर की सफाई से है। एक हदीस में कहा गया है कि पैगंबर साहब एक जगह से गुजर रहे थे। रास्ते में एक महिला अपनी बच्ची का खतना कर रही थी, इस पर पैगंबर साहब ने कहा कि ध्यान से करो। इसका मतलब है उन्होंने इसे कभी बढ़ावा नहीं दिया। यह रवायत इस्लाम से भी पहले की है। खतना एक कल्चरल प्रैक्टिस है ना कि धार्मिक, लेकिन इसे धार्मिक बना दिया गया।'

5वीं सदी में मिस्र में किया जाता था महिलाओं का खतना

खतना कब शुरू हुआ, इसको लेकर कोई सटीक जानकारी नहीं है। अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक 5वीं सदी में इसका जिक्र मिलता है। मिस्र में महिलाओं का खतना किया जाता था। ब्रिटिश म्यूजियम में 163बीसी की एक ममी रखी है, जिसमें महिलाओं के खतने को दिखाया गया है।

कई स्कॉलर्स का मानना है कि मिस्र में महिलाओं और सेक्स स्लेव की प्रेग्नेंसी रोकने के लिए उनके प्राइवेट के एक हिस्से को अलग कर दिया जाता था। मिस्र से अरब होते हुए बाकी देशों में भी ऐसा किया जाने लगा।

दुनिया के 80% बोहरा मुस्लिम भारत में

मुस्लिमों में मुख्य रूप से दो संप्रदाय होते हैं- शिया और सुन्नी। दाऊदी बोहरा कम्युनिटी शिया सेक्ट से है। 15वीं सदी में यमन से इनकी शुरुआत हुई। वहीं से ये लोग बाकी देशों में गए हैं।

डॉ. मईउद्दीन गाजी कहते हैं,'ये लोग पोप की ही तरह अपने धर्मगुरु यानी सैयदना को सबसे ऊपर मानते हैं। जबकि सुन्नी पैगंबर साहब के अलावा किसी इंसान को ऐसा दर्जा नहीं देते हैं।'

पायलट के मुख्यममंत्री बनने का सवाल टाल गए गहलोत

कहा- गुजरात-हिमाचल में ओपीएस प्रमुख चुनावी मुद्दा, गुजरात कोई मॉडल नहीं

जोधपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने 'नए सवेरे' की बात कहकर हलचल मचा दी। उन्होंने कहा था कि आलाकमान जो कहेगा वह बात हर विधायक को माननी होगी। माना जा रहा है कि उनका इशारा प्रदेश में मुख्यमंत्री परिवर्तन को लेकर था। इसे लेकर आज रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से जब पूछा गया कि क्या सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं तो वे सवाल टालकर निकल गए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और गुजरात में कांग्रेस अच्छी स्थिति में है। वहां ओल्ड पेंशम स्कीम (ओपीएस) प्रमुख मुद्दा बन गया है। गुजरात में लोग खुलकर नहीं कह रहे हैं लेकिन मन में तो जानते हैं। बेरोजगारी और महंगाई बड़ा चुनावी मुद्दा है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गुजरात मॉडल नाम की कोई चीज नहीं है। मोदी मॉडल था जो खत्म हो चुका है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कहा कि यह प्रेम, सदभाव और भाईचारे को लेकर निकाली जा रही है। इसका उद्देश्य देश को जोड़ना है।

इसके बाद जब मुख्यमंत्री से पूछा गया कि क्या राजस्थान में सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं तो वे सवाल का जवाब दिए बिना पलटकर कार की तरफ चल दिए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को जोधपुर में राजस्थान डिजिटल यात्रा का फ्लेग-ऑफ किया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के प्रमुख शासन सचिव अखिल अरोड़ा ने डीजी फेस्ट कार्यक्रम में अपने स्वागत भाषण में मुख्यमंत्री का आभार जताया।

उन्होंने डिजिफेस्ट 2022 के सम्बन्ध में दी जानकारी। कहा कि जोधपुर में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। आज का दिन स्टार्टअप्स के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक दिन के रूप याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच और नवाचारों को उनके द्वारा मिले प्रोत्साहन से राजस्थान देश दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएगा।

मुख्यमंत्री ने आई-स्टार्ट नेस्ट इन्क्यूबेटर, पाली का लोकार्पण किया। साथ ही जोधपुर से राजस्थान स्टार्टअप नीति 2022 का विमोचन किया। राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टिट्यूट, जोधपुर का वर्चुअल शिलान्यास भी किया गया। राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टिट्यूट, जोधपुर पर लघु फिल्म दिखाई गई।

कार्यक्रम में स्टार्टअप के लिए 1 करोड़ की राशि के चेक दिए गए। मुख्यमंत्री ने स्कूल एवं रूरल इनोवेशन चैलेंज के विजेताओं को 41.15 लाख रुपए के चेक पुरस्कार के रूप में बांटे। मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप्स को फण्ड वितरित किये।

संविदाकर्मियों ने नए नियमों का जताया विरोध

कई बिंदुओं पर सीएम से करेक्शन करने की मांग; पुराना अनुभव शामिल करने की मांग

जोधपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार ने 1 लाख 10 हजार संविदाकर्मियों को नियमित करने के आदेश तो जारी कर दिए, लेकिन इसका विरोध भी जारी है। युवाओं ने संविदा भर्ती नियम के कई बिंदुओं पर विरोध जताया है। इसके तहत भर्ती के नियम में सर्विस में पुराने अनुभव को शामिल करने की मांग की है।

संविदा भर्ती के नए नियमों में पंचायत सहायक, एनआरएचएम, मदरसा पैरा टीचर्स, शिक्षा विभाग में कुल 1 लाख 10 हजार 279 संविदाकर्मियों को नियमित किया जाएगा। संविदा कर्मचारियों ने बताया कि इस भर्ती में पहले से काम कर रहे कर्मचारियों के अनुभव को नहीं जोड़ा जा रहा है। जो न्याय संगत नहीं है।

इसके अलावा इन नियमों के तहत पहले से काम कर रहे कर्मचारियों की सेवा अवधि अनुभव भी शून्य हो जाएगा। इसके बाद पांच साल काम करने के बाद भी पद होने पर ही नियमित करने का प्रावधान किया गया है, इसी को लेकर युवा विरोध कर रहे हैं।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने हाल ही में बजट घोषणा के तहत संविदा कर्मियों को नियमित करने के उद्देश्य से राजस्थान संविदा भर्ती नियम 2022 को लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। जिससे राजस्थान के 1 लाख 10 हजार संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा। कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में संविदाकर्मियों को नियमित करने का वादा किया था। राजस्थान में संविदाकर्मी लम्बे समय से नियमित करने की मांग कर रहे थे। इसमें पैराटीचर्स, शिक्षाकर्मी तो पिछले 15 साल से नियमित करने की मांग कर रहे थे।

संविदाकर्मियों की मांग है की संविदा सेवा नियम 2022 में पुराने अनुभव को काउंट करते हुए नियमित किया जाए। संविदा सेवा नियम 2022 में पॉइंट नंबर 20 के अनुसार यदि पुराना संविदा सेवा अनुभव जोड़ा जाए तो सभी संविदा कर्मी नियमित हो सकते हैं। युवाओं की मांग के प्रमुख बिंदु

सरकार ने जो नियम बनाए इसके तहत पहले के लगे संविदा कर्मचारियों को फायदा नहीं मिल रहा है। पहले के नियमों में हर साल 10 प्रतिशत इंक्रीमेंट लगता था, लेकिन 2022 के नियमों में इसे घटा कर 5% कर दिया

अभी जो मानदेय निर्धारित किया गया है वह वर्तमान में मंहगाई के दौर को देखते हुए काफी कम है इसी को लेकर संविदा कर्मी नाराजगी जता रहे हैं

पुराने नियमों के तहत पहले सालाना कैजुअल लीव 20 मिलती थी, लेकिन उसे घटाकर 12 कर दिया गया है।

कोई भी संविदाकर्मी की मौत होने पर उसकी सेवा समाप्त हो जाती है उसको ग्रेच्युटी मिलती थी, लेकिन इन नियमों में इसका प्रावधान नहीं है। पहले अवैतनिक अवकाश का प्रावधान था, लेकिन इनमें इसे हटा दिया गया है। पीएफ कटौती पहले भी होती थी, नए नियमों के तहत भी हो रही है। पुराना मानदेय जिस व्यक्ति को जो मानदेय मिल रहा है। उन्हें इन नियमों में आने के बाद भी मानदेय नहीं बढ़ेगा।

2013 में 70:30 के अनुपात में भर्ती निकालकर सरकार ने संविदाकर्मियों को इसमें बोनस अंक देकर नियमित कर दिया गया था, लेकिन इन नियमों के तहत पुराने संविदाकर्मियों को 5 साल बाद परमानेंट किया जाएगा।

अरुण सिंह का दावा- 2023 में खत्म हो जाएगा कांग्रेस का कुशासन

भाजपा को मिलेगी सबसे बड़ी जीत

झुंझुनू, 13 नवंबर (एजेंसियां)। झुंझुनू में मीडिया से बातचीत में भाजपा नेता अरुण सिंह ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की लहर है। उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव में इतिहास रचेगी।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ती जा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और राज्य प्रभारी अरुण सिंह ने दावा किया कि भाजपा अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कुशासन 2023 में हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा।

अरुण सिंह ने कहा कि राजस्थान के युवा, किसान और महिलाएं, सभी अशोक गहलोत सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण उत्पीड़ित और असुरक्षित हैं। भाजपा राज्य में कांग्रेस के कुशासन को समाप्त करने के लिए लड़ रही है। सिंह ने दावा किया कि राज्य में भाजपा की लहर है। उन्होंने झुंझुनू में मीडिया से बातचीत में कहा कि पार्टी अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में इतिहास रचेगी। कांग्रेस राजस्थान में सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है।

वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कांग्रेस सरकार पर किसानों की कर्जमाफी और अन्य वादों के नाम पर लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया है। बता दें कि 12 और 13 नवंबर को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को लेकर भाजपा के पदाधिकारी सहित करीब 400 नेता झुंझुनू में जुटे हुए हैं। इस बैठक में भाजपा नेता गहलोत सरकार को घेरने और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाएंगे।

27 नवंबर को सीएम का दौरा प्रस्तावित

तैयारियां हुई शुरू, नदबई में हुए विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

भरतपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के उच्चैन कस्बे में 27 नवंबर को सीएम गहलोत का दौरा प्रस्तावित है। जिसको लेकर नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना तैयारियों को पूरा करने में लगे हुए हैं। आज विधायक जोगिंदर सिंह अवाना ने उच्चैन पंचायत समिति में सभी सरपंच और पंचायत समिति सदस्यों की बैठक ली। जिसमें सभी से राय ली गई कि इलाके की क्या क्या समस्याएं हैं जो सीएम के सामने रखी जा सकें।

सीएम के नदबई विधानसभा में किए गए विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। साथ ही नए स्वीकृत कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। जिसके बाद सीएम विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। सीएम के दौरे को लेकर शहीद रामबाबू राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान की साफ सफाई का काम शुरू करवा दिया गया है।

आज की बैठक में विधायक जोगिंदर सिंह अवाना ने जनसभा में ज्यादा से ज्यादा लोगों के आने की अपील की। कुछ दिन पहले भी सीएम कुम्हेर क्षेत्र में पहुंचे थे। जहां उन्होंने कई विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया था।

चुनावी साल में चर्चा में रहेगा बीजेपी का सीएम चेहरा

ज्यादातर चुनावों में किसी चेहरे को आगे रखती है पार्टी, राजस्थान में अभी संशय

जयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं में भाजपा की प्रदेश कार्य समिति की बैठक हो रही है। बैठक में 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों की कैंपेन प्लानिंग होगी। राजस्थान के चुनावों में अब बस 11-12 महीने ही बचे हैं, ऐसे में भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि चुनावों में कांग्रेस सरकार का मुकाबला करने के लिए उसका मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा?

अभी तक तो भाजपा के नेता इस सवाल को यही कह कर टालते आए हैं कि चुनाव केन्द्र की नीतियों-योजनाओं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जाएगा, लेकिन अगर पिछले 5-7 साल में देश भर में हुए विधानसभा चुनावों को देखा जाए तो भाजपा ने हर चुनाव में चेहरा घोषित किया है। यहां तक कि जरूरत पड़ने पर पार्टी ने एक-दो राज्यों में तो गठबंधन सहयोगी दल के नेता को भी चेहरा घोषित किया है। जहां चेहरा घोषित नहीं किया वहां भाजपा को चुनावों में खासी मुश्किलें आईं और परिणाम उसकी इच्छा के विपरीत आए हैं।

सूत्रों का कहना है कि राजस्थान में भी पार्टी कोई ना कोई चेहरा जरूर जनता के सामने पेश करेगी कि सरकार बनने पर इसे मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। हाल ही जिन दो राज्यों गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं, वहां पर भी भाजपा ने मौजूदा मुख्यमंत्रियों भूपेन्द्र पटेल और जयराम ठाकुर को अपना चेहरा बना रखा है।

यह अलग बात है कि प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह भी दोनों राज्यों में जमकर प्रचार कर रहे हैं और रणनीति भी बना रहे हैं। इस विषय में राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने शनिवार को कहा कि भाजपा में प्रधानमंत्री मोदी और नीतियां पार्टी की ताकत है। यही कारण है कि मोदी, शाह और वह खुद हैदराबाद के नगर निगम चुनावों में भी प्रचार करते हैं और विधानसभा-लोकसभा के चुनावों में भी।

भाजपा तो अधिकांश चुनाव स्थानीय चेहरे को आगे रखकर ही लड़ती है, अन्यथा परिणाम उसकी इच्छा के विपरीत ही आए हैं। राजस्थान भाजपा की इस नीति से अछूता नहीं रह सकता। यहां भी जल्द ही भाजपा मुख्यमंत्री पद के लिए किसी न किसी को तो अपना चेहरा घोषित कर सकती है।

राहुल की यात्रा से पहले खाचरियावास जा रहे दिल्ली

खड़गे-वेणुगोपाल से मुलाकात कर किसी एक गुट की कर सकते हैं पैरवी

जयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार और पार्टी में चल रही सियासी कुश्ती के बीच अब एक नया चैप्टर खुलने वाला है। यह चैप्टर जयपुर के बजाए दिल्ली में खुलेगा और इस चैप्टर की कहानी इन दिनों अपने बेबाक बयानों से खासे चर्चा में चल रहे खाद्य व रसद मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास लिखेंगे।

खाचरियावास का राजनीतिक ऊंट अब किस करवट बैठेगा यह तो भविष्य ही बताएगा, लेकिन फिलहाल वे अगले दो-तीन दिनों में दिल्ली जाने वाले हैं। कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जहां पद पर बने रहने के लिए एक से बढ़कर एक राजनीतिक दांव चल रहे हैं, वहीं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी हार मानने को तैयार नहीं। वे भी तमाम कोशिशें कर रहे हैं कि वे राजस्थान के मुख्यमंत्री बनें। राजस्थान में 25 सितंबर को पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के लिए आलाकमान ने एक लाइन का प्रस्ताव बनाकर जयपुर भेजा था। लेकिन पायलट मुख्यमंत्री नहीं बनाए जा सके। कांग्रेस आलाकमान के प्रतिनिधि दो वरिष्ठ पर्यवेक्षकों को खाली हाथ लौटना पड़ा। उस दौरान 92 विधायकों की इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद पायलट ने लगातार चुप्पी बरत रखी थी, लेकिन हाल ही पिछले 7 दिनों में उन्होंने दो बार अपनी चुप्पी तोड़ी है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हाल ही हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले थे। इस दौरान सचिन पायलट भी हिमाचल प्रदेश में मौजूद थे। पायलट ने हिमाचल में मीडिया से बातचीत में कहा था कि राजस्थान में पिछले दिनों कांग्रेस विधायक दल की बैठक में अनुशासनहीनता हुई थी। सब ने देखा था। तीन नेताओं को नोटिस भी दिया गया। उन्होंने नोटिस का जवाब भी दिया है। ऐसे में अब कार्रवाई तो होगी ही। मल्लिकार्जुन खड़गे अभी कुछ दिनों पहले ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। जल्द ही वे कार्रवाई करेंगे।

पायलट का यह बयान बेवजह नहीं आया है। पायलट ने इससे चार-पांच दिन पहले ही बयान देकर कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जो देश का सबसे सीनियर सीएम होने की तारीफ की है, उसे हल्के में (लाइटली) नहीं लेना चाहिए। कुछ महीनों पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद की भी संसद में तारीफ की थी।

सीएम से बोले हरीश- बुधवार को फिर से कैबिनेट बुलाओ

ओबीसी को लेकर फैसला नहीं होने से नाराज हैं हरीश, मंत्रियों से मुलाकात के बाद अब विधायकों से मांगेंगे साथ

जयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। ओबीसी आरक्षण को लेकर अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल चुके पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मांग की है कि आने वाले बुधवार को इस मुद्दे पर फिर से कैबिनेट की बैठक बुलाकर हल निकाला जाए। पिछली कैबिनेट की मीटिंग में ओबीसी आरक्षण में विसंगति दूर करने के प्रस्ताव को डेफर कर दिया था। इसको लेकर हरीश चौधरी ने नाराजगी जताई थी और सीधे मुख्यमंत्री को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया था।

हरीश चौधरी ने बताया कि मैंने सीएम गहलोत से तीन दिन बाद बुधवार को ओबीसी मुद्दे पर फिर से बैठक बुलाने की मांग की है। जब तक इस मुद्दे हल नहीं निकलेगा मैं चैन से नहीं बैठूंगा। मैंने वरिष्ठ मंत्रियों से मिलकर इस मुद्दे पर अपनी बात रखी है, अब मैं विभिन्न पार्टियों के विधायकों से मिलकर भी आरक्षण की विसंगति को दूर करवाने में सहयोग का आग्रह करूंगा।

इस बीच कैबिनेट की बैठक के तुरंत बाद इस मुद्दे को डेफर करने को लेकर खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास विवादों में आ गए थे। कहा जा रहा था कि उन्होंने इस प्रस्ताव का विरोध किया था। हालांकि खाचरियावास ने साफ किया था कि वे ओबीसी के विरोधी नहीं हैं।

हरीश चौधरी पिछले दो तीन दिन से इस मुद्दे पर समर्थन जुटाने के लिए मंत्रियों के घर जाकर उनसे मिल रहे हैं। वे अब तक मंत्री शांति धारीवाल, बीडी कल्ला, लालचंद कटारिया और परसादी लाल मीणा के घर जाकर मिल चुके हैं। इसके साथ ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से भी वे घर जाकर मिले। अब वे सभी पार्टियों के विधायकों से मुलाकात कर समर्थन मांगेंगे।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर मैं अपनी बात मंत्रियों के सामने रख रहा हूं। चौधरी ने मंत्रियों के घर जाकर मुलाकात करने के फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर किए। चौधरी ने ओबीसी आरक्षण में विसंगति के मुद्दे को लेकर अपनी ही सरकार के खिलाफ आंदोलन खड़ा करने की चेतावनी दे दी है। शुक्रवार को उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर सीएम गहलोत पर ही निशाना साध दिया था।

उन्होंने कहा था कि ओबीसी आरक्षण विसंगति की नैतिक जिम्मेदारी सीएम की है, क्योंकि मेरी जानकारी में आया है कि उन्होंने ही इस मुद्दे को डैफर किया था। डीओपी, आरपीएससी और विधि विभाग ने महीने पहले ही हमारे मुद्दे पर प्रशासनिक सहमति दे दी थी। एक महीने से मैं सीएम से कैबिनेट की बैठक बुलाने की मांग कर रहा था। इसके लिए तीन बार मैं उनसे मिला भी।

2018 में वसुंधरा सरकार ने निकाला था आदेश

2018 में वसुंधरा राजे सरकार में ओबीसी सहित अन्य कैटेगरी के आरक्षण में भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण कोटे को खत्म कर मूल भर्ती के कुल पदों में से भूतपूर्व सैनिकों का 12.5% कोटा तय किया गया है। इससे कुल पदों में ओबीसी की आबादी ज्यादा होने से भूतपूर्व सैनिकों में सबसे ज्यादा ओबीसी के भूतपूर्व सैनिकों का चयन होता है। इसके बाद सरकार इन भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण वर्गों की कैटेगरी में से कटौती की। इससे OBC के 21% आरक्षण कोटे के अधिकांश पदों पर भूतपूर्व सैनिक काबिज हो जाते हैं। ओबीसी के मूल वर्ग को पद नहीं मिल पाते हैं। कई भर्तियों में तो भूतपूर्व सैनिकों के अलावा ओबीसी के मूल लोगों को एक भी पद नहीं मिला है।

ओबीसी आरक्षण में विसंगति को दूर करने के लिए धरना भी दे चुके

हरीश चौधरी ने ओबीसी विसंगतियों को दूर करने के लिए बाड़मेर कलेक्ट्रेट के आगे धरना देकर प्रदर्शन किया था। इसमें सभी दलों के नेता शामिल हुए थे। इसके बाद नागौर में प्रदर्शन किया। 30 सितंबर को जयपुर में बड़ा धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद सीएम ने भी प्रतिनिधियों के साथ वार्ता कर जल्द विसंगतियां दूर करने का आश्वासन दिया था।

2018 की पुरानी व्यवस्था लागू करवाना चाहते हैं हरीश

हरीश चौधरी चाहते हैं कि पूर्व सैनिकों के कोटे को आरक्षित वर्ग से काटना बंद करें। 2018 की पुरानी व्यवस्था लागू करें। ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति लगातार मांग कर रही है कि ओबीसी के मूल आरक्षण कोटे को सुरक्षित रखा जाए। भूतपूर्व सैनिकों की मेरिट कुल पदों पर बनाई जाती है। इसमें 36% बिना आरक्षित पदों में से काटा जाए। 2018 से पूर्व की भांति भूतपूर्व सैनिकों का 12.5 % आरक्षित कोटा आरक्षित वर्ग के कोटे से काटा जाए। रोस्टर व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने, ओबीसी को जनसंख्या के अनुरूप आरक्षण देने सहित कई मांगे शामिल हैं।

सबसे बड़ी सब्जी मंडी में आधे हुए दाम

थोक भाव में गोभी-धनिया 4-6, टमाटर 8-10 रुपए किलो; बंपर पैदावार का असर

जयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। थोक में सब्जियों के भाव आधे हो गए हैं। सभी तरह की सब्जियों के भावों में यह बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। हफ्तेभर पहले थोक में 20 से 22 रुपए प्रति किलो बिकने वाली गोभी 6 से 8 रुपए के भाव बिक रही है। 12 से 14 रुपए प्रति किलो बिकने वाली लौकी का भाव गिरकर 4 से 6 रुपए हो गया है। यही हाल कद्दू, बैंगन, धनिया, पालक आदि सब्जियों का है। भाव आखिर इतने कम क्यों हो रहे हैं, इसका कारण जानने के लिए दैनिक भास्कर राजस्थान की सबसे बड़ी मंडी मुहाना पहुंचा।

पिछले दिनों बारिश-ओलावृष्टि से बड़े पैमाने पर सब्जियां खराब हुई हैं, जो बची हैं उन्हें किसान जल्दी से जल्दी मंडी पहुंचा रहे हैं।

मेगा मेडिकल शिविर का 391 लोगों ने लिया लाभ

अग्रवाल सेवा दल-पित्ती ट्रस्ट का 103वां निःशुल्क शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल-बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सहयोग से 103 वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप आगापुरा कैसरबाग स्थित श्री चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित किया गया। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निशुल्क मेडिकल कैम्प में हाईटेक सिटी स्थित मेडिकवर अस्पताल की टीम द्वारा सामान्य चिकित्सा जांच, स्त्री रोग, अस्थीरोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, ईएनटी, आरबीएस एवं रक्तचाप की जांच की गई। शिविर में वेस्ट मैरेडपल्ली स्थित एलसीएस डुंडु आई इंस्टीट्यूट के सहयोग से रोगियों के नेत्र की जांच करने के पश्चात 195 लोगों को चश्मे और 14 लोगों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन की व्यवस्था निशुल्क की गई। शिविर में दांतों की जांच इनोक डेंटल केयर के डॉ.मनिता सेठ द्वारा दी गई। ईएनटी की सेवा रायल पर्ल ईएनटी टीम ने दी। कैम्प में 391 से अधिक लोगों ने लाभ लिया। अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार और पित्ती ट्रस्ट के सीएमडी शरद बी.पित्ती, शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, सुरेन्द्र गोयल, निखिल रानासरिया, स्थानीय सहयोगी दिगंबर जैन सोशल ग्रूप के सुरेंद्र ठोलिया, विनय गंगवाल, रमेश काला, डॉ.आर.के.बूटा, प्रवीण जैन, सुभाष लोहाडे, डॉ.प्रीति बूटा, मोना जैन, छाया लोहाडे, विजयलताकाला, विजया गंगवाल, कांता पहाडिया, किरण पाटन, प्रमिला जैन, नंदिता बूटा , रेणू जैन, दिनेस पांडिया, पुखराज बकलीवाल, ललित जैन, सुरेन्द्र कटनेरा, निर्मला कटनेरा, सुरेश काला, जयचंद गंगवाल, अशोक पहाडिया, जयकुमार पाटनी, प्रमोद जैन, नरेश कुमार, मंजू ठोलिया, अनुषा गंगवाल, गुणमाला काला, स्वयंसेवी निर्मला केडिया, अनिता अग्रवाल, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, सुनैना नरसरिया, वंदना पचेरिया, शीतल बंसल, राधेश्याम बियान, अग्र महिला मंच दीपक गर्ग, अंजू गोयल, वंदना मनीषा जालान, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज जेड कॉलोनी ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना जेड कॉलोनी शाखा का दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी व सह मंत्री सतीश अग्रवाल के द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी एवं महालक्ष्मी की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर शिव शक्ति महिला शाखा मोती नगर के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया। दीपा अग्रवाल व उसकी टीम के द्वारा खेलों का आयोजन किया गया जिसमें म्यूजिकल चेयर व तंबोला भी था। विजेताओं को उपहार दिया गया। शाखा के अध्यक्ष जगदीश तायल द्वारा आए हुए सभी का स्वागत किया गया। केन्द्रीय पदाधिकारी उपाध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी व सह मंत्री सतीश अग्रवाल का सम्मान किया गया। डॉ दिलीप पंसारी ने बताया कि अग्रवाल समाज बहुत ही अच्छा काम कर रहा है। विधवाओं को पेंशन देने के साथ ही अग्रवाल बायोडाटा कमेटी चल रहा है। विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए अनुदान दे दिया जा रहा है। जरूरतमंदों को मेडिकल सेवा भी उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी बहुत से कार्य कर रहा है। सभी को समाज से जुड़ कर रहना चाहिएष आज अग्रवाल समाज में 85 शाखाओं के साथ लगभग 6 हजार सदस्य परिवार है। एक मंच के नीचे इतनी संख्या का होना समाज के लिए बहुत ही गौरव की बात है। इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष जगदीश तायल, उपाध्यक्ष सुरेश गर्ग, मंत्री पवन कुमार गोयल, सह मंत्री अरुण कुमार, कोषाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, हरिओम अग्रवाल, गोपाल, धर्मेंद्र गोयल, जगदीश गोयल, जगदीश गर्ग, जीवन, कैलाश चंद्र, किशन तायल, प्रमोद गोयल, नरेश बंसल, सुमित, सुमन, संदीप, एसके जालान, गोकुल चंद्र, रमेश, रावि, पूनम चंद्र, पुरुषोत्तम, सुरेंद्र आदि अग्र बंधु व उनके परिवार उपस्थित थे।

स्टार्स आन स्टेज कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व बाल दिवस के अवसर पर माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की तरफ से 13 नवंबर सोमवार को सुबह 10 बजे स्टार्स आन स्टेज कार्यक्रम का आयोजन कवाडीगुड़ा मुख्य मार्ग पर स्थित नेकलेस माला में किया जाएगा। फाउंडेशन के सचिव डॉ दिलीप पंसारी के अनुसार इस कार्यक्रम मे ऑटिज्म के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक फैशन शो का आयोजन होगा जिस मे विशेष बच्चे रैंप पर चलकर लोगों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे । इस अवसर पर विशेष बच्चों के द्वारा गाने के प्रदर्शन के साथ ही विश्व विख्यात जादूगर सम्भाला बच्चों से जादू कराएंगे और प्रख्यात नृत्य प्रशिक्षक अमित की डांस टीम के द्वारा नृत्य का प्रदर्शन भी किया जायेगा।

श्री मारू सैन समाज ने भव्यता से मनाया दीपावली स्नेह मिलन

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री मारू सैन समाज, हैदराबाद, तेलंगाना -आंध्रप्रदेश के तत्वाधान में आठवां विशाल जागरण एवं दीपावली स्नेह मिलन श्रृंग ऋषि भवन, दालमंडी बेगम बाजार में आयोजित किया गया। इस दौरान हरीश सैन एंड पार्टी द्वारा भजन प्रस्तुति की गई। श्रोता भजन की रंगगंगा में गोता लगाते रहे। भारी संख्या में समाज के लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि परम पूज्य गुरुवर श्री श्री संत शिरोमणि सैन जी महाराज के आशीर्वाद से समाज जनकल्याण की दिशा में मजबूती से आगे बड़ रहा है। श्री मारू सैन समाज सामाजिक और धार्मिक कार्यो में बढ़-चढ़ कर भागीदारी कर रहा है। समाज के विकास पर भी संस्था का पूरा ध्यान केन्द्रित है। समाज के सभी पदाधिकारी और सदस्य मिलकर समाज को और अधिक मजबूत बनाने में कोई कोर्कसर नहीं छोड़ रहे है। इस अवसर पर संरक्षक छगलाल सोनाजी सोलंकी, आशुराम जैसाजी परमार, तेजाराम सदाजी राठौर, खीमराज छोगाजी सोलंकी, पारसमल आशुजी परमार, कांतिलाल बादराजी परमार, अध्यक्ष मंगलाराम मंछाजी राठौड़, उपाध्यक्ष जबराराम कस्तूर लोपोणी, कोषाध्यक्ष इन्द्रमल चुनाजी सोलंकी, महासचिव हरीश कुमार पारसमल जी भाटी, सह-सचिव चेतनकुमार खंगारजी भाटी, प्रचार मंत्री पारसमल फूलाजी सोलंकी, प्रचार मंत्री डुंगाराम सवाजी परमार, मंत्री पारसमल बाबूलाल चौहान, मंत्री खुशाल बगदाजी परमार, मंत्री शंकरलाल तेजाजी भाटी, मंत्री राकेश कुमार भीखाजी पराडिया आदि उपस्थित रहे।

प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार ट्रस्ट ने किया जैन आचार्यों का दर्शन

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आल इंडिया ओल्ड टेम्पलरिनोवेशन ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने चेन्नई में विराजित गुरु भगवन्तों के दर्शन और आशीर्वाद यात्रा की। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति देते हुए आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के वाइस चैयरमेन रिद्धिश जागीरदार एवं अध्यक्ष जैन मुकेश चौहान ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्राचीन जैन एवं सनातन मंदिर जीर्णोद्धार के विषय की जानकारी एवं इस कार्य हेतु आचार्य भगवन्तों का आशीर्वाद, मार्गदर्शन प्राप्त करने प्रतिनिधि मंडल हैदराबाद से चेन्नई पहुंचे। प्रतिनिधि मंडल में ट्रस्ट के चैयरमेन आर के जैन, वाइस चैयरमेन जसमत पटेल, वाइस चैयरमेन रिद्धिश जागीरदार, अध्यक्ष जैन मुकेश चौहान ने चेन्नई में साहूकारपेट विराजित पूज्य गच्छाधिपति उदयप्रभ सूरीश्वरजी म.सा., पूज्य आचार्य मेघदर्शनसूरीश्वरजी म.सा., प्रिंस कोर्टयार्ड में विराजित पूज्य गच्छाधिपति नित्यानंदसुरीश्वरजी म.सा., लक्ष्मी महल विराजित पूज्य आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी के पद्मविमलसागर जी म.सा.के दर्शन वंदन किये। सभी गुरुओं को ट्रस्ट के द्वारा किये गए जीर्णोद्धार व आगे चल रहे जीर्णोद्धार संबंधित जानकारी प्रदान की। समस्त गुरु भगवन्तों को ट्रस्ट द्वारा पूर्व में किये गए मन्दिर के जीर्णोद्धार की जानकारी देते हुए आगे जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर रहे रेगोड़ मन्दिर के जीर्णोद्धार करने के विषय पर जानकारी दी गयी हैदराबाद से 145 किमी दूरी पर स्थित अति प्राचीन सनातन धर्मीय श्री बालाजी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए भी मन्दिर की कमेटी और ग्रामवासियों से विचार विमर्श चल रहा है। ट्रस्ट के नियमानुसार सभी शर्तो पर स्वीकृति प्राप्त होने उसका भी जीर्णोद्धार कार्य शीघ्रातिशीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। पूज्य श्री ने अपने मन की गहराइयों से आशीर्वाद देते हुए इस ऐतिहासिक कार्य मे आगे बढ़ने हेतु बहुत बहुत आशीर्वाद देते हुए मांगलिक दिया पूज्य गच्छाधिपति श्री नित्यानंद सूरीश्वर जी म.सा. सम्पूर्ण जानकारी को सुनकर बहुत ही प्रसन्न हुए। पूज्य श्री ने बताया कि जैन एवम सनातन मंदिरों के जीर्णोद्धार से देश की धर्म संस्कृति को आगे बढाने में बहुत उपयोगी साबित होगा आर के जैन ने बताया की देश मे सैकड़ो मंदिर जर्जर अवस्था में है । नए नये मंदिर और तीर्थ बनते जा रहे है लेकिन प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार बहुत कम हो रहा है। कई ऐसे गांव है जहां पर प्राचीन मंदिर है लेकिन उनको जीर्णोद्धार करवाने की आर्थिक व्यवस्था नही हो रही है। मुकेश चौहान ने बताया की रेगोड़ गांव के जैन समाज से बात चित कर ट्रस्ट के नियमों के अनुसार जीर्णोद्धार करवा कर मंदिर को ग्रामवासियों को पूजा दर्शन हेतु दे दिया जाएगा।

केंद्र ने इंटरनेट एक्सचेंज स्थापित करने की अनुमति दी: जीवीएल

विजयवाड़ा, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य जीवीएल नरसिम्हा राव ने विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी। यह पता चला कि केंद्र ने विशाखापत्तनम में एक इंटरनेट एक्सचेंज स्थापित करने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि यह एक्सचेंज अगले जनवरी में विशाखापत्तनम में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस एक्सचेंज से इंटरनेट की स्पीड और क्वालिटी बढ़ेगी और शुल्क कम होगा। बताया जा रहा है कि आईटी, वित्तीय और बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। इसमें खुलासा हुआ कि 106 करोड़ रुपये की लागत से नए रेलवे जोन मुख्यालय का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह अगले चुनाव में जनसेना के साथ चुनाव लड़ेंगे। साथ ही जीवीएल ने चल रहे अभियान का भी जवाब दिया कि प्रधानमंत्री मोदी सोमू वीरराज से पूछा कि आपका नाम क्या है। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि इस पर आने वाली कहानियों में कोई सच्चाई नहीं है। जैसा कि प्रधान मंत्री ने सभी एपी भाजपा नेताओं का परिचय देने के लिए कहा, सोमू वीरराजू ने समझाया कि उन्होंने अपने नाम से शुरुआत की।

श्री सिद्दिविनायक सूर्यमुखी हनुमान मंदिर, मीरआलम पार्क, किशन बाग में आयोजित अन्नकूट प्रसादी में मुख्त अतिथि के रूप में भाग लेते हुए समाजसेवी गोपाल बल्दवा। इस दौरान भारी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

निजामाबाद में पाम तेल की खेती को दिया जा रहा है प्रोत्साहन

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपने विशाल अनुप्रयोगों और व्यावसायिक मूल्य के मद्देनजर, निजामाबाद जिला प्रशासन ने जिले में पाम तेल की खेती पर विशेष ध्यान दिया है। प्रशासन की जिले में करीब 57,000 एकड़ में ताड़ के तेल की खेती करने की योजना है। निजामाबाद कलेक्टर सी नारायण रेड्डी जिले के प्रगतिशील किसानों को पाम तेल की खेती के लिए आगे आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने जिले में बागवानी विभाग के अधिकारियों की मदद से किसानों को बड़े पैमाने पर पाम तेल की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किसानों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने उन्हें समझाया कि ताड़ के तेल से उन्हें धान, गन्ना, मक्का, तंबाकू और बागवानी फसलों की तुलना में अधिक आय और कम श्रम की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि चरम मौसम की घटनाओं के दौरान इसके नुकसान की संभावना भी कम होती है। कलेक्टर ने आगे कहा कि राज्य सरकार उन किसानों को पहले वर्ष में 26,000 रुपये और दूसरे और तीसरे वर्ष में 5,000 रुपये की सब्सिडी प्रदान करेगी, जो पाम तेल की खेती करते हैं। उन्होंने बताया कि बाजार में पाम ऑयल की अच्छी मांग है और जिला प्रशासन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जिले में लगभग 57,000 एकड़ खेती के तहत लाने का प्रयास कर रहा है। अब तक, खम्मम, भद्राद्री कोत्तागुडेम, नलगोंडा और सूर्यापेट जिलों में फैले तेलंगाना में लगभग 61000 तेल ताड़ की खेती के अधीन है। बागवानी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सरकार की निर्मल (33,520 हेक्टेयर), महबूबाबाद (28,164 हेक्टेयर), कामारेड्डी (26,337 हेक्टेयर), वारंगल-ग्रामीण (23,118 हेक्टेयर) और निजामाबाद (22,218 हेक्टेयर) में रोपण फसल लेने की योजना है। तेलंगाना ने ताड़ के तेल की खेती के लिए 26 जिलों को अधिसूचित किया है और राज्य में 11 तेल प्रसंस्करणकर्ता काम कर रहे हैं और वर्ष 2022-23 के लिए 5 लाख हेक्टेयर वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तिलहन और तेल पाम पर राष्ट्रीय मिशन द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार यह भी पता चला है कि राज्य के 563 ग्रामीण मंडलों में से 246 में मिट्टी और मौसम की स्थिति रोपण फसल के लिए उपयुक्त थी। भारत में प्रमुख तेल पाम उत्पादक राज्य आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़, मिजोरम, असम और उड़ीसा हैं। आंध्र प्रदेश देश में ताड़ के तेल के क्षेत्रफल और उत्पादन में पहले स्थान पर है। तेल पाम क्षेत्र में तेलंगाना छठे स्थान पर है। देश में पाम तेल की खेती का क्षेत्र 8.85 लाख एकड़ है, जिसमें 87.55 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले 2.82 लाख मीट्रिक टन कच्चे पाम तेल का उत्पादन होता है। अन्य देशों से लगभग 90 से 100 लाख मीट्रिक टन क्रूड पाम ऑयल और ओलीन का आयात किया जा रहा है। भारत में पाम ऑयल के तहत आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए 70 लाख एकड़ अतिरिक्त क्षेत्र की आवश्यकता है।

सीपीजीईटी -2022 दूसरे चरण की काउंसलिंग शेड्यूल घोषित

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने रविवार को कॉमन पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट (सीपीजीईटी) 2022 के दूसरे चरण के प्रवेश परामर्श कार्यक्रम को ऑनलाइन प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए 14 नवंबर से 17 नवंबर के बीच अधिसूचित किया। उम्मीदवार 19 से 21 नवंबर के बीच वेब विकल्पों का प्रयोग कर सकते हैं और उन्हें 22 नवंबर को संपादित किया जा सकता है। अनंतिम सीट आवंटन 25 नवंबर को है और उम्मीदवारों को 26 नवंबर से 30 नवंबर के बीच संबंधित कॉलेजों को रिपोर्ट करना चाहिए।

मां दुर्गा की कृपा संस्था और 16 नित्या द्वारा गौ सेवा की गई

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शमशीरगंज स्तिl सत्यम शिवम गौशाला में आज मां दुर्गा की कृपा संस्था और 16 नित्या द्वारा गऊ सेवा की गई। सेवा के प्रायोजक संजय और प्रीति, हेशमा अमेरिका द्वारा प्रायोजित की गई इस सेवा में संस्था के सदस्य गोवर्धनलाल अग्रवाल, विनय किशोर तायल, राजेश अग्रवाल, सुरेंद्र नरेड़ी, शारदा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, हेमा मालिनी तायल, संतोष गोयल, दीपा अग्रवाल, राधा अग्रवाल, सुनीता चिंडालिया, मधु अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, ऋषिका अग्रवाल, सरस्वती अग्रवाल श्याम तथा भरोसे सेवा समिति के सदस्य राजेश अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, आरती अग्रवाल, मेघा रानी अग्रवाल शोभा रानी रेड्डी, गुरुनाथ रेड्डी इन सब ने मिलकर गौ सेवा की।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे ट्रैक उड़ाने की ...

घटनास्थल पर राजस्थान पुलिस की एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) भी पहुंच गई है।

घटना उदयपुर से करीब 35 किलोमीटर दूर सलूम्बर मार्ग पर केवड़े की नाल में ओढ़ा रेलवे पुल की है। जहां ग्रामीणों को शनिवार रात 10 बजे के आसपास धमाके की आवाज सुनाई दी। इसके बाद कुछ युवा तुरंत पटरी पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि रेलवे लाइन पर बारूद पड़ा है। पटरियां कई जगह से टूट चुकी थीं। पुल पर लाइन से नट-बोल्ट भी गायब मिले। ट्रैक पर लोहे की पतली चादर भी उखड़ी हुई मिली।

यह हालत देखकर ग्रामीणों ने तुरंत हादसे की सूचना रेलवे अधिकारियों को दी। इसके बाद ट्रैक पर यातायात रोका गया। अगर उस ट्रैक पर कोई ट्रेन आ जाती, तो कई लोगों की जान खतरे में पड़ सकती थी।

रेलवे ने इस लाइन पर दोनों ट्रेन का संचालन रोका :

उदयपुर रेलवे एरिया मैनेजर बदरी प्रसाद ने बताया कि उदयपुर-अहमदाबाद लाइन पर दोनों ट्रेन का संचालन बंद कर दिया है। लाइन की मरम्मत जल्द से जल्द कराई जा रही है। साजिश के पीछे कौन है, इस बारे में पता लगाया जा रहा है। ट्रेनें वापस कब शुरू होंगी, इस बारे में रेलवे अधिकारियों ने फिलहाल कुछ नहीं बताया है।

6 साल के इंतजार के बाद शुरू हुआ था ट्रैक :

उदयपुर-अहमदाबाद ट्रेन की शुरूआत पीएम नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2022 को असारवा स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर की थी। इस ट्रैक के लिए 6 साल लंबा इंतजार करना पड़ा। पहले यहां मीटर गेज (छोटी लाइन) थी, इसे हटाकर ब्रॉड गेज में तब्दील किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर को अहमदाबाद के असारवा स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इस रेलवे लाइन का लोकार्पण किया था।

मोदी ने कहा था, ये लाइन औद्योगिक विकास को गति देगी :

एक नवंबर 2022 को जब प्रधानमंत्री मोदी बांसवाड़ा के मानगढ़ आए थे, तब भी उन्होंने अपने भाषण में इस रेलवे लाइन के महत्व के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि उदयपुर और इसके आसपास के जिलों के लोगों के लिए गुजरात आने-जाने की सहूलियत तो होगी ही, इसके साथ ही यह लाइन इस इलाके में औद्योगिक विकास को गति देगी।

दूषित हो गई है महाराष्ट्र...

एक टीवी चैनल से हुई बातचीत के दौरान संजय राउत ने कहा, अगर भाजपा ने एकीकृत शिवसेना के साथ हुए समझौते का सम्मान किया होता तो एकनाथ शिंदे को ही महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाया जाता।

नौ नवंबर को ही जेल से बाहर आए हैं संजय राउत :

गौरतलब है कि राज्यसभा सदस्य संजय राउत को प्रवर्तन निदेशालय ने इस साल एक अगस्त को धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। नौ नवंबर को मुंबई की एक अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोर्ट से जमानत मिलने के बाद संजय राउत बुधवार शाम 6.45 बजे आर्थर रोड जेल से बाहर आ गए। 100 दिन बाद जेल से बाहर आते ही राउत ने भाजपा और शिंदे सरकार के खिलाफ निशाना साधना शुरू कर दिया है।

क्रिकेट को मिला पहला डबल चैंपियन

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हराकर दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता, ओडीआई में भी वर्ल्ड चैंपियन

मेलबर्न, 13 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट इतिहास का पहला डबल वर्ल्ड चैंपियन बन गया है। इंग्लैंड टीम ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में रविवार को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। इंग्लैंड के नाम इस समय वनडे वर्ल्ड कप खिताब भी है। पहली बार किसी टीम के पास एक साथ वनडे और टी-20 दोनों का वर्ल्ड टाइटल हैं।

फाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 137 रन ही बना सकी। जवाब में इंग्लैंड ने 19 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 52 रन नाबाद बेन स्टोक्स ने बनाए। पाकिस्तान के लिए हारिस रऊस ने 2 विकेट लिए।

इंग्लैंड पारी की हाइलाइट्स

शाहीन शाह अफरीदी ने पहले ओवर में ही एलेक्स हेल्स को 1 रन बनाने के बाद क्लीन बोल्ड कर दिया। फिल सॉल्ट 9 बॉल में 10 रन बनाकर हारिस रउफ की बॉल पर आउट हुए। जोस बटलर को शुरुआत तो अच्छी मिली, लेकिन वो 17 बॉल में 26 रन बनाकर आउट हो गए।

हैरी ब्रूक 20 बॉल में 23 रन बनाकर शादाब खान की बॉल पर आउट हुए, उनका कैच शाहीन अफरीदी ने लिया।

पाकिस्तान के लिए शान मसूद ने सबसे ज्यादा 38 रन की पारी खेली। उन्होंने 28 बॉल का सामना किया। वहीं, बाबर आजम के बल्ले से 28 बॉल में 32 रन निकले। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट सैम करन ने लिए। आदिल रशीद को 2 सफलता मिली।

पाकिस्तान पारी की हाइलाइट्स

चौथे ओवर में पाकिस्तान की ओर से पहली बाउंड्री आई। क्रिस वोक्स की बॉल पर मोहम्मद रिजवान ने छक्का लगाया।

इसके बाद वो 15 रन बनाने के बाद सैम करन की बॉल पर बोल्ड हो गए। मोहम्मद हारिस भी फाइनल मुकाबले में कुछ खास नहीं कर पाए और 12 बॉल में 8 रन बनाकर आउट हो गए।

बाबर आजम 28 बॉल पर 32 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आदिल रशीद ने 12वें ओवर की पहली बॉल पर आउट किया। रशीद ने ये ओवर मेडन डाला। इससे पहले वाले ओवर में लिविंगस्टोन ने 16 रन दिए थे।

पूरे वर्ल्ड कप में शानदार फॉर्म में चल रहे इफ्तिखार खान 6 बॉल में जीरो रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट बेन स्टोक्स ने लिया।

शान मसूद को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन वो इसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए। वो 28 बॉल में 38 रन बनाकर सैम करन की बॉल पर आउट हुए।

लिवरपूल को 381 अरब रुपये में खरीद सकते हैं मुकेश अंबानी, 12 साल बाद बिकने के कगार पर यह टीम

लंदन, 13 नवंबर (एजेंसियां)। लिवरपूल का नाम प्रीमियर लीग के शीर्ष छह क्लबों में गिना जाता है। उसने 2018-19 में यूईएफए चैंपियंस लीग और 2019-20 सीजन में प्रीमियर लीग पर कब्जा किया था। वह छह बार चैंपियंस लीग जीत चुकी हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब लिवरपूल को खरीद सकते हैं। इस मशहूर को क्लब को बेचने के लिए फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप (एफएसजी) तैयार है। क्लब के मौजूदा मालिकों ने बिक्री के लिए बोली मंगवाई है। एफएसजी लिवरपूल को कम से कम 381 अरब रुपये में बेचना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अंबानी क्लब को खरीदने के इच्छुक हैं।

लिवरपूल का नाम प्रीमियर लीग के शीर्ष छह क्लबों में गिना जाता है। उसने 2018-19 में यूईएफए चैंपियंस लीग और 2019-20 सीजन में प्रीमियर लीग पर कब्जा किया था। वह छह बार चैंपियंस लीग जीत चुकी हैं। फोर्ब्स के मुताबिक, मुकेश अंबानी दुनिया के आठवें अमीर इंसान है। उनका नेटवर्थ करीब 90 बिलियन पाउंड (करीब 8576 अरब रुपये) है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने क्लब को खरीदने की प्रक्रिया की जानकारी भी मांगी है।

एफएसजी ने अपने बयान में क्या कहा?

2010 में लिवरपूल क्लब की कमान संभालने वाले एफएसजी ने इस सप्ताह की शुरुआत में फुटबॉल जगत को चौंका दिया। उसने कहा कि वह क्लब को बेचने के लिए तैयार है और बोली का इंतजार कर रहा है। एफएसजी ने अपने बयान में कहा, "ईपीएल क्लबों में स्वामित्व के कई हालिया बदलाव देखने को मिले हैं और स्वामित्व में बदलाव की कई अफवाहें भी हैं। लिवरपूल में फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के स्वामित्व के बारे में नियमित रूप से पूछा जाता है।"

2010 में भी उड़ी थी अफवाह

यह पहली बार नहीं है जब मुकेश अंबानी ने लिवरपूल को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। 2010 में यह खबर आई थी कि सहारा समूह के अध्यक्ष सुब्रतो रॉय के साथ मिलकर वह लिवरपूल में 51 फीसदी हिस्सेदारी के लिए बोली लगाना चाहते थे। हालांकि, तत्कालीन लिवरपूल के मुख्य कार्यकारी क्रिस्टियन पर्सलो ने अफवाहों का खंडन किया था।

मुकेश अंबानी की हैं कई टीमें

मुकेश अंबानी को खेल से काफी लगाव है। आईपीएल में मुंबई इंडियंस उनकी टीम है। इस फ्रेंचाइजी की दो और टीमें भी हैं। एक दक्षिण अफ्रीका में शुरू होने वाले एसएटी20 में खेलेगी। उसका नाम एमआई केपटाउन है। वहीं, यूएई टी20 लीग में उनकी टीम एमआई एमिरेट्स है। इसके अलावा वह भारत में इंडियन सुपर लीग के आयोजन में भी मदद करते हैं।

एशियन एयरगन चैंपियनशिप 2022

भारत की मेहुली घोष ने स्वर्ण पर लगाया निशाना

10 मीटर एयर राइफल में जीता गोल्ड

खेल डेस्क, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मेहुली ने फाइनल में दक्षिण कोरियाई निशानेबाज यूनुंग चो को हराया। 2018 यूथ ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मेहुली ने स्वर्ण पदक के लिए यूनुंग चो को 16-12 से हरा दिया।

भारत की मेहुली घोष ने शनिवार को एशियन एयरगन चैंपियनशिप 2022 में कमाल कर दिया। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। मेहुली ने फाइनल में दक्षिण कोरियाई निशानेबाज यूनुंग चो को हराया। 2018 यूथ ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मेहुली ने स्वर्ण पदक के लिए यूनुंग चो को 16-12 से हरा दिया।

मेहुली 261.1 के स्कोर के साथ रैंकिंग राउंड में यूनुंग चो से पीछे रही थीं। दक्षिण कोरियाई निशानेबाज 262.5 के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर रही थीं।

इस बीच, पूर्व विश्व नंबर एक और टोक्यो ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। वह रैंकिंग राउंड में छठे स्थान पर रहीं।

जूनियर महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में तिलोत्तमा सेन और नैंसी ने भारत को पहला और दूसरा स्थान दिलाया। नैंसी (261.4) रैंकिंग राउंड में शीर्ष पर रहीं। वहीं, तिलोत्तमा (260.4) दूसरे स्थान पर रही थीं। फाइनल में दोनों भारतीय निशानेबाजों का मुकाबला हुआ। वहां तिलोत्तमा ने बाजी मारी। उन्होंने नैंसी को 17-11 से हरा दिया। नैंसी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

फर्ग्यूसन की केकेआर में वापसी, गुरबाज को भी साथ लाए

केकेआर ने जीटी से ट्रेड किए 2 खिलाड़ी

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 के लिए फ्रेंचाइजीज ने खिलाड़ियों की खरीद-फरोख्त भी शुरू कर दी है। सभी को 15 नवंबर तक अपने रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची बोर्ड को सौंपनी है। इससे पहले ट्रेडिंग विंडो भी खुल गई है। इतना ही नहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुजराज टाइटंस से लॉकी फर्ग्यूसन और रहमानुल्लाह गुरबाज को ट्रेड किया है।

IPL की मीडिया सेल ने यह जानकारी दी है। इसके अनुसार, ये दोनों अब KKR की जर्सी में खेलते नजर आएंगे। लॉकी फर्ग्यूसन पहले कोलकाता की ओर से खेल चुके हैं। ऐसे में कहेंगे कि उनकी टीम में वापसी हुई है। लेकिन, वे गुरबाज को भी अपने साथ लाए हैं।

ऐसा बताया जा रहा है कि यह एक कैश ट्रेड है। लेकिन, KKR ने इन्हें कितने में खरीदा है। इसका खुलासा नहीं किया गया है। न फ्रेंचाइजी और न ही BCCI इसका खुलासा किया है।

फर्ग्यूसन ने पिछले सीजन में कमाल गेंदबाजी की

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन ने IPL के पिछले सीजन में कमाल की गेंदबाजी की थी और गुजरात को चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया। फर्ग्यूसन ने 13 मुकाबलों में गुजरात के लिए 12 विकेट लिए थे। एक मैच में तो उन्हें 4 विकेट मिले थे।

वर्ल्ड कप में फीके रहे फर्ग्यूसन ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में लोकी फर्ग्यूसन ने न्यूजीलैंड के लिए खास प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने 5 मुकाबलों में गेंदबाजी की और 8.36 की इकोनॉमी से 159 रन खर्च करते हुए 7 विकेट लिए। अगले ग्राफिक्स में पढ़िए फर्ग्यूसन का टी-20 इंटरनेशनल में प्रदर्शन...

गुजरात ने 10 करोड़ में खरीदा था

गुजरात ने 12-13 फरवरी को हुए मेगा ऑक्शन में फर्ग्यूसन को 10 करोड़ की कीमत पर खरीद था। हालांकि, तब कोलकाता ने उन्हें खरीदने में रुचि नहीं दिखाई थी।

गुरबाज एक भी मैच नहीं खेल पाए

अफगानिस्तान के विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज को गुजरात ने चोटिल जेसन रॉय की जगह लिया था। लेकिन उन्हें एक भी मुकाबला नहीं खिलाया। गुरबाज ने टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के लिए 3 मैचों में 68 रन बनाए हैं।

मैक्सवेल का एक्सीडेंट, टांग टूटी

दोस्त की बर्थडे पार्टी पर गए थे मैक्सी, फिसल कर गिरे

मेलबर्न, 13 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का एक्सीडेंट हो गया है। उनकी टांग टूट गई है। वे लंबे समय तक मैदान पर नहीं दिखेंगे। इस चोट की वजह से मैक्सवेल अगले हफ्ते से शुरू हो रही इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से भी हट गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, 34 साल के मैक्सवेल शनिवार रात एक दोस्त की बर्थडे पार्टी पर गए थे और मकान के पिछले हिस्से में दौड़ लगा रहे थे। तभी फिसलकर गिर गए। मेलबर्न के एक अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि मैक्सवेल एक महीने तक मैदान से दूर रहेंगे।

इसे मेलबर्न स्टार्स ने 'हॉस्पिटल के बेड से मेलबर्न गर्ल्स को फॉलो करते हुए ग्लेन मैक्सवेल' लिखते हुए पोस्ट किया। इसमें मैक्सवेल की टांस पर प्लास्टर दिखाई दे रहा है।

वर्ल्ड कप में बेरंग रहे, टीम सुपर लीग से बाहर

मैक्सवेल मौजूदा वर्ल्ड कप में बेरंग रहे। उन्होंने चार पारियों में महज 118 रन बनाए। इनमें एक अर्धशतक भी शामिल था। उनके बल्ले से 161.64 के स्ट्राइक रेट से रन निकले।

इंग्लैंड की मेजबानी करेगा ऑस्ट्रेलिया

वर्ल्ड कप का मेजबान ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड की मेजबानी करने जा रहा है। उसे इंग्लैंड से तीन वनडे मैच खेलने हैं। पहला मुकाबला एडिलेड में 17 नवंबर को खेला जाएगा। उसके बाद 19 और 22 नवंबर को क्रमशः सिडनी और मेलबर्न में मुकाबले खेलने हैं। टीम 30 नवंबर से वेस्ट इंडीज से 2 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज भी खेलनी है।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाया

मैक्सवेल की सदस्यता वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले साल वर्ल्ड चैंपियन बनी थी। उसने दुबई इंटरनेशनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया।

भारत की विनी रमन से शादी की है

यहां बता दें कि मैक्सवेल भारत के दामाद भी हैं। उन्होंने बेंगलुरू की लड़की विनी रमन से शादी की है।

बाबर आजम के पिता घड़ी बनाते थे

जिस ग्राउंड में बाउंड्री के बाहर बॉल पकड़ते, 14 साल बाद उसी ग्राउंड में कप्तानी की

खेल डेस्क, 13 नवंबर (एजेंसियां)। अक्टूबर 2007 की बात है, लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने थीं। जैसे ही कोई बॉल बाउंड्री लाइन के बाहर आती, 13 साल का एक बच्चा तेजी से उसकी तरफ लपकता और सबसे पहले पकड़ता।

उसके भीतर गजब का जोश और जुनून था। घर लौटने के बाद वो बच्चा रात को सो नहीं पाता। पूरी रात सपने में मोहम्मद युसूफ और साउथ अफ्रीका के एबी डी विलियर्स को खेलते देखता। तब किसी को नहीं पता था, ये बच्चा कौन है।

14 साल बाद यानी फरवरी 2021, जगह वहीं गद्दाफी स्टेडियम। एक बार फिर से पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका आमने-सामने, लेकिन इस बार वो बच्चा बाउंड्री लाइन के बाहर नहीं, बल्कि स्लिप में खड़े होकर फिल्डिंग सजा रहा था, पाकिस्तान टीम को लीड कर रहा था। तेज-तरार्र, मैच जिताऊ और दुनिया के टॉप बैट्समैन में शुमार बाबर आजम के रूप में उसकी पहचान बन गई थी। आज पाकिस्तान की टीम उसी बाबर आजम की कप्तानी में वर्ल्ड कप का फाइनल खेल रही है। अब तक के सात सालों के करियर में बाबर ने हर फॉर्मेट में शानदार खेला है। उसने अपनी परफॉर्मेंस की बदौलत दुनिया के दिग्गज एनालिस्ट और कमेंटेटर्स को फैब फोर से फैब फाइव टीम बनाने पर मजबूर कर दिया। स्टीव स्मिथ, विराट कोहली, केन विल्यमसन और जो रूट के साथ अपना नाम भी दर्ज करा लिया।

फिलहाल बाबर दुनिया के नंबर वन वनडे प्लेयर है। टेस्ट में तीसरे और टी 20 में चौथे नंबर पर। टेस्ट में 43, ODI में 56.8, और टी20 में 47.32 का औसत, इंटरनेशनल क्रिकेट में उसकी धाक बताने के लिए काफी है।

अब बाबर की कहानी पर लौटते हैं। लाहौर के रहने वाले बाबर बचपन में अपने पिता के साथ गद्दाफी स्टेडियम मैच देखने आते थे। धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी क्रिकेट में बढ़ने लगी। एक बार तो बाबर ने जेपी डुमिनी का सिक्स बाउंड्री के बाहर लपक लिया था। तब कमेंटेटर्स ने उनकी तारीफ की थी। पिता आजम सिद्दीकी भांप गए कि बेटे की दिलचस्पी क्रिकेट में है। उन्होंने बाबर को मुस्लिम मॉडल स्कूल में क्रिकेट की कोचिंग लेने के लिए भेजा। यहां मोहम्मद यूनिस कोच थे। बच्चे उन्हें मामा जुना कहते थे। मोहम्मद यूनिस ने सलीम मलिक और नासिर जमशेद जैसे प्लेयर्स को भी ट्रेनिंग दी थी।

यूनिस ने बाबर को पहले दिन ही एक सीख दी। वो सीख थी- सबसे पहले नेट पर और सबसे लास्ट में जाओ। बाबर ने इसे फॉलो भी किया। वो 7-8 किलोमीटर पैदल चलकर सबसे पहले क्लब आते, नेट प्रैक्टिस करते और सबसे आखिर में जाते।

इसके बाद बाबर को नया मंत्र मिला- पहली बॉल भी तुम खेलो और आखिरी बॉल भी। मतलब विकेट नहीं देना है।

जानकी ने जीता दिल:वर्ल्ड कप की क्लोजिंग सेरेमनी में कमाल परफॉर्मेंस दी

मेलबर्न, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भले ही भारत टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में नहीं पहुंच सका है। लेकिन, उसका जलवा मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को भी रहा। यहां फाइनल मुकाबले से पहले भारतीय मूल की जानकी ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। 13 साल की जानकी ने मेलबर्न के मैदान पर 90 हजार दर्शकों के सामने रॉकबैन्ड आईसआउस के साथ परफार्म किया। उन्होंने 'वी कैन गेट टुगेदर' गाया। इस प्रस्तुति में जिम्बाब्वे के थांडे सिकविला ने भी उनका साथ दिया।

जानकी कलाकृति स्कूल ऑफ म्यूजिक से कर्नाटक संगीत की शिक्षा हासिल कर रही हैं। उन्हें मशहूर संगीतकार शोभा शेखर ने संगीत की शिक्षा दी है। जानकी का परिवार भारतीय मूल का है और पिछले 15 साल से ऑस्ट्रेलिया में रह रहा है। इस स्टोरी में आप जानेंगे जानकी के बारे में...पहले देखिए क्लोजिंग सेरेमनी के फोटोज...

केरल का रहने वाला है जानकी का परिवार

जानकी का परिवार भारतीय मूल का है और 15 साल से ऑस्ट्रेलिया में रह रहा है। उनके पिता अनूप दिवाकरन और मां दिव्या रवींद्रन केरल को कोझीकोड़ की रहने वाली हैं। जानकी को ऑस्ट्रेलिया में पिछले साल लोकप्रियता लोकप्रिय म्यूजिक रियलिटी शो द वॉइस ऑस्ट्रेलिया से मिली थी।

क्लोजिंग सेरेमनी में हिस्सा लेने वाली सबसे छोटी कलाकार हैं वे वर्ल्ड कप की क्लोसिंग सेरेमनी में हिस्सा लेने वाले ऑल टाइम सबसे कम उम्र की कंटेस्टेंट हैं। वे इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न, इंडियन फैशन वीक ऑस्ट्रेलिया में गा चुकी हैं।

उनके पारंपरिक दक्षिण भारतीय परिधानों ने ऑस्ट्रेलिया के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। ICC एक ऐसा कार्यक्रम करना चाहता था, जिसमें सभी पीढ़ी और संस्कृति के लोग शामिल रहें और इस लिहाज से जानकी उनकी कसौटी पर खरी उतरीं और उन्हें ये बड़ा मंच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए मिल गया।

6 साल से संगीत सीख रही हैं

संगीतकारों के परिवार से ताल्लुक रखने वाली जानकी को महज 6 साल की उम्र में कर्नाटक संगीत सीखने का मौका मिला। जानकी ने बताया, उनके पिता और दोनों भाई गायक हैं। पिता के छोटे भाई अरुण गोपन एक प्रोफेशनल सिंगर हैं। पिता के चाचा केवी शिवदास एक गायक, कंपोजर और संगीत शिक्षक हैं। मेरी मां को भी संगीत का बड़ा शौक है। मैं बचपन से मां से लोरी सुनकर ही सोती थी। ये बात बेहद सामान्य थी कि वो चाहते थे कि मैं संगीत को अपने जीवन का हिस्सा बनाऊं।

शोभा शेखर से शास्त्रीय संगीत सीख रही हैं

जानकी कलाकृति स्कूल ऑफ म्यूजिक से कर्नाटक संगीत की शिक्षा हासिल कर रही हैं। जिसकी स्थापना ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित संगीतकार शोभा शेखर ने की है। वे ऑस्ट्रेलिया के कई विश्वविद्यालयों में भी संगीत सिखाती हैं।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री पर पठान का पलटवार

कहा- 'हम अपनी खुशी से खुश होते हैं और आप दूसरों की तकलीफ से'

कराची, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर भड़क गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बजीरे आलम को एक सोशल पोस्ट में खूब खरी-खोटी सुनाए। कारण, पाक प्रधानमंत्री शरीफ ने टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की करारी हार के बाद भारतीय क्रिकेटर्स का मजाक उड़ाया था। उन्होंने एक सोशल पोस्ट में लिखा था- 'अब 170/0 और 152/0 के बीच फाइनल मुकाबला होगा।'

उनका इशारा पिछले साल UAE में आयोजित टी-20 वर्ल्ड कप की ओर था। तब पाकिस्तान ने भी भारत को दस विकेट से हराया था।

इस पर 38 साल के पूर्व ऑलराउंडर पठान ने पलटवार करते हुए कहा- 'आप में और हम में फर्क यही है। हम अपनी खुशी से खुश हैं और आप दूसरे के तकलीफ से। इसी वजह से खुद के मुल्क को बेहतर करने पर ध्यान नहीं है।'

वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मुकाबले में एडिलेड में गुरुवार को टीम इंडिया को इंग्लैंड के हाथ 10 विकेट की करारी हार झेलनी पड़ी थी। उसने अंग्रेजों को 169 रनों का टारगेट दिया था, जिसे जोस बटलर और एलेक्स हिल्स ने 16 ओवर में बगैर विकेट गंवाए 170/0 बनाते हुए जीत हासिल कर ली।

पिछले साल 24 अक्टूबर को दुबई में पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2021 के 16वें मुकाबले में भारत को दस विकेट से हराया था। वहां भारत के 152 रनों के टारगेट को बाबर-रिजबान ने मिलकर बगैर विकेट गंवाए हासिल कर लिया था। शरीफ इसी जीत की ओर इशारा कर रहे थे।

एमएलए खरीद मामले के आरोपी के होटल पर चला जीएचएमसी का हथौड़ा

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने रविवार को होटल डेक्कन किचन के अंदर किए गए कुछ अनधिकृत निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। इस होटल के मालिक नंद कुमार बताए जा रहे है। विधायक खरीद-फरोख्त मामले में नंद कुमार को रामचंद्र भारती और सिंह्याजी सहित दो अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया था। जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि निगम से वैध अनुमति प्राप्त किए बिना होटल परिसर के भीतर कुछ ढांचे का निर्माण किया गया था। इससे पहले शनिवार को, तेलंगाना विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जुबली हिल्स के फिल्मनगर में होटल की तलाशी ली थी। एसआईटी पुलिस का मानना था कि तीनों एजेंट अपने परिचितों के साथ शहर के दौरे के दौरान अक्सर इसी होटल में मिले थे, जिसके कारण उन्हें शनिवार को तलाशी लेनी पड़ी। एसआईटी ने तीन भाजपा एजेंटों से जुड़े मामले में जांच के हिस्से के रूप में छापेमारी की थी, जिन्होंने चार टीआरएस (बीआरएस) विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करने की कोशिश की थी। पुलिस टीमों ने चैतन्यपुरी स्थित नंद कुमार के घर और शहर के एक अन्य स्थान पर भी तलाशी ली थी।

'विक्रम-एस' का प्रक्षेपण कुछ दिनों के लिए टला

15 नवंबर को किया जाना था लॉन्च

हैदराबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के निजी क्षेत्र की ओर से विकसित पहले रॉकेट 'विक्रम-एस' का प्रक्षेपण कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया है। पहले इसे 15 नवंबर को लॉन्च किया जाना था। हैदराबाद के अंतरिक्ष स्टार्टअप 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने रविवार को कहा कि खराब मौसम की वजह से भारत के पहले निजी तौर पर विकसित रॉकेट 'विक्रम-एस' के उप-कक्षीय प्रक्षेपण को तीन दिनों के लिए यानी 18 नवंबर तक रोक दिया गया है।

स्काईरूट एयरोस्पेस के प्रवक्ता ने कहा कि खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण हमें श्रीहरिकोटा से हमारे विक्रम-एस रॉकेट लॉन्च के लिए 15-19 नवंबर तक एक नई लॉन्च विंडो दी गई है, जिसकी सबसे संभावित तारीख 18 नवंबर सुबह 11:30 बजे है। स्काईरूट एयरोस्पेस के इस पहले मिशन को 'प्रारंभ' नाम दिया गया है, जिसमें तीन उपभोक्ता पेलोड होंगे। इसे श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के लॉन्च पैड से प्रक्षेपित किया जाएगा।

तांडूर विधायक पायलट रोहित रेड्डी को मिले धमकी भरे फोन

साइबराबाद पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तांडूर से टीआरएस (बीआरएस) विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने साइबराबाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि कुछ लोग उन्हें फोन पर फोन कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। माधापुर एसीपी सी रघुनंदन राव को दी गई शिकायत में, विधायक ने आरोप लगाया कि उन्हें उत्तर प्रदेश और गुजरात से अलग-अलग नंबरों से फोन आ रहे हैं। रोहित रेड्डी ने अपनी शिकायत में कहा, कॉल करने वाले अभद्र भाषा में गाली दे रहे हैं और मुझे खत्म करने की धमकी दे रहे हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पायलट रोहित रेड्डी ने पहले मोइनाबाद पुलिस से संपर्क किया था और आरोप लगाया था कि भाजपा के तीन लोगों रामचंद्र भारती, नंदा कुमार और सिम्हायाजी स्वामी ने उन्हें और टीआरएस (बीआरएस) के तीन अन्य विधायकों को बड़ी रकम देने का वादा करके बीजेपी पार्टी में शामिल करने की कोशिश की। एक शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर भारती, नंदा कुमार और सिम्हायाजी स्वामी को गिरफ्तार कर लिया था।

कोल्लापुर विधायक को धमकाने के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोल्लापुर के विधायक बी हर्षवर्धन रेड्डी को कथित रूप से धमकाने के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विधायक ने बंजारा हिल्स पुलिस से संपर्क किया और कहा कि कुछ लोग फोन कर रहे हैं और उन्हें धमकी दे रहे है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 506, 386 और 195ए के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने पाया कि कॉल वीओआईपी नंबर के जरिए की गई थी।

तेलंगाना के मिशन काकतीय व मिशन भगीरथ ने फिर वाहवाही लूटी

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की प्रमुख पहल मिशन काकतीय और मिशन भगीरथ, को एक बार फिर केंद्रीय एजेंसियों द्वारा सराहा गया है। एजेंसियों ने कहा कि इन पहलों के साथ-साथ तेलंगाना सरकार द्वारा उठाए गए अन्य हस्तक्षेपों ने भूजल पुनर्भरण बढ़ाने और भूजल निकासी में कमी लाने में मदद की है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावतन द्वारा बुधवार को जारी डायनामिक ग्राउंड वॉटर रिसोर्स असेसमेंट रिपोर्ट 2022 के अनुसार, तेलंगाना में वार्षिक भूजल रिचार्ज 16.63 से बढ़कर 21.11 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) हो गया है। सरल शब्दों में कहें तो 2020 की तुलना में भूजल स्तर में लगभग 4.4 मीटर की वृद्धि हुई है। मूल्यांकन केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 के आकलन की तुलना में राज्य का कुल वार्षिक भूजल रिचार्ज 16.63 बीसीएम से बढ़कर 21.11 बीसीएम हो गया है। यह मुख्य रूप से 'अन्य स्रोतों' से रिचार्ज में वृद्धि के कारण है। इसके अलावा, वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन 15.03 बीसीएम से बढ़कर 19.09 बीसीएम हो गया है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य सरकार द्वारा उठाए गए हस्तक्षेपों ने भी भूजल निष्कर्षण के समग्र चरण को 53.32 प्रतिशत से घटाकर 41.6 प्रतिशत करने में सहायता की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका श्रेय मिशन काकतीय के तहत जल संरक्षण गतिविधियों, सतही जल सिंचाई में सुधार और मिशन भगीरथ आदि के तहत पेयजल आपूर्ति जैसे सरकारी हस्तक्षेपों को दिया जा सकता है। तेलंगाना के कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण का आकलन 21.27 बीसीएम और वार्षिक निकालने योग्य भूजल संसाधन 19.25 बीसीएम के रूप में किया गया है। वार्षिक भूजल निष्कर्षण 8.0 बीसीएम है और भूजल निष्कर्षण का चरण 41.6 प्रतिशत है, जो गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे भाजपा शासित राज्यों सहित अन्य राज्यों की तुलना में सबसे कम है।

मूल्यांकन अध्ययन के भाग के रूप में, 594 मंडलों (इकाइयों) का मूल्यांकन किया गया। इनमें से 13 इकाइयों (सिर्फ दो प्रतिशत) को 'अति शोषित', जबकि सात इकाइयों (एक प्रतिशत) को 'गंभीर', 80 इकाइयों को 'अर्ध-गंभीर' और 494 इकाइयों (83 प्रतिशत को 'सुरक्षित') के रूप में वर्गीकृत किया गया है। राज्य में मूल्यांकन इकाई की कोई 'खारा' श्रेणी नहीं है। देश भर में, 7,089 मूल्यांकन इकाइयों (ब्लॉक/जिले/मंडल/तालुका/फिरका) का मूल्यांकन किया गया। इनमें से 1,006 इकाइयों (14 प्रतिशत) को 'अति-शोषित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, 260 इकाइयों (चार प्रतिशत) को 'गंभीर' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, 885 इकाइयों (12 प्रतिशत) को 'अर्ध-गंभीर' और 4,780 इकाइयों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इकाइयों (67 प्रतिशत) को 'सुरक्षित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

टीआरएस विधायक के काफिले पर युवकों का हमला

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के गन्नेरुआराम मंडल के गुंडलपल्ली गांव में रविवार को मनकोंडुरु विधायक रसमयी बालकिशन के काफिले पर युवक द्वारा हमला किए जाने से कुछ देर तक तनाव बना रहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बालकृष्ण के विधायक पद से इस्तीफे की मांग को लेकर गुंडलपल्ली गांव में युवा संगठनों के सहयोग से राजीव राहदारी पर विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया था। घटना की जानकारी होने पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कवमपल्ली सत्यनारायण भी मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए। हाईवे पर विरोध प्रदर्शन चल रहा था। इसी आंदोलनकारियों ने विधायक बालकृष्ण के काफिले को देखा। विधायक बेजानकी मंडल के बेगमपेट गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद आंदोलन स्थल को पार कर रहे थे। इसी बीच आंदोलनकारियों ने उन्हें रोक दिया। हालांकि, सैकड़ों युवकों ने अचानक उनकी कार पर हमला कर दिया। सतर्क पुलिस ने लाठीचार्ज किया और युवक को तितर-बितर कर दिया।

अचानक हुए हमले की भनक लगते ही विधायक बालकिशन तुरंत मौके से फरार हो गया और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। घायल प्रदर्शनकारियों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। यह स्पष्ट नहीं है कि युवक किसी खास पार्टी या समूह का है या नहीं। टीआरएस विधायक ने स्थानीय लोगों से दोहरी सड़क और कुछ अन्य योजनाओं सहित कई वादे किए हैं, अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे। विधायक ने आश्वासन दिया कि जल्द ही सारे वादे पूरे कर लिए जाएंगे, लेकिन आक्रोशित युवक ने अचानक उनकी कार पर हमला कर दिया।

अमीनपुर टैंक में एक ही परिवार के तीन लोग डूबे

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के अमीनपुर तालाब में शनिवार को एक ही परिवार के तीन लोगों की डूबने से मौत हो गयी। अमीनपुर पुलिस के अनुसार शनिवार को 38 वर्षीय यादम्मा अपनी 15 वर्षीय बेटी लावण्या के साथ अमीनपुर तालाब के बांध पर कपड़े धो रही थी। लावण्या गलती से फिसल कर टैंक में गिर गई, जिसके बाद यादम्मा ने उसे बचाने का प्रयास किया और वह भी डूब गई। रविवार की सुबह यदम्मा के भाई उसुरैया (40) की भी मां-बेटी के शव की तलाश के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

ग्रुप-4 नौकरियों की अधिसूचना जल्द जारी करेगी सरकार : हरीश राव

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने जानकारी दी है कि राज्य सरकार जल्द ही ग्रुप -4 नौकरियों की अधिसूचना जारी करेगी। रविवार को सिद्दीपेट में मीडिया से बात करते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही 17,000 से अधिक कांस्टेबल पदों पर भर्ती कर चुकी है और वह पुलिस विभाग में अन्य 2,000 पदों पर भर्ती करने की भी योजना बना रही है। हरीश राव ने कहा कि 95 प्रतिशत नौकरियां अब राज्य के स्थानीय युवाओं के लिए आरक्षित हैं।

उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित सरकारी आदेश पहले ही अधिसूचित किए जा चुके हैं। उन्होंने रिक्त पदों को पूरा करने में विफल रहने के लिए केंद्र सरकार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अग्निपथ योजना शुरू करके युवाओं को धोखा दिया है।

झोपड़ी मालिकों को 5 लाख की सहायता देने की मांग

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वामपंथी सीपीएम ने आज रंगारेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट के गरीब लोगों की झोपड़ियों को ध्वस्त करने के लिए राज्य सरकार के कृत्य की निंदा की। उन्होंने राज्य सरकार प्रत्येक झोपड़ी में रहने वाले को 5 लाख का मुआवजा देने की मांग की। पार्टी के तम्मिनेनी वीराबादम ने आज एक बयान में कहा कि पिछली कांग्रेस राज्य सरकार ने अब्दुल्लापुरमेट के सर्वेक्षण संख्या 573 में गरीब बेघर परिवारों के लिए पट्टे तैयार किए थे, लेकिन लाभार्थियों को भूमि के पट्टे वितरित नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बेघर गरीब लोगों की बार-बार जमीन के पट्टे मंजूर करने की अपील का जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारी 250 पुलिस कर्मियों के साथ इलाके में पहुंचे और सभी झोपड़ियों को तोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने लाठीचार्ज किया और महिलाओं और बच्चों सहित कई गरीब लोगों को घायल कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

तेलुगु राज्यों से वादों को पूरा करने में विफल रहने पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की आलोचना की

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत राज्य के लोगों से किए अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। टीपीसीसी नेता और पूर्व सांसद पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य के भाजपा नेताओं को अपने डीएनए का परीक्षण करना चाहिए क्योंकि वे अपने वादों को पूरा करने के लिए यूनीओम सरकार पर दबाव बनाने में विफल रहे। रामागुंडम फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड के समर्पण के बारे में बात करते हुए, पोन्नम ने उपहास किया कि भाजपा नेता कारखाने के समर्पण का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, जिसे पहले ही कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बहाल कर दिया था। उन्होंने कहा कि केंद्र की कांग्रेस सरकार ने अपने शासन के दौरान आरएफसीएल सहित चार कारखानों की बहाली के लिए 18400 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। उन्होंने भाजपा नेताओं से पूछा कि क्या उन्हें आरएफसीएल के बारे में तथ्यों की जानकारी नहीं है। उन्होंने भाजपा नेताओं से पूछा कि क्या उन्होंने आठ साल के शासन में कम से कम एक उर्वरक कारखाना स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश के किसानों की मदद के लिए अपने शासन के दौरान यूरिया की आपूर्ति पर 1 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी दी। राज्य में एक जनसभा में अपने संबोधन में प्रधान मंत्री द्वारा की गई टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि वह राज्य के गरीब लोगों को लूटने वालों को नहीं छोड़ेंगे। प्रभाकर ने मोदी से पूछा कि क्या यह वह नहीं है जिसने अब तक गरीब लोगों को लूटा है। उन्होंने मोदी से यह भी पूछा कि क्या कोई और नेता था, जिसने लोगों को सबसे ज्यादा लूटा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक क्षेत्र के बंदरगाहों और हवाई अड्डों को अंबानी और अदानी जैसे अपने उद्योगपति मित्रों को बेच दिया था। पोन्नम ने मोदी से यह भी पूछा कि कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के सबूत होने के बावजूद उन्होंने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर को मोदी से मिलना चाहिए था और तेलंगाना राज्य के अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए था। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैदराबाद से दिल्ली के लिए बुलेट ट्रेन को मंजूरी दें।

अमरोहा में हैदराबाद की महिला की हत्या

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक महिला को उसके प्रेमी ने यूपी के अमरोहा जिले में पीट-पीट कर मार डाला। तीन दिन पहले अमरोहा जिले में एक सुरक्षा एजेंसी के कार्यालय के पास महिला का सिर फटा शव मिला था। 36 वर्षीय मोहम्मद शहजाद अमरोहा में पेंट की दुकान चलाता हैं। उसने इस साल की शुरुआत में सोशल मीडिया पर महिला से दोस्ती की थी। जैसे ही दोस्ती प्यार में बदल गई, महिला ने शहजाद से मिलने की इच्छा व्यक्त की, और उसने उसे उत्तर प्रदेश आने के लिए कहा। इसके बाद सलमा ने 8 नवंबर को पहली बार शहजाद से मिलने के लिए हैदराबाद से पूरे रास्ते का सफर तय किया। पुलिस के मुताबिक, प्यार में डूबी सलमा ने शहजाद से उससे शादी करने के लिए कहा लेकिन उसने मना कर दिया। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और गुस्साए शहजाद ने उसके सिर पर ईंट से वार किया और बाद में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने शव को अपनी पेंट की दुकान के बगल में एक सुरक्षा एजेंसी के कार्यालय के पास फेंक दिया। अमरोहा पुलिस के मुताबिक बीते 9 नवंबर को महिला का शव एक कार्यालय के अंदर फेंका गया था। एक आईडी कार्ड की मदद से उसकी पहचान करने के बाद, पुलिस ने साइट से एक मोबाइल भी बरामद किया। आरोपी समेत दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ के बाद युवक ने बताया कि वह फेसबुक पर महिला के संपर्क में आया था। वह गजरौला में स्थित पेंट की दुकान पर मिलने आई थी और झगड़े के बाद उसे पीट-पीट कर मार डाला गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आपराधिक साजिश और हत्या का मामला दर्ज किया गया है, जो शराबी है और उसकी पत्नी ने कुछ साल पहले उसे तलाक दे दिया था। पुलिस ने घटना के बारे में हैदराबाद में पुलिस को सूचित कर दिया है। महिला का परिवार अब अमरोहा जा रहा है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.